RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

# हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 34 ■ अंक 11 ■ मुंबई, बुधवार 6 अगस्त 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

# '24 घंटे में भारत पर भारी टैरिफ'

## भारत अच्छा बिजनेस पार्टनर नहीं, रूस से तेल खरीदना युद्ध मशीन को ईंधन देने जैसा

**महानगर नेटवर्क**

**नई दिल्ली**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वे भारत पर 24 घंटे के भीतर और ज्यादा टैरिफ लगाएंगे। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि भारत अच्छा बिजनेस पार्टनर नहीं है।

ट्रम्प के मुताबिक, भारत के टैरिफ दुनिया में सबसे ज्यादा हैं और यह बात लोग खुलकर नहीं कहते। ट्रम्प का कहना है कि भारत अमेरिका से बहुत ज्यादा व्यापार करता है, लेकिन अमेरिका को भारत से उतना फायदा नहीं मिलता। इसीलिए उन्होंने भारत पर 25% टैरिफ लगाने का फैसला किया है, यह 7 अगस्त 2025 से लागू हो जाएगा, लेकिन वे इस टैरिफ को अगले 24 घंटों के भीतर और बढ़ाने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार संतुलन नहीं है और भारत, रूस के साथ व्यापार करके यूक्रेन के खिलाफ रूसी वॉर मशीन को ईंधन देने का काम कर रहा है। इस वजह से अमेरिका को सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

### रूस का अमेरिका को जवाब

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, दूसरे देशों को रूस से व्यापार करने से रोकना गैरकानूनी है। हर देश को अपने व्यापारिक फैसले खुद लेने का हक है। किसी पर इस तरह का दबाव डालना 'धमकी' मानी जाएगी। रूस का यह बयान ट्रंप की चेतावनी के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने भारत से कहा था कि अगर उसने रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया तो अमेरिका भारी टैरिफ लगा देगा।

### अमेरिका को भारत ने किया बेनकाब

इससे पहले ट्रम्प ने सोमवार को भारत पर 'और ज्यादा टैरिफ' लगाने की धमकी दी थी, जिसके बाद भारत ने पहली बार अमेरिका का नाम लेकर खुलकर जवाब दिया। डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को सोशल मीडिया पर लिखा था कि भारत को परवाह नहीं है कि रूस के हमले में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इसलिए, मैं भारत पर टैरिफ को बढ़ाने जा रहा हूं। इसके जवाब में भारत ने रूस से अमेरिका और यूरोपीय यूनियन (EU) को होने वाले निर्यात का आंकड़ा जारी कर कहा, अमेरिका अपने परमाणु उद्योग के लिए रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, ईवी उद्योग के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन का आयात जारी रखे हुए है। यही हाल EU का है। ऐसे में भारत को निशाना बनाना अनुचित और तर्कहीन है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत को निशाना बनाना गलत है। हम अपने राष्ट्रीय हितों के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगे।

**दवाओं पर 250% टैरिफ लगाने की धमकी**

डोनाल्ड ट्रम्प ने फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स पर टैरिफ 250% लगाने की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा कि वे शुरू में फार्मास्यूटिकल्स पर छोटा टैरिफ लगाएंगे, लेकिन फिर इसे एक से डेढ़ साल में बढ़ाकर 150% और फिर 250% कर देंगे। अगर ऐसा हुआ तो भारतीय दवा कंपनियां संकट में होंगी।

## मणिपुर में छह महीने के लिए बढ़ा राष्ट्रपति शासन

**नई दिल्ली।** संसद ने मंगलवार को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ाने के प्रावधान वाले सांविधिक संकल्प को मंजूरी दे दी। राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों के विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के बीच इस संकल्प को ध्वनिमत से पारित किया गया। लोकसभा इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है। इससे पहले गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से संबंधित सांविधिक संकल्प को चर्चा एवं पारित करने के लिए उच्च सदन में पेश किया जिसके तहत राज्य में 13 फरवरी 2025 को संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत लागू राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से छह और महीने के लिए बढ़ाया जाना है।

## पाकिस्तान ने किया सीजफायर उल्लंघन

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ ज़िले में LoC यानी नियंत्रण रेखा पर सीजफायर का उल्लंघन किया है। जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तानी सैनिकों ने बिना उकसावे के गोलीबारी शुरू कर दी। यह गोलीबारी 10 से 15 मिनट तक चली। छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई। भारतीय सेना ने भी इसका कड़ा और प्रभावी जवाब दिया है। गोलीबारी रुक गई, लेकिन नियंत्रण रेखा पर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

# उत्तरकाशी में बादल फटने से तबाही

- मलबे में 20-25 होटल भी दब गए; कई मौत
- हर्षिल में सेना का कैंप भी चपेट में आया, 8-10 जवान लापता!

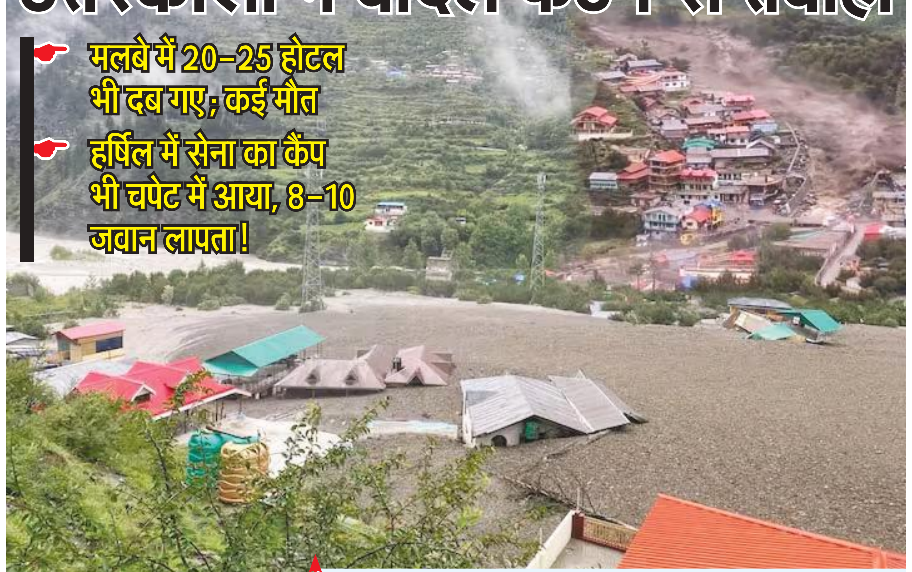

**महानगर नेटवर्क**

**उत्तरकाशी**

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में बादल फटने की विनाशकारी घटना के बाद हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। निचले हर्षिल क्षेत्र में स्थित एक शिविर से 8 से 10 भारतीय सेना के जवान लापता बताए जा रहे हैं। इस त्रासदी के बावजूद, भारतीय सेना के अन्य जवान राहत और बचाव कार्यों में पूरी निष्ठा से जुटे हुए हैं। बादल फटने के बाद लोगों की मदद के लिए सेना के जवान करीब 10 मिनट के भीतर ही पहुंच गए थे।

जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर धराली गांव में करीब 20-25 होटल और होम स्टे भी बह गए हैं। घटना के बाद कई लोग लापता हैं और बहुत से लोगों के हताहत होने की आशंका है। इस बीच सेना और आईटीबीपी ने राहत और बचाव कार्य के लिए मोर्चा संभाल लिया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि खीर गंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बादल फटने से विनाशकारी बाढ़ आई। पहाड़ से गिरे मलबे में गांव का अधिकतर हिस्सा मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। कई मकान, 20-25 होटल और होम स्टे भी मलबे में दब गए हैं। बाजार का पूरा इलाका भी मलबे में दब गया है। उत्तरकाशी के डीएम प्रशांत आर्या ने बताया कि अब तक 4 लोगों की मौत की खबर मिली है। 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। कई लोगों के दबे होने की खबर है।

### मुख्यमंत्री ने युद्धस्तर पर राहत-बचाव का दिया निर्देश, गृहमंत्री ने भी की बात

बादल फटने की घटना से हुए जन-धन के नुकसान की सूचना पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दु:ख जाहिर करते हुए प्रभावितों के प्रति संवेदना प्रकट की है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए हैं। सेना, SDRF, NDRF, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित टीमें मौके पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं। इस बीच गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री से बात की है, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चलाने का निर्देश दिया है।

**हेल्पलाइन नंबर**
- 01374222126
- 222722
- 9456556431

# विपक्ष अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने में माहिर

## ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग करके गलती की

**महानगर नेटवर्क**

**नई दिल्ली**

दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में मंगलवार को NDA संसदीय दल की बैठक हुई। इसमें NDA सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता पर PM नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने PM को हार पहनाया। सांसदों ने 'हर-हर महादेव', 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। PM ने सांसदों को अपने संबोधन में कहा, 'संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करके विपक्ष ने गलती की। इसमें उनकी ही फजीहत हुई। विपक्ष अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने में माहिर है। विपक्ष रोज ऐसी चर्चा कराए, हम इस फील्ड में माहिर हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'बिहार में वोटर्स लिस्ट रिविजन के मुद्दे पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। देश की जनता सब देख रही है।'

PM ने अमित शाह की भी तारीफ की और कहा कि वे अब सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले केंद्रीय गृह मंत्री हैं। NDA सांसदों की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव भी पास किया गया। इसमें कहा गया कि सैन्य शक्ति और मजबूत नेतृत्व के जरिए इंसाफ हुआ। भारत आतंकवाद को न तो भूलता है और न ही कभी माफ करता है।

## जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

**नई दिल्ली।** जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने दोपहर 1:12 बजे अंतिम सांस ली। सत्यपाल मलिक लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। 11 मई को हालत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे जम्मू-कश्मीर, बिहार, गोवा और मेघालय के राज्यपाल रहे। 2018 में ओडिशा के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला। सत्यपाल 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे। इन्हीं के कार्यकाल के दौरान ही 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सत्यपाल मलिक के निधन पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने X पर एक पोस्ट में लिखा, "सत्यपाल मलिक जी के निधन से दुखी हूं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। ओम शांति।"

## जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा, सुप्रीम कोर्ट में 8 को सुनवाई

**नई दिल्ली।** जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 8 अगस्त को सुनवाई कर सकता है। सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने मंगलवार को भारत के चीफ जस्टिस (CJI) बी आर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच के सामने इस मामले का उल्लेख किया।

# शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन

**महानगर नेटवर्क**

**रामगढ़**

'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन के निधन के बाद से उनके पैतृक नेमरा गांव में माहौल गमगीन है। दूर-दूर से लोग राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री के अंतिम दर्शन के लिए गांव में उमड़ पड़े। शिबू सोरेन ने सोमवार को दिल्ली के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली थी। वो 81 वर्ष के थे। शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार नेमरा गांव बड़का नाला श्मशान घाट में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। हेमंत सोरेन ने अपने पिता शिबू सोरेन को मुखाग्नि दी। आदिवासी परंपरा और रीति रिवाज से अंतिम संस्कार किया गया। शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी भी नेमरा पहुंचे थे। इसके अलावा विभिन्न दलों के नेता भी पहुंचे।

SMBT HOSPITAL

आरोग्यसाधना
महाराष्ट्रातील सर्वात मोठं आरोग्य शिबिर
1 जुलै ते 30 सप्टेंबर पर्यंत

महाराष्ट्रातील सर्वात अनुभवी आणि तज्ञ डॉक्टरांच्या टीम कडून

शासकीय योजनेअंतर्गत मोफत सुपरस्पेशालिटी शस्त्रक्रिया उपचार

**हृदयविकार शस्त्रक्रिया व प्रोसिजर**
- ॲन्जिओग्राफी
- ॲन्जिओप्लास्टी
- डिव्हाईस क्लोजर (हृदयाची झडप बंद करणे)
- बायपास शस्त्रक्रिया (ओपन हार्ट शस्त्रक्रिया)
- वॉल्व्ह रिप्लेसमेंट व रिपेअर शस्त्रक्रिया
- लहान मुलांची ओपन हार्ट शस्त्रक्रिया
- मिनिमल इन्व्हेजिव कार्डियाक प्रोसिजर
- टोटल आर्टेरियल रिव्हॅस्क्युलरायझेशन
- बलून प्रोसिजर
- ई-पी स्टडी
- पेसमेकर

**मेंदू व मणकेविकार शस्त्रक्रिया**
- मेंदूतील व मणक्यातील गाठींची शस्त्रक्रिया
- मेंदूतील रक्तस्राव शस्त्रक्रिया
- कवटीचे हाड बसविणे
- मणक्यातील पेन इन्जेक्शन
- दुर्बिणीद्वारे मणक्याच्या शस्त्रक्रिया
- व्हीपी शंट शस्त्रक्रिया

**कर्करोग उपचार व शस्त्रक्रिया**
- किमोथेरपी
- रेडिएशन (लवकरच)
- रक्ताचे कर्करोग । लिम्फोमा । मायलोमा
- तोंडाचा, जिभेचा कर्करोग
- स्तनाच्या गाठींचा कर्करोग
- थायरॉईड ग्रंथीचा कर्करोग
- गर्भाशय गाठींचा व अंडाशयाचा कर्करोग
- जठर व आतड्यांचा कर्करोग
- मूत्राशयातील कर्करोग

**पोटविकार (गॅस्ट्रोएन्टेरोलॉजी) उपचार**
- पित्तनलिकेतील खडे (ईआरसीपी)
- यकृताचे विकार
- अतिसार (डायरिया)
- स्वादूपिंडाच्या शस्त्रक्रिया
- पोटातील आतड्याला सूज
- अन्ननलिका पोट आतड्यांचे विकार
- ईव्हीएल बँडींग
- गळ्याखाली फुगलेल्या नसांचे बँडींग करणे

**इतर शस्त्रक्रिया**
- कानामागच्या हाडाची शस्त्रक्रिया
- कानाच्या पडद्याची शस्त्रक्रिया
- नाकाच्या हाडाच्या सायनसेसची शस्त्रक्रिया (दुर्बिणीद्वारे)
- थॉयराईड ग्रंथीच्या शस्त्रक्रिया

**दुर्बिणीद्वारे मूत्ररोग शस्त्रक्रिया**
- प्रोस्टेट ग्रंथीची दुर्बिणीद्वारे शस्त्रक्रिया
- किडनीस्टोन (मूतखडा) शस्त्रक्रिया
- खराब झालेल्या किडनीची शस्त्रक्रिया
- किडनी, मूत्राशय आणि मूत्रमार्गाचे कर्करोग

**अस्थिरोग व सांधे प्रत्यारोपण शस्त्रक्रिया**
- गुडघा प्रत्यारोपण (TKR)
- खुबा प्रत्यारोपण (THR)

मोफत बाह्यरुग्ण (OPD) तपासणी
२६ पेक्षा अधिक सुपर स्पेशालिटी व स्पेशालिटी डॉक्टरांचा सल्ला व मार्गदर्शन

मोफत किडनी ट्रान्सप्लांट (मूत्रपिंड प्रत्यारोपण)

महात्मा फुले जनआरोग्य व प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजनेअंतर्गत सर्व रेशनकार्ड धारकांसाठी मोफत उपचार व शस्त्रक्रिया

आता शासकीय योजनेत न बसणाऱ्या सर्व शस्त्रक्रिया

एसएमबीटी हॉस्पिटलमध्ये मोफत*

अल्पदरात तपासण्या (रेडिओलॉजी/पॅथोलॉजी) व औषधे या व्यतिरिक्त रुग्णांना कुठलाही खर्च नाही

**जनरल सर्जरी शस्त्रक्रिया**
- हर्निया शस्त्रक्रिया (टाक्यांची/दुर्बिणीद्वारे)
- अपेंडिक्स (टाक्यांची/दुर्बिणीद्वारे)
- डायग्नोस्टिक लॅप्रोस्कोपी
- हायड्रोसिल शस्त्रक्रिया
- सर्वप्रकारच्या आतड्यांच्या शस्त्रक्रिया
- मूळव्याध / भगंदर शस्त्रक्रिया
- सुंताची शस्त्रक्रिया

**नेत्ररोग शस्त्रक्रिया**
- मोतिबिंदू शस्त्रक्रिया
- तिरळेपणा शस्त्रक्रिया
- डोळ्यावरील पडद्याच्या शस्त्रक्रिया
- नेत्रपटलच्या सर्व आजारांचे निदान व उपचार

**कान, नाक व घसा शस्त्रक्रिया**
- टॉन्सिल्स
- नाकाच्या हाडाची शस्त्रक्रिया
- लासूरची शस्त्रक्रिया (दुर्बिणीद्वारे)
- श्वसननलिकेतून फॉरेन बॉडी काढणे शस्त्रक्रिया
- लाळग्रंथीची शस्त्रक्रिया

**स्त्रीरोग व प्रसूती शस्त्रक्रिया**
- सिझेरिअन व साधारण प्रसूती
- संततीची शस्त्रक्रिया
- गर्भपिशवी शस्त्रक्रिया (टाक्यांची/दुर्बिणीद्वारे)
- गर्भपिशवी साफ करणे
- अंडाशयाच्या गाठींची शस्त्रक्रिया

**आरोग्यसाधना शिबिरांतर्गत रुग्णांसाठी मोफत* सुविधा**
- तज्ञ डॉक्टरांची तपासणी फी
- वॉर्ड बेड चार्जेस
- हॉस्पिटल चार्जेस
- शस्त्रक्रिया (ओटी) चार्जेस
- ॲनेस्थेशिया (भूलतज्ञ) चार्जेस
- नर्सिंग चार्जेस
- जेवणाची सोय

→ नि:शुल्क

अल्पदरात उपचार
तावी | रोटा | आयव्हस
(अद्ययावत कॉम्प्लेक्स कार्डियाक प्रोसिजर्स)
बोन मॅरो ट्रान्सप्लांट व कार-टी सेल थेरपी
(रक्तविकार कर्करोगावर अद्ययावत उपचार)

हॉस्पिटलचे वैशिष्ट्ये
- 26 पेक्षा अधिक सुपर स्पेशालिटी आणि स्पेशालिटी सेवा एकाच छताखाली
- 10,000+ मोफत अँजिओप्लास्टी, 1,000+ मोफत ओपन हार्ट सर्जरी, 2,000+ मोफत डिव्हाइस क्लोझर
- महाराष्ट्रातील टॉप 3 गुणवत्तापूर्ण व परवडणारी आरोग्य सेवा देणाऱ्या रुग्णालयांपैकी एक
- कर्करोग उपचारांसाठी टाटा मेमोरियल हॉस्पिटलचे तांत्रिक मार्गदर्शन
- महाराष्ट्रातून समृद्धी एक्सप्रेस हायवेने आता SMBT ला पोहचणे सहज सुलभ
- कॅशलेस उपचार सुविधा

इतर अद्ययावत तपासणी विभाग
- एमआरआय (1.5 टेस्ला)
- सिटी स्कॅन
- मॅमोग्राफी
- सोनोग्राफी
- 2 डी इको
- कार्डियाक कलर डॉप्लर
- डिजिटल एक्स-रे
- ईसीजी । ईइजी
- ईएमजी । पीएफटी
- टीएमटी (हृदयाची स्ट्रेस टेस्ट)
- युडीएस
- युरोफ्लोमेट्री (मूत्रविकार तपासणी)
- ऑडिओमेट्री
- बेरा (कानाच्या पडद्याच्या तपासणी)

एसएमबीटीची रुग्णांसाठी विशेष बससेवा (सोमवार ते शनिवार)
नाशिक 9145001651 सिन्नर 7720053257
कसारा 9145001652 शहापूर 7720008666
भिवंडी 9226089164

आता घरबसल्या घ्या एसएमबीटीच्या तज्ञ डॉक्टरांचा मोफत सल्ला व मार्गदर्शन
कनेक्ट साठी क्यूआर स्कॅन करा

टीप- रुग्णालयात येतांना जुने रिपोर्ट, आधार कार्ड व रेशन कार्ड सोबत आणावेत.

एसएमबीटी हॉस्पिटल
नंदी हिल्स, ता. इगतपुरी, जि. नाशिक

अधिक माहितीसाठी संपर्क
0253-694 00 00

# कबूतरखानों को अचानक बंद करना उचित नहीं : फडणवीस

## वैकल्पिक व्यवस्था होने तक कबूतरों को नियंत्रित भोजन की आपूर्ति जारी रखने के निर्देश

**मुंबई।** मुंबई के कबूतरखानों के मुद्दे पर मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कबूतरों की जान बचाना, पर्यावरण की रक्षा करना और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा, ये तीनों बातें महत्वपूर्ण है। कबूतरखानों को अचानक बंद करना ठीक नहीं है। कबूतरखानों के बारे में लिए गए निर्णय पर क्रियान्वयन करते हुए वैकल्पिक उपाय किए जाने चाहिए। कबूतरखाना क्षेत्र में कबूतरों को भूखे रहने पर मजबूर नहीं होना पड़े, इसलिए मनपा को वैकल्पिक व्यवस्था होने तक कबूतरों को नियंत्रित भोजन की आपूर्ति जारी रखने का निर्देश दिया गया है।

बैठक में कबूतरखानों के मुद्दे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंत्रालय में एक बैठक हुई। बैठक में उपमुख्यमंत्री अजित पवार, वन मंत्री गणेश नाईक, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढा, विधायक कालिदास कोलंबकर, मुंबई महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगरानी, वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मिलिंद म्हैसकर उपस्थित थे।

### मनपा को रखरखाव करने के निर्देश

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि कबूतरों की देखभाल और आम लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों से बचने के लिए उन्हें दाना डालने और न डालने के समय के संबंध में नियम बनाए जाने चाहिए। शहर में विभिन्न स्थानों पर कबूतरों की बड़ी संख्या के कारण श्वसन संबंधी समस्याएं, बीट से होने वाला प्रदूषण और सार्वजनिक स्वच्छता संबंधी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। हालांकि इस संबंध में कबूतरखानों के स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन आवश्यक है और इसके लिए संबंधित विशेषज्ञों की सहायता से एक अध्ययन रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिए। कबूतरों की बीट का उचित प्रबंधन आवश्यक है। बीट की सफाई के लिए उपलब्ध तकनीकी समाधानों पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के साथ इस बारे में चर्चा की है। सीएम ने कहा कि कबूतरखानों से जुड़े मुद्दों पर उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका पर सुनवाई चल रही है। राज्य सरकार और मुंबई महानगरपालिका को इस मुद्दे पर उच्च न्यायालय में अपना पक्ष रखना चाहिए। न्यायालय में चल रही सुनवाई के संदर्भ में यदि आवश्यक हुआ तो राज्य सरकार आवश्यकतानुसार सर्वोच्च न्यायालय में भी अपना पक्ष रखेगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मुंबई महानगरपालिका को पक्षी खाने का निर्माण और रखरखाव करने के निर्देश भी दिए।

# 7,000 वाहन चालकों के लाइसेंस निलंबित

## ठाणे में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी पर बड़ी कार्रवाई

**महानगर संवाददाता**
**ठाणे**

ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करना अब सिर्फ जुर्माने तक सीमित नहीं रह गया है। ठाणे क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO) ने सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पिछले पांच वर्षों में गंभीर नियम उल्लंघन करने वाले करीब 7,000 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए हैं। यह कदम उन लोगों के लिए स्पष्ट संदेश है जो नशे में गाड़ी चलाते हैं, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाते हैं या भारी वाहनों में तय सीमा से अधिक माल लादते हैं। बता दें कि उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रोहित काटकर के अनुसार, हर साल औसतन 1,200 से 1,500 चालकों पर यह सख्त कार्रवाई की जाती है। काटकर ने बताया कि जो चालक शराब के नशे में वाहन चलाते हैं, ट्रैफिक सिग्नल तोड़ते हैं, गति सीमा का उल्लंघन करते हैं या ओवरलोडिंग करते हैं, उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाती है।

### सुरक्षित ड्राइविंग सामाजिक जिम्मेदारी है

पहले चालक को नोटिस भेजा जाता है और जांच में दोषी पाए जाने पर उसका ड्राइविंग लाइसेंस तुरंत निलंबित कर दिया जाता है। काटकर ने यह भी स्पष्ट किया कि RTO का मुख्य उद्देश्य लोगों को नियमों के प्रति जागरूक करना है, लेकिन नियमों को तोड़ने वालों को दंडित करना भी उतना ही जरूरी है। इसीलिए विभाग ने अब लाइसेंस निरस्तीकरण जैसी सख्त कार्रवाई को प्राथमिकता दी है। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे नशे की हालत में वाहन न चलाएं, मोबाइल फोन का प्रयोग गाड़ी चलाते समय न करें, हेलमेट पहनें और सीट बेल्ट बांधें। उन्होंने कहा कि ये आदतें केवल आपकी ही नहीं, बल्कि दूसरों की जान के लिए भी खतरा बन सकती हैं। नशे में ड्राइविंग या ट्रैफिक नियमों की अनदेखी सिर्फ कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध भी है। ठाणे RTO की यह पहल सड़क सुरक्षा के प्रति गंभीरता को दर्शाती है और नागरिकों को यह संदेश देती है कि नियमों की अनदेखी का अंजाम अब और गंभीर होगा। सुरक्षित ड्राइविंग केवल नियम पालन नहीं, बल्कि सामाजिक ज़िम्मेदारी भी है।

# हर घर तिरंगा अभियान के तहत कडोंमपा में रंगारंग कार्यक्रम

**कल्याण।** शासन के निर्देशानुसार "हर घर तिरंगा" यानी "घरो-घरी तिरंगा" अभियान इस वर्ष 2 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति व्यक्तिगत जुड़ाव को मजबूत करना और युवाओं में देशभक्ति की भावना को प्रज्वलित करना है। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका ने इस अवसर पर कई कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। अभियान के तहत 2 अगस्त को महापालिका क्षेत्र के स्कूलों में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं, विद्यार्थियों को तिरंगा ध्वज के इतिहास और निर्माण की जानकारी देने के लिए विभिन्न स्कूलों में तिरंगा चित्रों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। महापालिका के विद्युत विभाग ने भी शहर के प्रमुख चौक, महत्वपूर्ण इमारतों, महापालिका मुख्यालय और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक स्थित ओक टॉवर को तिरंगे की रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया है। रात के समय इन स्थलों की भव्य छटा लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। अभियान के अंतर्गत महापालिका का विद्युत विभाग 10 अगस्त को सुबह 6:30 बजे महापालिका मुख्यालय से साइकिल रैली का आयोजन करेगा।

# गणेशोत्सव विसर्जन के लिए ठाणे महापालिका तैयार

## 132 स्थानों पर होगी पर्यावरण के अनुकूल व्यवस्था

**ठाणे।** गणेशोत्सव के दौरान मूर्ति विसर्जन को लेकर ठाणे महानगरपालिका ने इस वर्ष विशेष तैयारी की है। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार छह फीट तक की गणेश मूर्तियों का विसर्जन केवल कृत्रिम तालाबों में किया जाएगा, जबकि छह फीट से ऊँची मूर्तियों का विसर्जन प्राकृतिक जलस्रोतों में संभव होगा। इसके मद्देनज़र महापालिका ने इस वर्ष विसर्जन की व्यवस्था में डेढ़ गुना से अधिक बढ़ोतरी की है। कुल 132 स्थानों पर विसर्जन के लिए व्यवस्था की गई है, यह जानकारी महापालिका आयुक्त सौरभ राव ने दी।

महापालिका मुख्यालय में आयोजित बैठक में आयुक्त राव की अध्यक्षता में पुलिस विभाग, महावितरण, टोरेंट पॉवर, स्वयंसेवी संस्थाएं और गणेशोत्सव मंडलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस बार 24 कृत्रिम तालाब, 74 पानी की टंकियां, 15 मोबाइल विसर्जन यूनिट, 9 घाट और 10 मूर्ति स्वीकृति केंद्र बनाए जा रहे हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अधिक व्यापक व्यवस्था की गई है।

आयुक्त राव ने बताया कि पिछले वर्ष शुरू की गई मोबाइल विसर्जन हौद प्रणाली को जनता ने काफी सराहा, इसलिए इस बार इनकी संख्या बढ़ाई गई है। साथ ही, दो पालियों में अलग-अलग मानवबल की तैनाती की जाएगी जिससे विसर्जन व्यवस्था और अधिक कुशल और तेज़ हो सकेगी। घाटों पर क्रेन और बार्ज की व्यवस्था की माँग पर भी विचार किया जा रहा है। विसर्जन व्यवस्था को विकेंद्रीकृत करने के लिए वार्ड स्तर पर भी योजनाएँ बनाई गई हैं ताकि एक ही जगह अधिक भीड़ ना हो। महापालिका ने इस वर्ष 'हरित विसर्जन ऐप' भी तैयार किया है जो जल्द ही सभी मोबाइल प्लेटफार्म पर उपलब्ध होगा। किसी भी समस्या या आवश्यकता के समाधान के लिए उपायुक्त शंकर पाटोले को समन्वय अधिकारी नियुक्त किया गया है। बैठक में गणेश मंडलों की ओर से विभिन्न सुझाव भी रखे गए। इस अवसर पर आयुक्त राव ने सभी मंडलों और नागरिकों से अपील की कि वे प्रशासन के साथ मिलकर गणेशोत्सव को उत्साह, सुरक्षित और पर्यावरण-सम्मत तरीके से मनाएं।

# डॉ. मंजू मंगल प्रभात लोढ़ा को 'कल्चरल चैंपियन अवार्ड'

**मुंबई।** लोढ़ा फाउंडेशन की चेयरपर्सन और महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष को 'IGC ग्लोबल अवॉर्ड्स 2025' में 'कल्चरल चैंपियन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें भारतीय संस्कृति, साहित्य और मूल्यों के संरक्षण और प्रचार-प्रसार में उनके अद्वितीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। डॉ. लोढ़ा न केवल एक कवयित्री, परम चक्र पुरस्कार डायरी लेखिका, और प्रेरक वक्ता हैं, बल्कि एक समर्पित समाजसेविका भी हैं, जिन्होंने हजारों लोगों के जीवन को छुआ है। यह समारोह 17 से 20 जुलाई 2025 तक त्रिनिडाड एंड टोबैगो में आयोजित IGC वार्षिक व्यवसाय सम्मेलन के दौरान हुआ, जिसे ISHKAMA Global Change और IGC द्वारा आयोजित किया गया था। इस वैश्विक मंच पर डॉ. लोढ़ा को सम्मानित किया जाना भारत के सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। डॉ. मंजू लोढ़ा को इस अत्यंत योग्य और गरिमामय पुरस्कार के लिए हार्दिक बधाई!

# कमला मिल के दो होटल का मनपा ने किया लाइसेंस रद्द और की तोड़क कार्रवाई

## गारमेंट शॉप के नाम पर चल रहा था हॉटेल और बार

**महानगर संवाददाता**
**मुंबई**

मुंबई लोअर परेल स्थित कमला मिल परिसर में बने 'लिविंग लिक्विड्स' नामक प्रतिष्ठान पर मनपा प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए उसका अवैध निर्माण गिरा दिया और दोनों रेस्तरां के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। इस प्रतिष्ठान ने ग्राउंड फ्लोर और पहले मंजिल पर गारमेंट शॉप और टेलरिंग शॉप के स्थान पर अवैध रूप से रेस्तरां, बार और वाइन शॉप शुरू की थी। मनपा ने इसे गंभीर उल्लंघन मानते हुए यह कार्रवाई की। कमला मिल परिसर के आईटी पार्क क्षेत्र में अवैध निर्माण अतिक्रमण और गैरकानूनी रूप से संचालित रेस्तरां, बार और पब की शिकायतों के बाद अतिरिक्त आयुक्त अश्विनी जोशी ने पिछले दिनों खुद स्थल का निरीक्षण कर अवैध कार्य पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। मनपा ने पिछले दिनों इसी परिसर में थियोब्रोमा, मैकडोनाल्ड, शिव सागर होटल, नैनोज कैफे, स्टारबक्स, बीरा टैपरूम, टोस्ट पास्ता बार और बीकेटी हाउस पर तोड़फोड़ और जब्ती की कार्रवाई की गई थी। मनपा ने मंगलवार को 'लिविंग लिक्विड्स' मुंबई वाइन्स एंड ट्रेडर्स का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान यह सामने आया कि गारमेंट और टेलरिंग शॉप की जगह रेस्तरां और बार बनाए गए थे। हॉटेल को बंद करने की नोटिस देते हुए मंगलवार को अवैध निर्माण गिराने के साथ ही दोनों रेस्तरां के लाइसेंस भी रद्द किए गए। यह कार्रवाई उपायुक्त प्रशांत सपकाळे, और जी दक्षिण की सहायक आयुक्त स्वप्नजा क्षिरसागर की निगरानी में की गई।

# एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे दिल्ली में

**मुंबई।** शिवसेना पक्ष प्रमुख और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मंगलवार से दिल्ली दौरे पर हैं। पिछले डेढ़ महीने में एकनाथ शिंदे का यह तीसरा दौरा है। संसद का मानसून सत्र शुरू होने के बाद उसके बाद चार दिन पहले एकनाथ शिंदे दिल्ली दौरे पर गए थे अब मंगलवार से वे एक बार फिर दिल्ली दौरे पर हैं। उपराष्ट्रपति का चुनाव होना है इसको लेकर प्रमुख दल होने के कारण भाजपा ने एनडीए की बैठक बुलाई है। शिंदे एनडीए का हिस्सा होने के कारण इस बैठक में शामिल होने को दिल्ली गए हैं। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली दौरे के दौरान एकनाथ शिंदे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर सकते हैं। इस दौरान महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीति पर भी चर्चा के आसार हैं। क्योंकि प्रदेश की महायुति में सबकुछ ठीक नहीं है। इस समय भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी मिलकर शिवसेना को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे लेकर एकनाथ शिंदे परेशान हैं। महायुति में क्या चल रहा है अमित शाह से मुलाक़ात कर उन्हें पूरी जानकारी देना चाहते हैं। वहीं शिंदे के दिल्ली दौरे को लेकर महाराष्ट्र में शुरू चर्चा पर मंत्री उदय सामंत ने कहा कि यह पहला मौका नहीं है जब एकनाथ शिंदे दिल्ली दौरे पर गए हैं। इसके पहले शिंदे हर सत्र में अपने सांसदों से मिलने और उनके साथ बैठकें करने के दिल्ली जाते रहते हैं।

# कोस्टल रोड 2 के कनेक्टर का काम शुरू

**महानगर संवाददाता**
**मुंबई**

मनपा प्रशासन ने एक ओर जहां गोरेगांव स्थित वीर सावरकर फ्लाइओवर को तोड़ने का निर्णय लिया है जिसको लेकर मनपा आयुक्त की मंजूरी का इंतजार है। वहीं दूसरी ओर मनपा प्रशासन द्वारा नियुक्त ठेकेदार ने मुंबई कोस्टल रोड (उत्तर) परियोजना के प्रस्तावित कनेक्टर का कार्य शुरू कर दिया है, जो मलाड के माइंड स्पेस को दिंडोशी सत्र न्यायालय से जोड़ेगा। उल्लेखनीय है कि यह कार्य दिंडोशी छोर से शुरू किया गया है। जबकि इसी कनेक्टर मार्ग में आने वाले सावरकर फ्लायओवर को हटाने का अंतिम निर्णय अभी तक नहीं लिया गया है। मनपा के अधिकारी ने बताया कि यह 4.5 किलोमीटर लंबा कनेक्टर है और दिंडोशी की ओर से पाइलिंग का काम शुरू किया गया है। फिलहाल ओबेरॉय मॉल जंक्शन तक के कार्य की अनुमति मिली है। करीब तीन किलोमीटर आगे स्थित वीर सावरकर फ्लायओवर अब ध्वस्तीकरण के लिए विचाराधीन है। यह पुल अगस्त 2018 में 27 करोड़ की लागत से बना था लेकिन अब यह एलिवेटेड कनेक्टर के मार्ग में बाधा बन रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इसे डबल डेकर फ्लाइओवर संरचना में बदला जा सकता है, जिसमें यह फ्लायओवर निचली मंजिल का हिस्सा होगा। अधिकारी ने बताया कि यदि सावरकर फ्लायओवर को नहीं तोड़ा गया, तो स्लिप रोड बहुत सकरा हो जाएगा जिससे अग्निशमन वाहन तक नहीं निकल पाएंगे। गोरेगांव के पूर्व नगरसेवक दीपक ठाकुर ने बताया कि ठेकेदारों ने दिंडोशी से गोरेगांव की ओर कनेक्टर के विस्तार के लिए क्षेत्र का सर्वेक्षण शुरू कर दिया है।

# 17000 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में ईडी ने अनिल अंबानी से की 10 घंटे पूछताछ

**मुंबई।** उद्योगपति अनिल अंबानी मंगलवार को 17 हजार करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में दिल्ली स्थित ईडी कार्यालय में पेश हुए। वह सुबह करीब 11 बजे मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे। ईडी ने अनिल अंबानी से लगभग 10 घंटे तक पूछताछ की। मंगलवार को सुबह लगभग 10:50 बजे अनिल अंबानी दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे और लगभग 9 बजे वह ईडी के ऑफिस से बाहर निकले। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अनिल अंबानी के बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि उनसे लगभग एक दर्जन सवाल पूछे गए। माना जा रहा है कि अंबानी ने किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया और कहा कि उनकी कंपनियों ने नियामकों को अपनी वित्तीय स्थिति के बारे में समय पर जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी के जांचकर्ता अनिल अंबानी के जवाबों से सहमत नहीं हैं और उन्हें फिर से तलब किया जा सकता है।बता दें कि समन 24 जुलाई को मुंबई में एजेंसी की ओर से उनके व्यावसायिक समूह के अधिकारियों सहित 50 कंपनियों और 25 लोगों के 35 परिसरों की तलाशी लेने के बाद जारी किया गया था।

# पूर्व नगरसेवक ने अपने पैसे से कराया सीमेंट कंक्रीट रोड का काम

## 1800 मीटर की सड़क बनाने पर खर्च किया करीब 7 लाख रुपये

**मुंबई।** उद्धव गुट के पूर्व नगरसेवक सचिन पडवल ने शिवडी में अपने खर्चे से एक सड़क का निर्माण सीमेंट कंक्रीट से कराया। लगभग 1800 मीटर लंबे रोड को सीमेंट कंक्रीट करने के लिए करीब 7 लाख रुपये का खर्च आया है। पडवल ने बताया कि यह रोड बीपीटी की जमीन पर था। बता दें कि दूसरी सरकारी संस्थाओं के जमीन पर बनी सड़कों का मरम्मत मनपा नहीं करती। नगरसेवक अपने फंड का उपयोग कर सड़क का मरम्मत कर लेते थे। शिवसेना उद्धव गुट के नगरसेवक पडवल ने कहा फंड न मिलने से रोड का काम नहीं हो रहा था। इसकी वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रह था। स्थानीय निवासियों ने कुछ दिन पहले शाखा में आकर इंदिरा नगर की आंतरिक सड़क को सीमेंट कंक्रीट करने की मांग की थी। इसको गंभीरता से लेते हुए हमें अपने खर्चे पर 6 रेडी मिक्सर मंगवाए और 1800 फीट लंबी सड़क को सीमेंट से पक्का कर दिया। पूर्व नगरसेवक ने कहा कि पिछले चार साल से हम नगरसेवक नहीं है इसलिए हमें निधि नहीं मिल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवसेना के बंटवारे के बाद हमने उद्धव ठाकरे के साथ रहने का फैसला किया, जिसकी वजह से एक रुपये का फंड हमें नहीं मिला है। यदि हम शिंदे सेना में चले गए होते तो हमे भी फंड मिलता। लेकिन जनता का काम करने के लिए मैंने अपने पैसे खर्च कर सड़क का मरम्मत कार्य किया।

# आईएएस तुकाराम मुंढे का फिर तबादला

## 20 साल में 23 बार हुआ ट्रांसफर

**मुंबई।** राज्य के प्रसिद्ध आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे का एक बार फिर तबादला हो गया है। मुंढे को असंगठित श्रम विभाग के आयुक्त पद से हटाकर अब राज्य के दिव्यांग कल्याण विभाग का सचिव बनाया गया है। तुकाराम मुंढे के साथ चार अन्य अधिकारियों का भी तबादला किया गया है। पिछले 20 साल में तुकाराम मुंढे का 23 बार तबादला हो चुका है। मुंढे को कोई भी सत्ताधारी दल पसंद नहीं करता। तुकाराम मुंढे जैसे अधिकारी राजनीतिक नेतृत्व और मंत्रियों से नहीं पटती है। इसलिए, जहां नियमों के अनुसार, आमतौर पर तीन साल में तबादले होने की उम्मीद होती है, वहीं तुकाराम मुंढे औसतन केवल एक साल से कम में ही उनका तबादला कर दिया जाता है। तुकाराम मुंढे 2005 बैच के अधिकारी हैं और पिछले 20 सालों में यह उनका 23वां तबादला है। प्रशासन में काम करते हुए यह एक अलग ही रिकॉर्ड बनता दिख रहा है। मुंढे जहां भी जाते हैं, वहां के प्रशासन और कर्मचारियों को अनुशासित रखने का प्रयास करते हैं। सरकारी कार्यालयों में देर से आने वाले कर्मचारियों को इससे परेशानी होती है। मुंढे कार्यालय में लालफीताशाही को समाप्त करने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं।

# परे ने अप्रैल-जुलाई के बीच वसूला 71 करोड़ का जुर्माना

**मुंबई।** पश्चिम रेलवे द्वारा सभी वैध यात्रियों को सुगम, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर ट्रेनों तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की देखरेख में टिकट जांच दलों द्वारा अप्रैल से जुलाई 2025 की अवधि में विविध टिकट जांच अभियानों के माध्यम से कुल 70.98 करोड़ की राशि प्राप्त की गई, जो गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 24% अधिक है, साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से 11% अधिक है। इस राशि में मुंबई उपनगरीय खंड से प्राप्त 19.55 करोड़ की राशि भी शामिल है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जुलाई 2025 के दौरान बिना टिकट/अनियमित यात्रा तथा बिना बुक किए गए सामान से जुड़े 2.22 लाख मामलों का पता लगाकर 12.19 करोड़ की वसूली की गई, जो पिछले वर्ष के जुलाई के आंकड़ों की तुलना में 134% अधिक है। साथ ही, मुंबई उपनगरीय खंड पर लगभग 92 हजार मामलों का पता लगाकर प्राप्त किया गया 3.65 करोड़ का जुर्माना भी शामिल है। एसी लोकल ट्रेनों में अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए लगातार औचक टिकट जांच अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

**Directorate of Veterinary Services Chhattisgarh**
*Indrawati Bhawan, Block-3, Nawa Raipur, Atal Nagar*
Phone No.0771-2331393,94,95 Faxno.0771-2331392/95
Email-dirvet.cg@nic.in

**Tender Cancellation Notice**

**Tender Ref. No.: 3887/Vety. Vaccine/DVS CG/Date-24.06.2025**
**Subject :- Cancellation of the referred Tender.**

Due to inadequate eligible bidder participation, the tender no. **3887/Vety. Vaccine/DVS CG/Date-24.06.2025** has been cancelled.

Sd/-
**Director**
Veterinary Services,
Chhattisgarh

**G-252602601/2**

# आपस में जुड़ेंगे वाढवण पोर्ट और समृद्धि महामार्ग

**महानगर संवाददाता**
**मुंबई**

पालघर जिले में बन रहे वाढवण बंदरगाह को हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग से फ्रेट कॉरिडोर के जरिए जोड़ा जाएगा। फ्रेट कॉरिडोर समृद्धि महामार्ग पर भरवीर जिला नाशिक के पास जुड़ेगा। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में 104.898 किलोमीटर लंबे इस फ्रेट कॉरिडोर निर्माण को मंजूरी प्रदान की गई। यह परियोजना महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल के माध्यम से पूरी की जाएगी और योजना के लिए हुडको से 1 हजार 500 करोड़ रुपए का कर्ज लिया जाएगा। इस कर्ज के साथ कैबिनेट ने 2 हजार 528 करोड़ 90 लाख रुपए के प्रावधान को मंजूरी प्रदान की। परियोजना का काम 3 वर्षों में पूरा होगा। वाढवण बंदरगाह पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड की तरफ से वाढवण बंदरगाह बनाया जा रहा है। बंदरगाह के जरिए जल मार्ग से होने वाले अंतर्राष्ट्रीय माल यातायात को देश के सभी हिस्सों में तेजी से और किफायती दरों पर पहुंचाने के लिए वाढवण पोर्ट को हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव है।

केंद्र सरकार के भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने वर्तमान में सागरमाला परियोजना के अंतर्गत वाढवण पोर्ट से तवा (आरएम 48) तक 32 किलोमीटर लंबे राजमार्ग का कार्य अपने हाथ में लिया है।वाढवण पोर्ट से भविष्य में बड़े पैमाने पर यातायात को ध्यान में रखते हुए विदर्भ, मराठवाड़ा और उत्तर महाराष्ट्र में यातायात के लिए उपयुक्त राजमार्ग का निर्माण करना अत्यंत आवश्यक है।

# अधर में सड़कों को गड्ढों से मुक्त करने का कार्य

**विरार।** वसई विरार के निवासियों को लंबे समय से गड्ढों से मुक्त सड़कों का वादा किया गया है, लेकिन मानसून के साथ ही यह सपना एक बार फिर टूटता नजर आ रहा है। शहर की सड़कें गहरे गड्ढों से भर गई हैं, जिससे नागरिकों को आवाजाही में भारी परेशानी हो रही है। इस समस्या से सबसे ज्यादा बाइक और रिक्शा चालक प्रभावित हैं। कई साल पहले, वसई विरार महानगरपालिका ने शहर की सड़कों को गड्ढा-मुक्त करने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना की घोषणा की थी। इसका मुख्य उद्देश्य मानसून के दौरान जलभराव और गड्ढों की समस्या को खत्म करना था। इस योजना के तहत, 18,739 मीटर लंबी और 508 मीटर चौड़ी 51 सड़कों को कंक्रीट से बनाने का प्रस्ताव था, जिसके लिए 208. करोड़ का बजट निर्धारित किया गया था। प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति मिलने के बावजूद, इस परियोजना पर अभी तक कोई काम शुरू नहीं हो पाया है।महापालिका के निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि योजना का काम अभी चल रहा है और जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा। हालांकि, नागरिकों के अनुसार, ये सिर्फ खाली वादे हैं और जमीन पर कोई काम होता नहीं दिख रहा है।

### कंक्रीटिंग के लिए अतिरिक्त बजट, लेकिन काम ठप

समस्या की गंभीरता को देखते हुए, नगर निगम ने 2025-26 के बजट में कंक्रीटिंग के काम के लिए अलग से 150 करोड़ का प्रावधान किया है। यह कदम गड्ढों की संख्या को कम करने और मरम्मत की लागत को बचाने के लिए उठाया गया है। लेकिन, जब तक काम शुरू नहीं होता, तब तक ये फंड भी फाइलों में ही दबे रहेगा। सड़कों की खराब हालत को लेकर नागरिकों में भारी नाराजगी है। सोशल मीडिया पर जनप्रतिनिधियों की आलोचना हो रही है और कई विधायक, मंत्री और राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों ने महापालिका को जल्द से जल्द गड्ढे भरने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, नागरिक मानते हैं कि जब तक स्थायी वित्तीय समाधान नहीं निकाला जाता, तब तक गड्ढों से मुक्त सड़कों का सपना सिर्फ वादों तक ही सीमित रहेगा। प्रशासन का कहना है कि परियोजना के लिए राज्य सरकार से मंजूरी का इंतजार है।

# पांच साल में तैयार किए जाएंगे सवा लाख उद्यमी

## राज्य की स्टार्टअप, उद्यमिता एवं नवाचार नीति-2025 की घोषणा

महानगर संवाददाता

मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में महाराष्ट्र की स्टार्टअप, उद्यमिता एवं नवाचार नीति 2025 को मंजूरी प्रदान की गई। नीति के तहत अगले 5 साल में 1.25 लाख उद्यमी तैयार करने और 50 हजार स्टार्टअप शुरू करने की योजना है। नीति की वजह से न केवल राज्य में सबसे ज्यादा स्टार्टअप और यूनिकॉर्न स्थापित होंगे, बल्कि रोजगार सृजन और नवाचार के क्षेत्र में राज्य की वैश्विक पहचान भी बनेगी। इसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ महिलाओं और

युवाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। देश में सबसे ज्यादा स्टार्टअप महाराष्ट्र में हैं। 31 मई 2025 तक राज्य में स्टार्टअप की संख्या 29,147 थी। देश के कुल स्टार्टअप में से 18 प्रतिशत स्टार्टअप महाराष्ट्र में हैं। स्टार्टअप के लिए एक ज्यादा प्रभावी इकोसिस्टम बनाने के लिए एक नई नीति तैयार की गई है। इस नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू मुख्यमंत्री का "महा-फंड" है, जिसमें 500 करोड़ रुपए का कोष है, जिसके माध्यम से शुरुआत में 25,000 उद्यमियों को मार्गदर्शन, इनक्यूबेशन और वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

### 25 लाख तक का वर्क आर्डर दिया जाएगा

सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचे के लिए राज्य भर के आईटीआई, पॉलिटेक्निक और शैक्षणिक संस्थानों में माइक्रो इन्क्यूबेटर स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक प्रशासनिक प्रभाग में क्षेत्रीय नवाचार और उद्यमिता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। ये केंद्र एआई, डीपटेक, फिनटेक, मेडटेक, साइबर सुरक्षा और स्थिरता जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। स्टार्टअप, कॉर्पोरेट्स, शैक्षणिक संस्थानों और सरकार को महाराष्ट्र इनोवेशन सिटी नामक 300 एकड़ के शहर में एक साथ लाया जाएगा। यह इनोवेशन सिटी अनुसंधान और नवाचार का केंद्र होगा। महाराष्ट्र स्टार्टअप सप्ताह के तहत चुने गए स्टार्टअप सीधे सरकारी विभागों के साथ काम कर सकेंगे और उन्हें 25 लाख रुपए तक के पायलट वर्क ऑर्डर दिए जाएंगे। साथ ही पेटेंट पंजीकरण, उत्पाद गुणवत्ता प्रमाणपत्र, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भागीदारी के लिए वित्तीय मुआवजा प्रदान किया जाएगा। सार्वजनिक संस्थानों और अन्य विश्वसनीय ग्राहकों से वर्क ऑर्डर प्राप्त करने वाले स्टार्टअप को कर्ज सहायता के लिए एक विशेष तंत्र भी बनाया जाएगा। राज्य के प्रत्येक विभाग के लिए अपने वार्षिक कोष का 0.5% नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आरक्षित रखना अनिवार्य होगा। सभी योजनाओं का क्रियान्वयन महाराष्ट्र राज्य नवाचार सोसायटी के माध्यम से किया जाएगा।

## तुंगारेश्वर नदी में डूबने से 2 छात्रों की मौत

**वसई।** पवित्र श्रावण मास में वसई की तुंगारेश्वर नदी में डूबने से दो 18 वर्षीय कॉलेज छात्रों की मौत हो गई। घटना सोमवार को हुई, जिसमें एक छात्र दूसरे को बचाने के चक्कर में नदी में कूद गया, दुर्भाग्य से दोनों की जान चली गई। मृतकों की पहचान सचिन यादव और हिमांशु विश्वकर्मा के रूप में हुई है, जो नालासोपारा पूर्व के श्रीराम नगर के रहने वाले थे। ये दोनों 200 लोगों के एक समूह का हिस्सा थे, जो तुंगारेश्वर स्थित महादेव मंदिर की कांवड़ यात्रा में शामिल होने गए थे। पुलिस के अनुसार, हादसा दोपहर करीब 2.30 बजे हुआ। समूह के साथ यात्रा से लौटते समय, दोनों युवक नदी में उतरे। तभी, सचिन फिसलकर नदी में गिर गया। उसे डूबता देख, हिमांशु उसे बचाने पानी में कूदा, लेकिन वह भी पानी में फंस गया। एक तीसरे युवक ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहा। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह दोनों को नदी से बाहर निकाला और उन्हें गैलेक्सी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने जाँच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

# गिग कामगारों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करेगी सरकार : फुंडकर

## विधायक रविंद्र चव्हाण भी बैठक में रहे मौजूद

महानगर संवाददाता

मुंबई

राज्य श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने कहा कि ऑनलाइन सामानों का डिलीवरी करने वाले (गिग) कामगारों को सरकार की विभिन्न और कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा मिलना चाहिए। मंगलवार को मंत्रालय में फुंडकर की अध्यक्षता में ऑनलाइन सामानों की डिलीवरी करने वाले (गिग) कामगारों की समस्या को लेकर बैठक आयोजित की गई जिसमें विधायक रविंद्र चव्हाण। श्रम विभाग के प्रधान सचिव आई.ए. कुंदन, असंगठित श्रम विकास आयुक्त तुकाराम मुढे, श्रम आयुक्त डॉ. एच.पी. तुम्मोड और विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। आकाश फुंडकर ने कहा कि कामगारों को संगठित श्रमिकों को मिलने वाली स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, पेंशन योजना, कौशल विकास प्रशिक्षण और आपातकाल वित्तीय सहायता जैसी सुविधाएं भी मिलनी चाहिए। राज्य सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है और इन वर्कर्स की विभिन्न समस्याओं को हल करने का प्रयास करेगी। फुंडकर ने कहा कि जोमैटो, ज़ेप्टो, स्विगी जैसी कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा को सरकार गंभीर है. इसके लिए जल्द से जल्द कोई निर्णय लिया जा सकता है.श्रम मंत्री फुंडकर ने कहा कि राज्य के ऑनलाइन सामानों की डिलीवरी करने वाले कामगारों का एक संगठित डेटा बैंक बनाना आवश्यक है।

### श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का मिले लाभ

इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उन तक पहुंचे और गिग वर्कर्स के अधिकारों की रक्षा की जा सके। राज्य में वर्तमान में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर 321 प्रतिष्ठान कार्यरत हैं। इन प्रतिष्ठानों में वर्कर्स की संख्या ज्ञात की जानी चाहिए और उन श्रमिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इन श्रमिकों को कानूनी सुरक्षा मिले, इसके लिए प्रयास किए जाएँगे।

## भिवंडी मेट्रो साइट पर फिर लापरवाही, ठेकेदार पर 50 लाख जुर्माना

**ठाणे।** ठाणे के भिवंडी इलाके में मेट्रो 5 लाइन के निर्माण कार्य के दौरान एक दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर ठेकेदारों की लापरवाही को उजागर कर दिया है। धामनकर नाका इलाके में मंगलवार को एक युवक ऑटोरिक्शा से सफर कर रहा था, तभी मेट्रो स्टेशन के निर्माण स्थल से अचानक एक लोहे की रॉड गिरकर उसके सिर में जा धंसी। युवक की हालत नाजुक बनी हुई है और उसे निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद एमएमआरडीए ने स्थिति स्पष्ट करते हुए ठेकेदार मेसर्स एफकॉन्स पर 50 लाख और जनरल कंसल्टेंट मेसर्स सिस्ट्रा-सीईजी-सिस्ट्रा (इंडिया) पर 5 लाख का जुर्माना लगाया है। साथ ही घायल युवक का पूरा इलाज का खर्च एमएमआरडीए द्वारा उठाया जा रहा है।

# कांग्रेस, यूबीटी व अन्य पार्टियों के नेता और पदाधिकारी भाजपा में शामिल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया स्वागत

**मुंबई।** आगामी मनपा और स्थानीय चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे की पार्टी के बाद कांग्रेस पार्टी में भगदड़ मची हुई है। एक के बाद एक नेता और पदाधिकारी कांग्रेस छोड़कर भाजपा और अन्य पार्टी में शामिल हो रहे हैं। मंगलवार को लोहारा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार और प्रदेश कांग्रेस सचिव दिलीप भालेराव अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। इसके अलावा वसई-विरार के उबाठा गुट और बहुजन विकास आघाड़ी के कई पूर्व नगरसेवकों ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा में प्रवेश किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने भाजपा में शामिल होने

वाले सभी नेताओं और पदाधिकारियों का पार्टी में स्वागत किया।

प्रदेश कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेता विधायक प्रकाश भारसाकले, विधायक स्नेहा पंडित-दुबे, प्रदेश महासचिव विधायक विक्रांत पाटिल, माधवी नाईक, पूर्व मंत्री व लातूर ग्रामीण जिला अध्यक्ष बसवराज पाटिल, मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन आदि उपस्थित थे। धाराशिव जिले के 10 पूर्व जिला परिषद सदस्य, 11 पूर्व सभापति, छह नगर पालिका अध्यक्ष, एक बाजार समिति अध्यक्ष, 13 बाजार समिति निदेशक, पांच पूर्व उपनगर अध्यक्ष, पांच पूर्व उपनगराध्यक्ष, जिला मध्यवर्ती बैंक के दो निदेशक और 15 नगरसेवक भाजपा में शामिल हुए। अमरावती के अंजनगांव सुरजी के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवीदास नेमाड़े भी भाजपा में शामिल हुए।

दक्षिण रायगढ़ के श्री बापूसाहेब सोनगीर के साथ कई अन्य लोगों ने भी भाजपा में प्रवेश किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष चव्हाण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्णायक नेतृत्व में देश और राज्य मजबूत राह पर है। उनके नेतृत्व में विश्वास और भाजपा की विकास नीतियों से प्रेरित होकर सभी लोग भाजपा में शामिल हुए हैं। भाजपा में सभी को सम्मान मिलेगा और पार्टी इन क्षेत्रों में काम को आगे बढ़ाने के लिए आपको पुरज़ोर समर्थन देगी।

पंद्रह अगस्त की तैयारियों के मद्देनजर तिरंगा बनाने में जुटा युवक।
-फोटो- कुणाल कासार

# आठवले को मनपा चुनाव के लिए चाहिए 25 सीट

**मुंबई।** आगामी मनपा चुनाव को लेकर मनपा द्वारा वार्ड की बाउंड्री निश्चित करने का काम पूरा किया गया। इस बीच सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव पुराने आरक्षण अनुसार करने का निर्देश देने के बाद मनपा चुनाव की तैयारी में गति आ गई है। वहीं चुनाव को लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। रिपब्लिकन पार्टी नेता रामदास आठवले ने भाजपा से मनपा चुनाव में 25 सीट की मांग कर अपना चुनावी तीर चला दिया है।

उल्लेखनीय है कि आने वाले दिनों में राज्य में होने वाले चुनाव में ग्रामीण सहित नगर पालिका और महानगर पालिका का चुनाव होना है। राज्य में इसे मिनी चुनाव के रूप में देखा जा रहा है। इस बीच मुंबई मनपा चुनाव पर भी सभी की निगाह लगी हुई है। जिस पर सभी राजनीतिक दलों का ध्यान केंद्रित है। रिपब्लिकन पार्टी ने भी इस चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी शुरू कर दी है। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले ने कहा कि मुंबई महापालिका चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को 20 से 25 सीटें मिलनी चाहिए, यह सीटें देना भाजपा की जिम्मेदारी है। आठवले ने कहा कि वर्ष 2012 में रिपब्लिकन पार्टी युति में शामिल हुई थी। आगामी मुंबई महानगरपालिका चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को कम से कम 20 से 25 सीटें दी जानी चाहिए।

### मराठी वोट है भाजपा के साथ

इसके अलावा जिला परिषद में 5 और पंचायत समिति में कम से कम 1 सीट दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि महायुति में भले ही कई दल शामिल हैं, लेकिन भाजपा को एक प्रमुख घटक दल के रूप में रिपब्लिकन पार्टी को उपयुक्त स्थान देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार में रिपब्लिकन पार्टी को सत्ता में भागीदारी के रूप में एक मंत्री पद, एक विधान परिषद सदस्य पद, जिला नियोजन समिति और एसईओ जैसे पद दिए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को महायुति की संयुक्त बैठक बुलाकर सीटों के बंटवारे का निर्णय लेना चाहिए।

आठवले ने यह भी कहा कि यदि मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और शिवसेना (ठाकरे गुट) के प्रमुख उद्धव ठाकरे एक साथ आते हैं, तो महाविकास आघाड़ी में फूट पड़ सकती है। उन्होंने विश्वास जताया कि मराठी मत भी महायुति के साथ हैं और इसलिए मुंबई महानगरपालिका पर महायुति का झंडा लहराएगा।

# चचेरे भाइयों के बीच सुलह से यूबीटी और मनसे के कार्यकर्ताओं में उत्साह : राउत

महानगर संवाददाता

मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की एकता पर मुहर लग गई है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेता संजय राउत ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि निश्चित तौर पर उद्धव सेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना मिलकर चुनाव लड़ेंगे। राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज की मनसे मिलकर राज्य के स्थानीय निकाय चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि यह एकता निश्चित तौर पर होगी और मिलकर स्थानीय चुनाव लड़ेंगे। ऐसा हुआ तो दशकों बाद ठाकरे परिवार में एकता होगी और

वे राजनीतिक तौर पर भी एकजुट होकर लड़ेंगे।

गौरतलब हो कि चचेरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे महीनों की अटकलों के बाद जुलाई में एक साथ आए थे। दोनों ने महाराष्ट्र सरकार की त्रिभाषा नीति और हिंदी भाषा 'थोपने' का विरोध करते हुए एक साझा रैली की थी। इसके अलावा निर्णय वापस लिए जाने के बाद संयुक्त 'विजय' कार्यक्रम भी आयोजित किया। फिलहाल राउत ने कहा कि दोनों परिवार एक साथ बैठेंगे और साथ चुनाव लड़ने पर चर्चा करेंगे। मुंबई निकाय चुनाव और अन्य नगर निकायों के चुनाव आगामी महीनों में होने वाले हैं।

संजय राउत ने कहा कि चचेरे भाइयों के बीच सुलह के बाद से उद्धव की शिवसेना और मनसे के कार्यकर्ताओं में उत्साह और विश्वास है कि गठबंधन मुंबई, पुणे, नाशिक, छत्रपति संभाजीनगर, ठाणे और कल्याण-डोंबिवली के नगर निकायों में बहुमत हासिल करेगा। राज ठाकरे 2005 में अपने चचेरे भाई के साथ कथित तौर पर मतभेद के चलते शिवसेना से अलग हो गए थे और मनसे का गठन किया था। तब से, चचेरे भाइयों के नेतृत्व वाली दोनों पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ती रही हैं।

## बिजली बिल डाउनलोड करने को अब 'लॉगिन' अनिवार्य

**मुंबई।** साइबर सुरक्षा और बिजली उपभोक्ताओं की जानकारी की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए, अब संबंधित ग्राहकों के लिए महावितरण की निम्न-वोल्टेज श्रेणी के बिजली बिल की पीडीएफ कॉपी आधिकारिक वेबसाइट से ऑनलाइन डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण (लॉगिन) करना अनिवार्य कर दिया गया है। यह बदलाव केंद्र सरकार के साइबर सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है। नए बदलाव में, बिना लॉगिन के ऑनलाइन बिजली बिल भुगतान का विकल्प खुला रखा गया है। हालाँकि, पीडीएफ बिजली बिल डाउनलोड करने के लिए लॉगिन करना अनिवार्य है।


**कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड**
**(भारत सरकार का उपक्रम)**
**निविदा अधिसूचना**

उप मुख्य अभियंता (कार्य), कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रत्नागिरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पात्र ठेकेदारों से आयआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ई-निविदा प्रणाली के अंतर्गत एकल पैकेट बोली प्रणाली के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** कोलाड में रो-रो के लिए हाइट गेज और कंक्रीट फ्लोरिंग की मरम्मत का कार्य, जो कि कोंकण रेलवे के रत्नागिरी क्षेत्र के एसएसई/वर्क्स/माणगांव सेक्शन के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य में किया जाएगा। **निविदा सूचना क्रमांक : केआर-आरएन-डीवाईसीईडब्ल्यू-एचटीकेओएल-2025-19 तारीख: 06/08/2025, अनुमानित लागत:** ₹7,32,342.16/- (जीएसटी छोड़कर), **बोली आमंत्रण की प्रारंभ तिथि:** 13/08/2025, **बोली जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 28/08/2025 को अपराह्न 15:00 बजे तक ऑनलाईन प्रस्ताव/बोली प्रस्तुत की जा सकती है। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** मानसून को छोड़कर 6 माह। मैन्युअल रूप से प्रस्तुत की गई किसी भी प्रकार की ऑफर स्वीकार नहीं की जाएगी। विवरण एवं भागीदारी हेतु कृपया https://www.ireps.gov.in इस वेबसाइट पर विज़िट करें। सभी संशोधन/परिशिष्ट केवल इसी वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे।


# कबूतर को दाना डालने वालों पर अभी भी एक्शन

**मुंबई।** जहां एक ओर सरकार ने नियंत्रित रूप से कबूतरों को दाना डालने की अनुमति देने की बात कही। वहीं मंगलवार को भी मनपा की टीमें सार्वजनिक स्थानों पर कबूतरों को अनधिकृत रूप से दाना डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करती रहीं। मनपा के ए वॉर्ड ने सीएसएमटी स्थित जीपीओ के बाहर कबूतर खाने के पास कबूतरों को दाना डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस स्टेशन को पत्र भेजकर मदद मांगी है। यह स्थान शहर के सबसे प्रमुख कबूतर दाना स्थलों में से एक है। सहायक आयुक्त जयदीप मोरे ने बताया कि दादर कबूतर खाने की तरह जीपीओ के बाहर स्थित कबूतर खाने को ढकने की योजना नहीं है, लेकिन वहां दाना डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस सहायता जरूर मांगी गई है।

उन्होंने कहा, प्रतिबंध के बावजूद कबूतरों को दाना डालने वालों पर पहले ही जुर्माना लगाया जा चुका है। मनपा अधिकारियों के अनुसार, इस स्थान पर हर दिन बड़ी संख्या में लोग कबूतरों को दाना डालने आते हैं, जिससे सफाई संबंधी समस्याएं और कबूतरों की बीट से स्वास्थ्य संबंधी खतरे उत्पन्न हो रहे हैं। मोरे ने बताया कि कोर्ट के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए वहां मनपा के कर्मचारी तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा लेकिन केवल मनपा की निगरानी से बात नहीं बन रही है, इसलिए अब पुलिस की मदद मांगी गई है। ए वॉर्ड के अंतर्गत गेटवे ऑफ इंडिया पर भी कबूतरों को दाना डालने के मामले सामने आते हैं, लेकिन अधिकारियों के अनुसार वहां यह बहुत बड़े पैमाने पर नहीं होता।


**बृहन्मुंबई महानगरपालिका**

(सीवरेज संचालन विभाग)

**ई-निविदा सूचना**

| | |
|---|---|
| निविदा आईडी | 2025_एमसीजीएम_1206603 |
| संगठन का नाम | बृहन्मुंबई महानगरपालिका |
| विषय | **ई.ई. मेके. (एम.एस.) ई.एस. के वर्कशॉप में 12 एमएम व्यास की 100 मीटर्स वायर रोप की वाइंडिंग और ग्रीसिंग के साथ विंच मशीनों की डिजाइन, फैब्रिकेशन, आपूर्ति और परीक्षण का कार्य.** |
| निविदा जांच शुल्क | **₹ 1452/- + (18% जीएसटी) = 1,714/-** |
| ई-निविदा का मूल्य (अनुमानित लागत) | (आइटम दर निविदा) |
| बोली सुरक्षा जमाराशि/ईएमडी | **₹ 10,000/-** |
| निविदा जारी करने तथा बिक्री की तिथि | 06.08.2025 को 11.00 बजे से |
| लिफाफा ए, बी और लिफाफा सी ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तथा (बोली सुरक्षा जमाराशि की स्वीकृति) | 12.08.2025 को 16.00 बजे तक |
| लिफाफा ए और बी का खुलना | 13.08.2025 को 16.10 बजे के पश्चात |
| लिफाफा सी का खुलना | लिफाफा ए और बी के मूल्यांकन के पश्चात |
| पत्राचार हेतु पता | **उप मु. अभि. (एस.ओ.) पी एवं एमएस सब्स., वर्सोवा पम्पिंग प्रीमाइसेस, जंक्शन जे.पी. रोड और रिलीफ रोड, अंधेरी (प), मुंबई – 400 053** |
| बोली खुलने का स्थान | **ई.ई.मेके. (एम.एस.) ई.एस. ओल्ड घाटकोपर पम्पिंग स्टेशन, शॉपर्स स्टॉप के पास, घाटकोपर – माहुल रोड, घाटकोपर (पूर्व), मुंबई – 400 089** |
| **महाटेंडर पोर्टल** | **https://mahatenders.gov.in** |

उक्त निविदा दस्तावेज अहस्तांतरणीय हैं.

बीएमसी के पास बिना कोई कारण दर्शाए उपरोक्त विषय हेतु प्राप्त किसी भी अथवा सभी आवेदन को निरस्त करने अथवा किसी भी आवेदन को स्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है.

हस्ता./- 04.08.2025
(श्री आर. डी. राजपूत)
**ई.ई.मेके. (एम.एस.) ई.एस.**

**पीआरओ/1197/विज्ञा./2025-26**

**अगर महसूस हो बुखार और कंपकंपी, तो जांच करायें अपने खून की**


# मुफ्त में मिट्टी, रंग और जगह फिर भी नहीं घटी मूर्तियों की कीमत

महानगर संवाददाता

मुंबई

मनपा प्रशासन ने गणेश मूर्तिकारों को गणेश मूर्ती बनाने के लिए मुफ्त में जगह से लेकर मिट्टी और मूर्ति को रंगने के लिए रंग आदि सभी चीजें दीं। बावजूद इसके मूर्तिकारों ने मूर्तियों की कीमत में कोई कटौती नहीं की। उलटा मूर्तियों के दाम में बढ़ोत्तरी कर दी। जिसके चलते मुंबईकरों का सवाल है कि इस लाभ का फायदा श्रद्धालुओं को भी मिलेगा या नहीं। मुंबई में घरेलू गणेशोत्सव बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। शहर के उपनगरों में लगभग दो लाख घरों में गणपति की स्थापना होती है। पिछले कुछ वर्षों में मिट्टी, प्लास्टर ऑफ पेरिस और रंगों की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मूर्तियों के दाम भी काफी बढ़े हैं। करीब दस साल पहले डेढ़ से दो फुट की मिट्टी की गणेश

मूर्ति की कीमत 500 से 800 रुपये थी, जो अब 4 से 5 हजार रुपये हो गई है। कुछ स्थानों पर यही मूर्तियां 5 से 7 हजार रुपये तक बेची जा रही हैं। मूर्ति जितनी ऊंची होती है, कीमत उतनी ही ज्यादा होती जाती है। लेकिन चूंकि बप्पा घर आ रहे हैं, इसलिए लोग कीमत पर ज्यादा चर्चा नहीं करते और अक्सर कहा जाता है कि गणपति बाप्पा की कीमत नहीं लगाई जाती। बीते कुछ वर्षों से मुंबई महानगरपालिका मूर्तिकारों को मुफ्त मिट्टी उपलब्ध करवा रही है, साथ ही मूर्ति निर्माण के लिए सस्ती जगह भी मुहैया कराती है। लेकिन मूर्तिकारों ने मूर्तियों की कीमतों में कोई खास कमी नहीं की है। इस साल तो महानगरपालिका ने मुफ्त रंग भी देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा मूर्ति निर्माण के लिए मंडप की व्यवस्था भी मुफ्त की गई है। ऐसे में यह अपेक्षित है कि मूर्तियों की कीमतों में गिरावट आए।

### 952 टन मिट्टी,10,800 लीटर रंग होंगे वितरित

अब जब मूर्तिकारों को मिट्टी और रंग के लिए अपने जेब से खर्च नहीं करना पड़ रहा, तो उन्हें इसका लाभ श्रद्धालुओं को देना चाहिए। पहले यह सारा खर्च स्वयं वहन करना पड़ता था, लेकिन अब लागत घट गई है, जिससे मूर्तिकारों को अच्छा आर्थिक लाभ हो रहा है। इसी वजह से मुंबईकर अब यह सीधा सवाल पूछ रहे हैं कि क्या इस बार मूर्तियों की कीमतें कम होंगी? मुर्तियों की कीमत तय करने का अधिकार पूरी तरह से मूर्तिकारों का है। मुंबई महानगरपालिका ने मूर्तिकारों को पर्यावरण अनुकूल गणेशोत्सव के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुफ्त मिट्टी और रंग देने का निर्णय लिया है। इस साल 952 टन शाडू मिट्टी और 10,800 लीटर रंग वितरित किए जाएंगे। इससे मूर्तिकारों का खर्च भले ही कम हो जाए, लेकिन मूर्तियों की कीमतें घटाना या न घटाना उनका निजी निर्णय है, ऐसा मत एक वरिष्ठ अधिकारी ने व्यक्त किया। गणेश मूर्तियों के विसर्जन के लिए बढ़ेंगे कृतिम तालाब पर्यावरण अनुकूल श्रीगणेशोत्सव को प्रोत्साहित करने के लिए मनपा प्रशासन ने इस साल कृत्रिम तालाब की संख्या बढ़ाएगी। मनपा उपायुक्त प्रशांत सकपाल ने कहा की वार्ड की मांग के अनुसार कृतिम तालाब की संख्या बढ़ाई जाएगी। पिछले साल मनपा ने कुल 204 कृत्रिम तालाब बनाकर पर्यावरण अनुकूल उत्सव के लिए उपलब्ध कराया था। इस वर्ष भी उसी तर्ज पर अधिकाधिक कृत्रिम तालाब बनाकर मुंबईकरों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील तरीके से मूर्ति विसर्जन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उप आयुक्त तथा गणेशोत्सव समन्वयक प्रशांत सपकाले ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने बप्पा का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में करें और पर्यावरणपूरक उत्सव को सफल बनाएं।

## अमेरिका के गाल पर भारत का तमाचा

अमेरिका की अपनी अर्थव्यवस्था की बात करें तो 2025 के लिए उसका प्रोजेक्टेड रीअल जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 1.8 प्रतिशत है। अमेरिका आज भी कई बार जिसके गुलाम की तरह व्यवहार करता है, उस यूनाइटेड किंगडम का ग्रोथ रेट केवल 1.1 प्रतिशत रह गया है। रशियन फेडरेशन का 1.5, जापान का 0.7, जर्मनी का 0.4 और चीन का 4 प्रतिशत है। इन हालात में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अकेला भारत है जिसका प्रक्षेपित वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत है। भारत विश्व की पाँचवीं से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। यहाँ तक अमेरिका किसी तरह पचा लेता अगर भारत अमेरिका का पिछलग्गू बना रहता लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 2014 के बाद के भारत ने अमेरिका को हर तरह से उसकी औकात बताई है और सीधे न सही तो प्रकारांतर से उसकी हदों में रहने के लिए कहा है। किरना हिल्स पर निशाना साधकर भारत ने केवल पाकिस्तान की छाती ही नहीं, अमेरिका के गाल पर भी तमाचा मारा है। सबसे हाइटेक, एडवांस और कटिंग एज बताए जाने वाले लड़ाकू विमान एफ 35 को जिस तरह केरल में उतारा गया और अमेरिका व यूके के इंजीनियर लाख कोशिशों के बावजूद उसे साबुत उड़ाकर नहीं ले जा सके, आखिरकार महीनों वहाँ खड़े रहने के बाद जिस तरह उसे टुकड़ों-टुकड़ों में काट-काट कर ले जाना पड़ा, वह अमेरिका के गाल पर भारत का दूसरा तमाचा था। इस सब के बाद ट्रंप ने अगर भारत को मरी हुई अर्थव्यवस्था कहा है, उस अर्थव्यवस्था को जो पिछले 11 साल में 10वें नंबर से सीढ़ियाँ चढ़ते-चढ़ते चौथे नंबर की दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है तो यह बयान किसी राष्ट्राध्यक्ष की चिंता कम और हारे हुए जुआरी की कुंठा ज्यादा जाहिर करता है। यह बात अब जगजाहिर है। ट्रंप की इस निहायत वाहियात बात का अनुमोदन वह राहुल गांधी कर रहे हैं जिनकी अपनी सरकार अमेरिका के वीजा को इतनी बड़ी चीज मान बैठी थी कि उसके लिए भारत की संप्रभुता गिरवी रख आई थी। बराक ओबामा के राष्ट्रपति रहते मोदी को अमेरिकी वीजा न दिए जाने का जो अनुरोध किया गया था, उस पर कुल 65 सांसदों के हस्ताक्षर बताए गए थे और उनमें अधिकतर इनके ही थे। दो-चार बाहरी लोगों में से एक सीताराम येचुरी ने तो मना कर दिया था। नरेंद्र मोदी सबसे पहले भारत के नागरिक हैं। उन्होंने भारत में अगर कोई अपराध किया तो उसके लिए उन्हें भारत के संविधान और उसके अधीन बने कानून के अनुसार भारत में ही दंडित किया जाना चाहिए था न कि अमेरिका या रूस या चीन में। मोदी कहीं भाग नहीं गए थे और न भागने वाले ही थे। शायद उन्होंने अमेरिकी वीजा के लिए अप्लाई तक नहीं किया था। तब तक तो अमेरिका जाने की उनकी कोई योजना भी नहीं थी। नरेंद्र मोदी कोई छुपकर भी नहीं रह रहे थे। गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए रोज सरकारी बैठकों में भाग लेते थे। सारे कामकाज देखते थे। कांग्रेस के सारे मुख्यमंत्रियों से बहुत अच्छे मुख्यमंत्री साबित हो रहे थे। जनसभाएँ भी करते थे। उनके खिलाफ गढ़े गए कांग्रेसी मुकदमे कोर्ट में थे और कोर्ट उन पर सुनवाई कर रही थी। ज्यादातर तारीखों पर मोदी या उनका प्रतिनिधि हाजिर था। फिर समस्या क्या थी? अपने देश के नागरिक को अपमानित करने के लिए राहुल जी और उनकी सरकार दूसरे देश का सहारा क्यों ले रही थी? ऐसी टुच्ची हरकत क्यों की गई? और वह भी वीजा जैसी मामूली चीज के नाम पर? क्योंकि राहुल गांधी और उनके गुर्गे मोदी को कंट्रोल नहीं कर पा रहे थे। नरेंद्र मोदी पूरी कांग्रेस के लिए अनकंट्रोलेबल हैं। यह अब कहने की जरूरत नहीं रही। देश का बच्चा-बच्चा जानता है। केवल मीडिया में स्वतंत्र या निष्पक्ष बताए जाने वाले कुछ अनुगृहीत मीडियाकरों की बात छोड़ दी जाए तो भारत के बच्चे-बच्चे की दृष्टि में राहुल गांधी भारतीय राजनीति के मिस्टर बीन बनकर रह गए हैं। दुनिया के स्तर पर यही छवि डोनल्ड जे ट्रंप की बन चुकी है। आज जो राहुल गांधी ट्रंप जैसे बददिमाग, दीवालिया और विफल उद्यमी द्वारा भारत की अर्थव्यवस्था को मृत अर्थव्यवस्था कहे जाने पर इतने प्रसन्न हो रहे हैं, उसका कारण भी यही है। उनका दर्द ट्रंप के दर्द से मिलता है। दोनों के बीच दर्द का एक रिश्ता बन गया है। जीओ पॉलिटिक्स को समझने वाले जानते हैं कि नरेंद्र मोदी आज ट्रंप के लिए अनकंट्रोलबल हो चुके है। नरेंद्र मोदी के अनकंट्रोलबल होने का अर्थ है भारत का अनकंट्रोलबल होना। मोदी ने वर्षों से अमेरिकी फैसलों को धता बता कर ये बताया है कि हम अपने फैसले खुद करते हैं। हमारे रास्ते में तुम न आओ। तुम उतना ही मतलब रखो जितना एक देश को दूसरे देश से रखना चाहिए। ट्रंप के लिए ये बर्दाश्त के बाहर है। मौलिक रूप से बदमिजाज अमेरिका भूल नहीं सकता कि भारत वही देश है जिसके नेताओं के लिए अमेरिकी वीजा जैसी मामूली चीज इतनी बड़ी उपलब्धि थी कि वह इसका उपयोग अपने एक लोकप्रिय राजनेता को बेवजह अपमानित करने के लिए कर रहा था। आज वह भारत उसकी धमकियों के बावजूद रूस से कच्चा तेल खरीदता है। एक झटके में उसके खटारा लड़ाकू विमान का सौदा रद कर देता है। उसके कबाड़ा अस्त्र-शस्त्र खरीदने से मना कर देता है। टैरिफ की उसकी धमकियाँ धरी रह जाती हैं। वह अपने लिए पहले से ही कई बाजार तलाश कर बैठा है। यह सब ट्रंप को वास्तव में डरा रहा है। यह डर उनके अपने देश के भीतर भी दिख रहा है। ठीक इसी तरह नेशनल हेराल्ड और यूके की नागरिकता जैसे मसले खुलने, कर्नाटक और हिमाचल में कांग्रेस सरकारों की विफलता, लगातार तीसरी बार भी लोकसभा चुनाव में बहुमत के बारे में सोचने तक के लायक न बन पाना और चौथी बार के लिए भी कोई आसार न दिखाई देना, यह सब राहुल गांधी को डरा रहा है। यह डर भी एक प्रकार का दर्द है और फिर से यह दर्द का एक और रिश्ता बन रहा है। राहुल जी दर्द का अपना हर रिश्ता शौक से निभाएं लेकिन दर्द की यह रिश्तेदारी निभाने में इतना खयाल तो रखें कि विरोध नरेंद्र मोदी का करें, भाजपा का करें, वामपंथियों की तरह भारत का अशुभचिंतक होने की अपनी छवि पुख्ता न कर लें। हिंदूविरोधी होने की छवि तो राहुल और कांग्रेस ही नहीं, अपने को सेकुलर कहने वाले सारे दल बना चुके हैं। दूसरे देशों में जो होता हो, वो हो, भारत में सेकुलर होने का अभिप्राय हिंदुओं का दुश्मन होना भर रह गया है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

*कहीं बरसती बदरिया, कहीं बरसते मेह*
*नयन बरसते कहीं पर, हिय उपजे संदेह*
*हिय उपजे संदेह, पिया परदेसी प्यारे*
*घायल करे विदेह, सेजरिया से हम हारे*
*कह सुरेश कविराय घटा नित आग परसती*
*अंखियां बदरी बनीं, सतत हर कहीं बरसती*

# EC पर विपक्ष का रवैया सबसे बड़ा खतरा

अगर संविधान के ऊपर से विश्वास खत्म हो गया तो व्यवस्था से भी जनता का भरोसा खत्म हो जाएगा। चुनाव आयोग के पास वो काम है जो लोकतंत्र का आधार है। लेकिन विपक्ष को चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट, सेना और मीडिया पर भरोसा नहीं है। फिर भी उसे लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई लड़नी है। वो समझ नहीं पा रहा है कि भारत में लोकतंत्र और संविधान पर सबसे बड़ा खतरा विपक्ष का रवैया ही बन गया है।

राहुल गांधी और विपक्ष के दूसरे नेताओं का चुनाव आयोग पर हमला अब बहुत गंभीर हो चुका है क्योंकि अब ये लोकतंत्र और संविधान पर सवाल खड़े करने तक पहुँच गया है। कुछ लोग कह सकते हैं कि विपक्ष तो संविधान और लोकतंत्र बचाने की जंग लड़ रहा है तो फिर चुनाव आयोग के खिलाफ उसकी मुहिम लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा कैसे हो सकती है। वास्तव में संविधान और लोकतंत्र तब तक सुरक्षित हैं तब तक कि जनता का उनमें विश्वास है । जिस दिन देश की जनता का विश्वास लोकतंत्र और संविधान से उठ गया, उस दिन से इनकी समाप्ति का वक्त शुरू हो जाएगा। भारत की सारी व्यवस्था संविधान से उत्पन्न हुई है. अगर संविधान के ऊपर से विश्वास खत्म हो गया तो व्यवस्था से भी जनता का भरोसा खत्म हो जाएगा। चुनाव आयोग के पास वो काम है जो लोकतंत्र का आधार है। अगर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता ही खत्म हो गई तो फिर लोकतंत्र कैसे बच सकता है । लोकतंत्र का मतलब ही है जनता द्वारा चुनी गई जनता की सरकार लेकिन जब चुनाव आयोग बेईमानी करके सरकार बनाने लगेगा तो फिर सरकार जनता द्वारा चुनी हुई कैसे मानी जायेगी। जो सरकार जनता द्वारा नहीं चुनी गई होगी, वो जनता द्वारा और जनता के लिए बनी सरकार कैसे मानी जायेगी। संविधान का संरक्षक सुप्रीम कोर्ट है लेकिन जब उसकी भी बात नहीं सुनी जाएगी तो संविधान का संरक्षण कौन करेगा। प्रधानमंत्री मोदी को तीसरा कार्यकाल मिलने के बाद विपक्ष को लग रहा था कि इस बार उनके पास पूर्ण बहुमत नहीं है, वो सहयोगी दलों पर निर्भर हैं इसलिए उनकी सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाएगी। सरकार ने जिस तरह से अपने कार्यकाल का एक साल पूरा किया है और मोदी जी आत्मविश्वास के साथ सभी को साथ लेकर चल रहे हैं, उससे विपक्ष को अहसास हो गया है कि ये सरकार अपना कार्यकाल पूरा करने वाली है। इस अहसास ने विपक्ष को हताशा और निराशा से भर दिया है जिसके कारण वो कुंठित हो गया है। विपक्ष को अहसास हो चला है कि उसके लिए केंद्र की सत्ता पाना बहुत मुश्किल होने वाला है। आने वाले कौन से चुनाव में उसे सत्ता मिलेगी, यह भी उसे पता नहीं है। अपनी कुंठा में राहुल गांधी चुनाव आयोग पर उल्टे-सीधे आरोप लगाने में सारी हदें पार करते जा रहे हैं। वो सीधे तौर पर चुनाव आयोग पर भाजपा के लिए चुनाव चोरी करने का आरोप लगा रहे हैं। अब तो उनकी हालत यह हो गई है कि उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनाव में भी धांधली का आरोप लगा दिया है। हैरानी की बात है कि उनकी सरकार के अधीन होने वाले चुनाव में चुनाव आयोग कैसे धांधली कर गया। दूसरी बात यह है कि उस चुनाव आयोग का चयन तो यूपीए सरकार द्वारा ही किया गया था तो वो कैसे भाजपा के साथ चला गया। राहुल गांधी चुनाव आयोग को सार्वजनिक रूप से धमकी देने लगे हैं कि जब उनकी सरकार आएगी तो सबका हिसाब होगा। अगर कोई रिटायर भी हो गया होगा तो उसके खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। कांग्रेस के दूसरे नेता भी राहुल गांधी की शह पर चुनाव आयोग के खिलाफ उल्टे-सीधे बयान देने लगे हैं। पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री पी चिदंबरम ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर कहा है कि चुनाव आयोग अपनी शक्तियों को दुरुपयोग कर रहा है और इसका मुकाबला कानूनी तरीके से किया जाएगा। सवाल यह है कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम उसका संवैधानिक कर्तव्य है और वो अपना कर्तव्य पूरा कर रहा है तो विपक्ष क्यों परेशान है। अगर चुनाव आयोग के काम में कुछ गलत है तो उसे इसकी शिकायत करनी चाहिए लेकिन चुनाव आयोग ने कहा है कि उसने मतदाता सूची का जो प्रारूप तैयार किया है उस पर अभी तक उसे किसी भी राजनीतिक दल की आपत्ति नहीं मिली है। सवाल यह है कि चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष सुप्रीम कोर्ट भी जा चुका है और सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक नहीं लगाई है तो विपक्ष क्यों बवाल कर रहा है। दूसरी बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट जब मामले की सुनवाई कर रहा है तो उसे विपक्ष के झूठे आरोपों का संज्ञान लेना चाहिए लेकिन वो ऐसा क्यों नहीं कर रहा है। राहुल गांधी ने बयान दिया है कि उनके पास एटम बम है, जब वो इसे फोड़ेंगे तो चुनाव आयोग दिखाई नहीं देगा। उनके कहने का मतलब है कि उनके पास चुनाव आयोग की धांधली के पक्के सबूत हैं जिन्हें वो जनता के सामने रखेंगे तो चुनाव आयोग की विश्वसनीयता खत्म हो जाएगी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें चुनौती देते हुए कहा है कि वो जल्दी से जल्दी यह एटम बम फोड़ दें और सारे सबूत जनता के सामने रख दें। सवाल यह है कि अगर राहुल गांधी के पास कोई सबूत है तो वो उसे सुप्रीम कोर्ट में क्यों नहीं पेश कर देते या संसद के पटल पर क्यों नहीं रखते। वास्तव में राहुल गांधी को सनसनीखेज बयान देने का शौक है। कभी वो भूकंप लाने की बात करते हैं, कभी सुनामी ले आते हैं और अब एटम बम फोड़ने वाले हैं हालांकि उनकी हालत खोदा पहाड़, निकली चुहिया से भी ज्यादा बुरी है। झूठ बोलना राहुल की फितरत बन गई है और इसके लिए वो कई बार सुप्रीम कोर्ट की डांट खा चुके हैं । उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान बयान दिया था कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन कब्जा कर ली है और 20 भारतीय जवानों को शहीद कर दिया है । उन्होंने कहा कि चीन की सेना भारतीय जवानों को पीट रही है । सुप्रीम कोर्ट ने राहुल को फटकार लगाते हुए कहा है कि आपको कैसे पता कि भारत की जमीन कब्जा हो गई है. क्या आपके पास कोई दस्तावेज है? और दो देशों की लड़ाई में दोनों पक्षों का नुकसान होता है तो आप कैसे बयान दे रहे हैं। राहुल को झाड़ लगाते हुए माननीय अदालत ने कहा है कि कोई भी सच्चा भारतीय ऐसी बात नहीं कर सकता लेकिन राहुल गांधी इतने ज्यादा कुंठित हैं कि उन पर कोई असर नहीं होता। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी वो सरकार से लगातार सवाल कर रहे हैं कि भारत के कितने जहाज पाकिस्तान ने गिराए हैं। सवाल यह है कि 1962, 1965 और 1971 की जंग में भारत का कितना नुकसान हुआ था, क्या तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने मीडिया या संसद को बताया था। राहुल गांधी को इतनी छोटी सी बात समझ नहीं आती है लेकिन एक पूरा इको सिस्टम उन्हें भारत पर प्रधानमंत्री बनाकर थोपना चाहता है। सवाल यह है कि विपक्ष को चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट, सेना और मीडिया पर भरोसा नहीं है लेकिन उसे लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई लड़नी है। वो समझ नहीं पा रहा है कि भारत में लोकतंत्र और संविधान पर सबसे बड़ा खतरा विपक्ष का रवैया ही बन गया है।

**- राजेश कुमार पासी**

## भारतीय संस्कृति पर अपमानजनक टिप्पणी

भारतीय पृष्ठभूमि वाली दुनिया की सबसे पुरातन सभ्यता-संस्कृति 'सनातन धर्म" पर सियासी वजहों से जो निरंतर हमले हो रहे हैं, उनका समुचित जवाब देने में अब कोई कोताही नहीं बरती जानी चाहिए अन्यथा इसकी सार्वभौमिक स्थिति और महत्ता को दरकिनार करने वाले ऐसे ही बेसिरपैर वाले क्षुद्र सवाल उठाए जाते रहेंगे। हाल ही में तथाकथित धर्मनिरपेक्ष और अवसरवादी क्षेत्रीय पार्टी एनसीपी शरद पवार के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने एक नया विवाद छेड़ते हुए जो कहा है कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया और इसकी विचारधारा को विकृत बताया, वह निहायत ही बेहूदगी भरी, अपरिपक्व और पूर्वाग्रह ग्रसित बयानबाजी है, उसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। वहीं, भारत की आत्मा समझी जाने वाली सनातन सभ्यता-संस्कृति पर ऐसी अपमानजनक टिप्पणी करने वाले जनप्रतिनिधियों के खिलाफ उनकी पार्टी को अपना स्टैंड क्लियर करते हुए उनका इस्तीफा लिया जाना चाहिए अन्यथा चुनाव आयोग को ऐसे जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनसे सम्बन्धित राजनीतिक दल की मान्यता अविलंब समाप्त की जानी चाहिए अन्यथा जनमानस में यही संदेश जाएगा कि भारतीय संविधान के मातहत जारी कार्यपालिका प्रशासन और न्यायपालिका प्रशासन में धर्मनिरपेक्षता की पक्षधरता करने वाले ऐसे ऐसे सनातन विरोधी लोग बैठे हैं जो भारत की सबसे पुरानी सभ्यता-संस्कृति के हमलावरों पर भी उसी तरह से उदार हैं जैसे कभी मुगल या अंग्रेज प्रशासक या कांग्रेसी राजनेता हुआ करते थे। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त विधायक का यह बयान 2008 मालेगाव विस्फोट मामले में सभी सात आरोपियों के विशेष एनआईए अदालत द्वारा बरी किए जाने के बाद आया है जिसने भगवा/हिन्दू आतंक शब्द को लेकर पिछले डेढ़ दशकों से जारी राजनीतिक बहस को एक बार फिर से गरमा दिया है। यह अजीबोगरीब है कि पत्रकारों से बात करते हुए आव्हाड ने कहा कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया। कभी कोई धर्म सनातन धर्म नाम से नहीं था। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। यही कथित सनातन धर्म था जिसने हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक में बाधा डाली। इसी सनातन धर्म ने हमारे छत्रपति संभाजी महाराज को बदनाम किया। इसी सनातन धर्म के अनुयायियों ने ज्योतिराव फुले की हत्या का प्रयास किया। इन्होंने सावित्रीबाई फुले पर गोबर और गंदगी फेंकी। यही सनातन धर्म शाहू महाराज की हत्या की साजिश में शामिल था। इसने आंबेडकर को पानी पीने या स्कूल में पढ़ने की अनुमति तक नहीं दी। वहीं, आव्हाड के सनातन धर्म और सनातन समाज विरोधी बयान पर राणे और संजय निरुपम ने भी ठोककर जवाब दिया है। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नितेश राणे ने जितेंद्र आव्हाड के बयान पर कहा कि 'हिंदू आतंकवाद' या 'सनातनी आतंकवाद' जैसी भाषा भारत की हिंदू और संत परंपरा को बदनाम करने के लिए गढ़ी गई एक परिभाषा है। राणे की इस प्रतिक्रिया का लब्बोलुआब यह है कि हिन्दू समाज के प्रति हद से ज्यादा नकारात्मक हो चुकी कांग्रेस को देशवासियों ने सजा दी और केंद्रीय सत्ता से बाहर कर दिया जिससे कांग्रेसी बौखलाये हुए हैं। उसके लोग मुस्लिम वोटों को समाजवादियों से खींचने के लिए रणनीतिक गलतियां दर गलतियां करते जा रहे हैं। ऐसा करके वे लोग विपक्ष की राजनीति तो कब्जा सकते हैं लेकिन केंद्रीय सत्ता 15 साल बाद भी उनके लिए दिल्ली दूर ही साबित होगी। वहीं, बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस के तथाकथित "इकोसिस्टम" पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सनातन धर्म को बदनाम करने और हिंदू आतंक जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने पर आमादा है। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के उन हालिया बयानों का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने सनातन आतंकवाद का नया जुमला गढ़ा है। श्री पात्रा ने एनसीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड के ताजा विवादित बयान का हवाला देते हुए कहा कि, "आव्हाड महाराष्ट्र के नेता हैं और शरद पवार की पार्टी से ताल्लुक रखते हैं। एक बार फिर उन्होंने सनातन धर्म के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। आपने सत्य का अपमान किया है, शिव के खिलाफ बोला है और उस भारत की सुंदरता का विरोध किया है। वह भारत जिसकी खूबसूरती सबके सम्मान में निहित है। मैं शरद पवार से पूछना चाहता हूं कि क्या यह आपकी पार्टी भी यही सोचती है, स्पष्ट कीजिए।" वहीं, शिवसेना नेता संजय निरुपम ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'जितेंद्र आव्हाड ने सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए खूब सारी फर्जी कहानियां सुनाई हैं। वे यह बताना भूल गए कि अगर सनातन धर्म नहीं होता तो वे अब तक जितेंद्र नहीं जितुद्दीन हो जाते। अगर सनातनी नहीं होते तो देश सऊदी अरब बन जाता। बता दें कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने भगवा शब्द की जगह सनातन या हिंदुत्ववादी शब्दों के उपयोग की वकालत की है। मालेगांव ब्लास्ट मामले में सभी दोषियों को बरी किए जाने के बाद चव्हाण ने सनातन संगठन की आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता का हवाला देते हुए उस पर प्रतिबंध का समर्थन किया। उन्होंने कहा है कि आतंकवादियों के लिए 'भगवा' शब्द का प्रयोग न करके 'सनातन' या 'हिंदुत्ववादी' शब्दों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए. उन्होंने अपने विचारों के समर्थन में ऐतिहासिक संदर्भ भी दिए। चव्हाण ने कहा, 'मेरे मुख्यमंत्री काल में 'सनातन' संगठन की आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता थी।' इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने के लिए मैंने एक गोपनीय रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी थी। उसी संदर्भ में मैंने 'सनातन' शब्द का उपयोग किया था क्योंकि उस संगठन का कार्य आतंकवादी प्रवृत्ति का था। इस संगठन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए था।' उन्होंने डॉ. नरेंद्र दाभोलकर और कॉ. गोविंद पानसरे की हत्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि उनके साथ क्या हुआ और आज तक न्याय क्यों नहीं मिला, यह गंभीर प्रश्न है।

**- कमलेश पांडेय**

## आदिवासी अस्मिता के प्रतीक शिबू सोरेन

शिबू सोरेन के निधन के बाद झारखंड की राजनीति में एक युग का अंत हो गया है। उनके समर्थक प्यार से उन्हें 'दिशोम गुरु' यानी 'देश के गुरु' कहते थे। उनका जीवन आदिवासी अधिकारों की लड़ाई, संघर्ष और झारखंड को अलग राज्य बनाने के आंदोलन से जुड़ा रहा है। उनका जन्म 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में हुआ था। उनके पिता की हत्या के बाद उन्होंने कम उम्र में ही सामाजिक अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी थी जिसने उन्हें आगे चलकर एक बड़े नेता के रूप में स्थापित किया। शिवचरण मांझी यानी शिबू सोरेन की प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही स्कूल में हुई। बेटे का भविष्य बेहतर हो, इसलिए सोबरन सोरेन ने शिबू का दाखिला गोला प्रखंड के हाई स्कूल में करा दिया। यहां शिबू सोरेन आदिवासी छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। जब शिबू महज 13 साल के थे, तब सब कुछ बदल गया। 27 नवंबर 1957 को शिबू को पता चला कि उनके पिता सोबरन की महाजनों ने निर्ममता से हत्या कर दी है। पिता के हत्यारों को अदालत से सजा दिलाने के लिए शिबू सोरेन और उनके परिवार को ढ़ेर सारी दुश्वारियों का सामना करना पड़ा। पिता की हत्या ने शिबू सोरेन को अंदर से झकझोर कर रख दिया था। उन्होंने कलम छोड़कर हथियार थाम लिया। महाजनों के खिलाफ संग्राम का बिगुल फूंक दिया मगर महाजनों के खिलाफ यह लड़ाई आसान नहीं थी। गांव के गरीब ग्रामीण और आदिवासी महाजनों के कर्ज तले दबे हुए थे। महाजनों ने गरीब किसानों की जमीनें हड़प ली थी। वह किसानों को शराब पिलाकर उनसे कागजों पर अंगूठे का निशान लगवाकर जमीनें हड़प लिया करते थे। शिबू ने एक-एक करके ग्रामीणों और आदिवासियों को महाजनों के खिलाफ एकजुट करना शुरू किया। महाजनों के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद लोग अब शिबू सोरेन का नाम जानने लगे थे। पेटरवार, जैनामोड़, बोकारो और धनबाद में भी शिबू सोरेन के नाम की चर्चा होने लगी।महाजनों के खिलाफ मोर्चाबंदी उलगुलान और समाज सुधार ने तत्कालीन बिहार में शिबू को नई पहचान दी। खासकर धनबाद के टुंडी आंदोलन के बाद वह अविभाजित बिहार में सुर्खियों में आने लगे थे। 1972 से 1976 के बीच उन्होंने महाजनों के कब्जे से जमीनें छुड़वाई। इस आंदोलन का मकसद आदिवासियों को सूदखोरों के चंगुल से छुड़ाना था जो उन्हें ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज देकर उनकी जमीनें हड़प लेते थे। इस आंदोलन ने उन्हें आदिवासियों के बीच एक मजबूत नेता के रूप में पहचान दिलाई। महाजनों के शोषण के खिलाफ आंदोलन चलाने के साथ ही शिबू सोरेन ने शराब को भी गरीब और आदिवासियों का दुश्मन करार दिया। शिबू सोरेन लगातार अपने समाज के लोगों को यह समझाने की कोशिश में रहे कि ज्यादा शराब पीने के कारण ही उनकी जमीन पर महाजन और साहूकार कब्जा जमाने में सफल हो रहे है।

**- कुमार कृष्णन**

आज का कार्टून | साभार

## मालदीव के साथ भारत के संबंधों में सुधार

मालदीव की यात्रा भारत की "पड़ोसी पहले" नीति के महत्व की भी पुष्टि करती है, ऐसे समय में जब भारतीय विदेश नीति अमेरिका के व्यापार शुल्कों और यूक्रेन व गाजा में संघर्षों से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है। पहलगाम हमलों के बाद पाकिस्तान के साथ संघर्ष और बांग्लादेश के साथ तनाव ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, नई दिल्ली विभिन्न देशों से संपर्क साधने में भी व्यस्त रही है, लेकिन उसने पड़ोसी देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजे हैं। यह उत्साहजनक है कि नई दिल्ली नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का स्वागत करने की तैयारी कर रही है, जिन्हें एक साल पहले पदभार ग्रहण करने के बाद से भारत आमंत्रित नहीं किया गया है। मालदीव द्वारा अपने राष्ट्रीय दिवस समारोह के लिए जारी एक स्मारक डाक टिकट पर पारंपरिक भारतीय और मालदीव की नावें दिखाई गईं, जिन्हें श्री मोदी ने भारत और मालदीव के न केवल पड़ोसी होने, बल्कि "एक साझा यात्रा पर साथी यात्री" होने का प्रतिबिंब बताया। वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के दौर में, पड़ोसियों के साथ घनिष्ठ संबंध - जो उनकी आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करे और जहाँ तक संभव हो, उनकी विकास योजनाओं का समर्थन करे - आवश्यक है। मालदीव के साथ भारत के संबंध, जो भारत के बहुत ही करीब है और हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, पिछले दो वर्षों में खराब हो गए हैं; लेकिन अब, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के साथ, दोनों देशों के बीच संबंधों को पुनर्जीवित किया गया है और मालदीव के शासकों ने अब महसूस किया है कि देश की अर्थव्यवस्था व्यक्तिगत अर्थव्यवस्था से अधिक महत्वपूर्ण है।इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केरल तट से लगभग 500 किलोमीटर दूर मालदीव की यात्रा भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। इसके बावजूद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव की यात्रा छह साल बाद ही संभव हो सकी। चीन और पाकिस्तान के प्रयासों से वहां बने भारत विरोधी माहौल को बेअसर करने में कुछ समय लगा। भारत और मालदीव के बीच संबंध तब से प्रभावित होने लगे जब चीन ने हिंद महासागर के मुख्य व्यापार मार्ग के पास देश की निगरानी शुरू की। ये था। इस दशक में, चीन और पाकिस्तान द्वारा मालदीव की राजनीति में हस्तक्षेप करने और उनके अनुकूल सरकार बनाने के प्रयास किए गए हैं; लेकिन भारत की चिंता स्वाभाविक रूप से तब बढ़ गई जब चीन ने मालदीव के जल में अपनी उपस्थिति स्थापित करने के उद्देश्य से एक द्वीप पट्टे पर लिया। इस द्वीप के बहाने चीन ने न केवल अपने नौसैनिक जहाजों को मालदीव भेजना शुरू किया, बल्कि उन्हें स्थायी रूप से तैनात करने पर भी विचार किया। दूसरी ओर, भारत ने मालदीव के जल की निगरानी के लिए अपने तट रक्षक के साथ सहकारी संबंध स्थापित नहीं किए। इसने वहां एक द्वीप पर अपना रडार स्टेशन भी स्थापित किया। दो साल पहले मालदीव ने भारतीय सैनिकों की वापसी का सुझाव दिया था। भारत को लेकर सुगबुगाहट मच गई थी। इसलिए, भारतीय पर्यटकों ने मालदीव के बजाय अंडमान और निकोबार को चुना। परिणामस्वरूप, इस देश के साथ हमारे संबंध बिगड़ गए। मालदीव की अर्थव्यवस्था भारत और रूस के पर्यटकों पर निर्भर है। मालदीव के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का हिस्सा 30 प्रतिशत है। हालांकि चीनी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है, लेकिन मालदीव में कम पर्यटक हैं। मालदीव भारत के साथ खिलवाड़ नहीं कर सका; इसके अलावा, मालदीव के शासकों ने महसूस किया कि अगर चीन कर्ज के जाल में फंस गया, तो देश और भी अधिक संकट में पड़ जाएगा। चीन की मदद स्वैच्छिक है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि मुसीबत के समय वह पीछे रहेगा। भारत ने मालदीव के आक्रामक रुख पर बहुत धैर्य से प्रतिक्रिया व्यक्त की। भारत ने मदद करना बंद नहीं किया, लेकिन मदद का हाथ बढ़ाया। तो अब अंतर यह है कि हमारा सच्चा दोस्त कौन है और कौन दोस्त है जो लाभ के लाभ के लिए दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है।मालदीव, चीन और पाकिस्तान भारत के साथ सहयोगात्मक संबंधों के बिना लंबे समय तक जीवित नहीं रह सकते हैं। लगभग चार दशक पहले, जब कुछ विद्रोही तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल गयूम को उखाड़ फेंकने के लिए माले में उतरे, तो उन्होंने भारत की मदद मांगी। राजीव गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने गयूम की शक्ति को बचाने के लिए 'ऑपरेशन कैक्टस' के हिस्से के रूप में भारतीय वायु सेना के एक परिवहन विमान को माले में लॉन्च किया।

**- अशोक भाटिया**

# फिजिकल टीचर को 16 हजार, रसोइया का मानदेय भी बढ़ा

## नीतीश कैबिनेट बैठक में कई फैसले

महानगर नेटवर्क

पटना

बिहार में आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कैबिनेट मंत्रियों की अहम बैठक हुई है। नीतीश कैबिनेट की इस अहम बैठक में कई प्रस्तावों पर मुहर लगी है। बिहार कैबिनेट की पटना में हुई बैठक में बिहार सरकार के लगभग सभी मंत्री उपस्थित थे। नीतीश कैबिनेट की बैठक में कुल 36 एजेंडों पर मुहर लगाई गई है। बिहार कैबिनेट की बैठक में मिड डे मील रसोइया, रात्रि प्रहरी, शारीरिक स्वास्थ्य अनुदेशकों के मानदेय बढ़ाने पर मुहर लगा दी गई है। रात्रि प्रहरी को अब 5000 रुपये के बदले 10,000 रुपया मानदेय मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में 2 लाख 30 हजार से ज्यादा रसोइयों का मानेदय बढ़ाए जाने का ऐलान किया था। कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद अब उन्हें 1650 रुपये की बजाए 3300 रुपये मानदेय मिलेगा। इसी तरह फिजिकल टीचर का मानदेय 8000 रुपये से बढ़ाकर 16,000 किया गया है। औरंगाबाद जिले के कुटुम्बा अंचल में उद्योग के लिए जमीन अधिग्रहण को लेकर 284 करोड़ रुपये से ज्यादा की स्वीकृति प्रदान की गई है। कृषि विभाग में 712 पदों के सृजन को स्वीकृति दी गई है। मुख्यमंत्री डिजिटल लाइब्रेरी योजना के लिए 94 करोड़ रुपये से ज्यादा की स्वीकृति प्रदान की गई है। बिहार परिवहन क्षेत्रीय आशुलिपिक संवर्ग (भर्ती एवं प्रोन्नति) नियमावली 2025 के गठन को मंजूरी प्रदान की गई है। इसके अलावा बिहार शहरी आयोजना स्कीन नियमावली 2026 की स्वीकृति दी गई है। माध्यमिक तथा उच्च विद्यालयों में कार्यरत रात्रि प्रहरी के मानदेय में बढ़ोती को बिहार कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दे दी है। बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक (नियुक्ति, स्थानान्तरण अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवाशर्त) (संशोधन) नियमावली 2025 को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ में बताया कि बिहार में जातीय तौर पर 50 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण है 10% है। इसके बाद बची 40 प्रतिशत अनारक्षित (सामान्य) सीटों में 35 प्रतिशत सीट बिहार मूल की महिलाओं के लिए रिजर्व हो चुकी हैं। अब फिर से नियमावली में संशोधन कर 40 प्रतिशत अनारक्षित (सामान्य) सीटों के बचे 65 प्रतिशत सीटों में से 40 प्रतिशत सीट उनके लिए आरक्षित कर दी गई जिन्होंने बिहार से मैट्रिक और इंटर की परीक्षाएं किसी भी बोर्ड से पास की हो। जाहिर है इस फैसले से बिहार के छात्रों को नौकरियों में काफी लाभ मिलेगा। इस तरह अब 40 प्रतिशत अनारक्षित (सामान्य) सीटों में अब मात्र 15 प्रतिशत सीटे बच जाएंगी जिनपर बिहार और बिहार के बाहर के सामान्य वर्ग के पुरुष महिला आवेदनकर सकेंगे।

### इन प्रस्तावों पर भी लगी मुहर

कैबिनेट की बैठक में बिहार के सरकारी, गैर सरकारी सहायता अनुदानित अल्पसंख्यक सहित उच्च विद्यालय में उपस्थिति के आधार पर वित्तीय लाभ देने को स्वीकृति दी गई है। बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विजय कुमार की सेवा से बर्खास्तगी को बरकरार रखा गया है। इसके अलावा मद्य निषेध और उत्पाद विभाग से जुड़े मामले में ऐक्शन के लिए सहरसा और नालंदा जिले के हिलसा न्याय मंडल में 18 पदों के सृजन को अनुमति प्रदान की गई है।

# 'हमारी माई बहिन मान योजना भी जल्द अपनाएगी नीतीश सरकार'

## डोमिसाइल नीति से गदगद हुए तेजस्वी यादव

महानगर नेटवर्क

पटना

पटनाः बिहार के नेता विपक्ष तेजस्वी यादव मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रांची रवाना हो गए। रांची रवाना होने से पहले तेजस्वी यादव ने मीडिया के सवालों का दिया।

बिहार में डोमिसाइल नीति के कार्यान्वयन पर खुशी जाहिर करते हुए तेजस्वी ने कहा कि नीतीश सरकार जल्द हमारी दूसरी योजनाओं को भी बिहार में लागू करेगी। मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने बताया कि वे दिशोम गुरु के अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए रांची जा रहे हैं। इस दौरान झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात भी करेंगे। उन्होंने कहा, 'शिबू सोरेन की मृत्यु केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।'

इसके साथ ही तेजस्वी यादव ने यह भी बताया कि उनका शिबू सोरेन परिवार से पारिवारिक संबंध रहा है। चुनाव आयोग की ओर से भेजे गए नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, 'हम नोटिस का जवाब देंगे। लेकिन सवाल यह है कि हमारे उठाए गए प्रश्नों पर चुनाव आयोग जवाब क्यों नहीं दे रहा? हमने जो सवाल उठाए थे, अब वे सबके सामने हैं। वोटर लिस्ट का प्रारूप जारी होने के बाद लगातार शिकायतें आ रही हैं। सभी शिकायतों को हम चुनाव आयोग को भेजेंगे और सुप्रीम कोर्ट में भी अपनी बात रखेंगे।' डोमिसाइल नीति लागू किए जाने पर उन्होंने कहा कि 'हमारी मांग के अनुरूप ही नीतीश सरकार ने डोमिसाइल नीति लागू की है। हम जो कहते हैं, सरकार वही करती है। सरकार तेजस्वी के पीछे चल रही है।' उन्होंने कहा, 'हमारी जो मांग थी, उसे सरकार ने कहीं न कहीं पूरा किया है।

आने वाले समय में ये लोग हमारी 'माई बहिन मान योजना' को भी अपनाएंगे। जो हम कहते हैं, वही सरकार करती है।'

राहुल गांधी के नेतृत्व में बिहार में शुरू होने वाली 'वोट अधिकार यात्रा' को स्थगित कर दिया गया है। तेजस्वी ने कहा कि गुरुजी के निधन के कारण यात्रा को स्थगित किया गया है। हालांकि, जल्द ही यात्रा की नई तारीख तय की जाएगी और इसकी घोषणा जल्द ही कर दी जाएगी।

# दिवाली-छठ पर बिहार आना होगा आसान

## PPP मॉडल पर अंतरराज्यीय बस सेवा

महानगर नेटवर्क

पटना

देश के तमाम राज्यों से दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ समेत अन्य त्योहारों पर बिहार आने वाले लोगों को सुविधा देने के लिए पीपीपी मोड पर अंतरराज्यीय बस परिवहन कराया जाएगा। जिससे त्योहारों पर लोगों को अपने घर आने के लिए दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। मंगलवार को नीतीश कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। इसके लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम और निजी बस ऑपरेटरों से बस परिचालन के लिए 5 वर्ष के लिए एकरारनामा किया जाएगा। पांच वर्षों के लिए 35 करोड़ 64 लाख रुपये और योजना के सुचारू रूप से संचालन के लिए आकस्मिकता मद में योजना लागत 2 प्रतिशत यानी 71 लाख 28 हजार रुपये समेत 36 करोड़ 35 लाख 28 हजार रुपये व्यय किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7 करोड़ 27 लाख 6 हजार रुपये का व्यय बिहार आकस्मिक निधि से किया जाएगा। जिसके तहत निजी बस ऑपरेटरों को पीक सीजन में प्रति सीट 150 रुपये और ऑफ सीजन में 300 रुपये प्रति सीट प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। आपको बता दें बिहार सरकार के परिवहन विभाग ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पश्चिम बंगाल से बिहार के लिए विशेष बस सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। बस सेवाओं के जरिए हर रोज करीब 3,000 यात्री बिहार आ-जा सकेंगे। इसके अलावा 150 अतिरिक्त एसी बसें पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत संचालित की जाएंगी।

# मुंगेर के मॉल में भड़की भयानक आग

**मुंगेर।** जिले के कासिम बाजार थाना क्षेत्र के चंदनबाग मोहल्ले में सड़क किनारे वीमार्ट के ग्राउंड फ्लोर पर चल रहे के एस मेडिकल रिसर्च सेंटर में सोमवार की देर शाम शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी। घटना उस वक्त हुई जब रिचर्स सेंटर में कर्मी और मैनेजर मौजूद थे। वही जब रिसर्च सेंटर में आग लगी तो एकाएक धुंआ होने लगा। इसके बाद सभी लोग बाहर निकल गए। वही वी मार्ट में शॉपिंग करने पहुंचे ग्राहकों में भी घबराहट होने लगी। तभी वहां से स्टाफ ने ग्राहकों को एक-एक करके बाहर निकाला। आग की घटना की जानकारी मिलने के बाद कासिम बाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

# बिहार चुनाव से पहले जेल से बाहर आएंगे अनंत सिंह

## पटना हाईकोर्ट ने पूर्व विधायक को दी जमानत

महानगर नेटवर्क

पटना

बिहार के बाहुबली नेता और पूर्व विधायक अनंत सिंह बिहार चुनाव से पहले जेल से बाहर आ जाएंगे। पटना हाईकोर्ट ने आज मंगलवार को पूर्व विधायक अनंत सिंह को जमानत दे दी है। अनंत सिंह को पंचमहला थाना कांड संख्या 5/2025 में जमानत मिली है। यह सोनू-मोनू फायरिंग केस है। सोनू की मां ने पंचमहला थाने में अनंत सिंह के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। इस मामले में अनंत सिंह जेल में थे। अब बिहार चुनाव से पहले वे जेल से बाहर आ जाएंगे। पटना हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद अब अनंत सिंह जल्द ही जेल से बाहर आ सकते हैं। बेल ऑर्डर की कॉपी जेल प्रशासन को दी जाएगी। इसके बाद अनंत सिंह को रिहा कर दिया जाएगा। बता दें, सोनू-मोनू गैंग के साथ फायरिंग के मामले में केस दर्ज होने के बाद अनंत सिंह ने खुद ही सरेंडर कर दिया था। इस मामले में अनंत सिंह ने भी सोनू-मोनू गैंग पर केस दर्ज कराया था। सोनू अभी जेल में है, जबकि मोनू फरार है।

अनंत सिंह ने उस समय दावा किया था कि गांव के एक परिवार को घर से निकालकर ताला लगा दिया गया था। उन्होंने कहा था, 'जब वो इस मामले में हस्तक्षेप करने के लिए वहां पहुंचे थे, तब अचानक उन पर और उनके लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी गई थी।' फायरिंग का एक वीडियो भी सामने आया था। जिसमें गोलियों की आवाज सुनाई दे रही थी। गांव की सड़क पर लोग इधर-उधर दौड़ रहे थे। इधर मोकामा में अनंत सिंह को जमानत मिलने से उनके समर्थकों में खुशी की लहर है।

# औरंगाबाद पुलिस ने पांच चोरों को दबोचा

महानगर नेटवर्क

औरंगाबाद

पुलिस ने बड़े घरों में घुसकर चोरी करने वाले गिरोह को दबोच लिया। बड़ी बात ये कि गिरोह ने 5 जिलों में आतंक मचा रखा था। मामला बारुण थाना क्षेत्र का है जहां 24 मई 2025 को लाखों के आभूषण और कैश चोरी की वारदात हुई थी। थाना अध्यक्ष रंजन कुमार की लिखित शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी के बाद SIT की टीम का गठन किया गया था, जिसने मात्र कुछ ही हफ्तों में इस संगठित गिरोह की गुत्थी सुलझा दी। SIT ने मोबाइल लोकेशन, तकनीकी विश्लेषण के जरिए 5 आरोपियों विकास कुमार (रोहतास), ओमप्रकाश कुमार (रोहतास), विक्की कुमार (रोहतास), अशोक प्रसाद (डिहरी) और मयंक कुमार उर्फ मोनू (रोहतास) को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार ओमप्रकाश, विकास और विक्की ने स्वीकार किया कि उन्होंने मिलकर चोरी की योजना बनाई थी। ये सभी शादी-विवाह वाले सुनसान घरों को टारगेट करते थे और फिर रात में धावा बोलते थे। चोरी हुए आभूषणों को बेचने में अशोक प्रसाद (जूलरी शॉप मालिक) और मयंक कुमार मदद करते थे। चोरी की गई जूलरी रोहतास के डेहरी बाजार और नारायणपुर बाजार में बेची गई थी और रकम आपस में बांट ली गई थी। चोरी के सारे गहने, मोबाइल बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस अब गिरोह से जुड़े बाकी फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

# राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा की तारीख बदली

## आरजेडी के साथ कांग्रेस की राह आसान नहीं

**पटना ।** कांग्रेस इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इनक्लूसिव अलायंस (INDIA Bloc) यानी इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कर रही है। गठबंधन की राजनीति में दलों को बहुत समझौते करने होते हैं। हर पार्टी का अपना एजेंडा, अपने सिद्धांत होते हैं और इनके बीच तारतम्य बनाए रखना आसान नहीं होता। किसी एक पार्टी का प्रभाव समूचे गठबंधन को फायदा पहुंचा सकता है, तो किसी एक पार्टी की बदनामी सभी सहयोगी दलों को नुकसान भी पहुंचा सकती है। भले ही कांग्रेस एक बड़े गठबंधन का नेतृत्व कर रही है लेकिन वह अपने सिद्धांतों, मान्यताओं को खुद तक सीमित रखने के लिए विवश है।

# बिहार में सिर्फ 3 हथियारबंद नक्सली ही बचे

## ADG कुंदन कृष्णन बोले- चुनाव से पहले इनको भी..

महानगर नेटवर्क

पटना

नक्सलवाद पूरे देश के लिए एक बड़ी समस्या है। लाल आतंक का नारा बुलंद करने वाले नक्सलियों ने कई बार देश को गहरे जख्म भी दिए हैं। केंद्र और अलग-अलग राज्य सरकारें समय-समय पर इन नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाती हैं और उन्हें उनके अंजाम तक भी पहुंचाया जाता है। बिहार में भी नक्सलवाद एक बड़ी समस्या है। बिहार के कई जिले नक्सल प्रभावित माने जाते रहे हैं। इस बीच बिहार एडीजी ऑपरेशन कुंदन कृष्णन ने बिहार में नक्सलियों के खात्मे को लेकर बड़ी बात कही है। एडीजी कुंदन कृष्णन ने बताया है कि बिहार में अब सिर्फ 3 हथियारबंद नक्सली ही बचे हैं।

एडीजी ने कहा, 'हमारा टारगेट है कि जो केंद्र सरकार का दिशा-निर्देश है और हथियारबंद नक्सलियों के उन्मूलन के लिए जो मार्च 2026 तक जो समय सीमा दी गई है उसका अनुपालन हो जाए। अभी बिहार में हमारी जानकारी में मात्र 3 ही हथियारबंद नक्सली बचे हैं। इनको लेकर भी लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जल्द ही यह काम पूरे होने की उम्मीद है। बिहार चुनाव से पहले ही ये जो बचे हुए नक्सली हैं उन्हें मना कर आत्मसमर्पण करवा लिया जाएगा। अगर वो सरेंडर नहीं करते हैं तो हमारा बल भी जंगल में घूम रहा है। अगर वो उनपर फायरिंग करते हैं तो वो भी फायरिंग करेंगे।'एडीजी कुंदन कृष्णन के मुताबिक, बिहार अब नक्सलमुक्त राज्य बनने के कगार पर खड़ा है। साल 2025 में अभी तक एक भी बड़ी नक्सली हिंसक घटना नहीं हुई है। नक्सलियों में हथियार डालने और सरेंडर करने की होड़ मची है।

# हुजूर! मैं जिंदा हूं, कागजों में 'मार' कर बेटे ने बेच दी लाखों की जमीन

**मुजफ्फरपुर।** 'हुजूर! मैं जिंदा हूं। मुझे कोई पूछता नहीं है। मुझे कोई खाने के लिए भी नहीं देता है। मुझे मृत घोषित कर मेरी जमीन भी बेटे ने बेच दी है', मुजफ्फरपुर डीएम के दफ्तर में न्याय की गुहार लेकर पहुंचे 90 साल के बुजुर्ग राज नारायण ठाकुर को देखकर लोग हैरान रह गए। राज नारायण ठाकुर ने अपने साथ हुए धोखाधड़ी का आवेदन देकर बताया कि उसे उसके छोटे बेटे दिलीप ठाकुर ने मृत घोषित कर गांव की जमीन बेची दी है। कांटी थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव निवासी 90 वर्षीय राज नारायण ठाकुर ने सोमवार को डीएम कार्यालय पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। बुजुर्ग राज नारायण ठाकुर ने आरोप लगाया है कि उनके छोटे बेटे दिलीप ठाकुर ने महमदपुर गांव की करीब 10 डिसमिल जमीन को 29 जुलाई को मोतीपुर रजिस्ट्री कार्यालय में सुमन सौरव नामक व्यक्ति के नाम रजिस्ट्री कर दी।

## व्यापार

# एयरटेल ने लांच किया 'एयरटेल क्लाउड'

**मुंबई।** एक्सटेलिफ़ाय, जो भारती एयरटेल ('एयरटेल') की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और एयरटेल की सभी डिजिटल संपत्तियों और क्षमताओं का संचालन करती है, ने आज 'एयरटेल क्लाउड' नाम से एक स्वायत्त (सोवरेन), टेल्को-ग्रेड क्लाउड प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह क्लाउड प्लेटफॉर्म एयरटेल की भारत में आंतरिक ज़रूरतों के लिए प्रति मिनट 140 करोड़ ट्रांज़ैक्शन संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है, और अब इसे देश की कंपनियों की लगातार बढ़ती डिजिटल ज़रूरतों को पूरा करने के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है।

# 'भारत बनेगा विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार'

## मॉर्गन स्टैनली ने अपनी रिपोर्ट में की टिप्पणी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

आने वाले दशकों में भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभाने की राह पर है। मॉर्गन स्टैनली की हालिया रिपोर्ट में यह आकलन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में ऋण-से-जीडीपी अनुपात में वृद्धि और विनिर्माण क्षेत्र की जीडीपी में बढ़ती हिस्सेदारी के चलते वैश्विक अर्थव्यस्था में देश की भूमिका उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत बुनियादी कारकों के संयोजन के चलते आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक उत्पादन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने को तैयार है। इन कारकों में तेजी से बढ़ती जनसंख्या, सक्रिय लोकतंत्र, स्थिर मैक्रोइकोनॉमिक नीतियां, बेहतर बुनियादी ढांचा, बढ़ता उद्यमी वर्ग और बेहतर सामाजिक परिणाम शामिल हैं। इसमें कहा गया कि भारत विश्व का सबसे अधिक मांग वाला उपभोक्ता बाजार बन जाएगा। इसमें ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन होगा, सकल घरेलू उत्पाद में ऋण एवं विनिर्माण क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेल की घटती हिस्सेदारी और निर्यात, खासतौर से सेवाओं की बढ़ती हिस्सेदारी से राजकोषीय समेकन को समर्थन मिलेगा। उच्च वृद्धि , कम अस्थिरता और गिरती ब्याज दरों का यह संयोजन इक्विटी बाजार में उच्च मूल्य से आय (पी/ई) अनुपात को समर्थन देता है।

# लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

## सेंसेक्स 308 अंक लुढ़का, निफ्टी भी फिसला

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

आरबीआई की 6 अगस्त को मौद्रिक नीति की घोषणा से पहले तेल एवं गैस औक बैंकिंग शेयरों में बिकवाली दर्ज हुई। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 308.47 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 80,710.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 464.32 अंक या 0.57 प्रतिशत गिरकर 80,554.40 के निचले स्तर पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.20 अंक या 0.30 प्रतिशत गिरकर 24,649.55 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में अडानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, बीईएल, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी और सन फार्मास्युटिकल प्रमुख रूप से पिछड़े रहे। हालांकि, टाइटन, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, एलएंडटी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी लाभ में रहे। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.27 प्रतिशत और मिडकैप सूचकांक 0.14 प्रतिशत नीचे आया।

# शक्ति पंप्स का 2026 की पहली तिमाही में निर्यात वृद्धि

**इंदौर।** शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड (एसपीआईएल) ने 30 जून 2025 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित किए। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन दिनेश पाटीदार ने कंपनी के प्रदर्शन पर कहा, "वित्तीय वर्ष 2026 की मजबूत शुरुआत की घोषणा करते हुए हमें खुशी हो रही है, जो हमारे डाइवर्सिफाइड बिज़नेस मॉडल की ताकत को दिखाती है। इस तिमाही में हमारा प्रदर्शन सोलर पंप सेगमेंट में मजबूत निष्पादन, निरंतर निर्यात वृद्धि और क्षमता एवं तकनीक में दीर्घकालिक निवेश से प्रेरित रहा। हम पीएम-कुसुम योजना में लगभग 25% बाजार हिस्सेदारी के साथ प्रमुख भारतीय कृषि राज्यों में अग्रणी बने हुए हैं। 1 अगस्त 2025 तक हमारी ऑर्डर बुक लगभग 13,50करोड़ रही, जिसे महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों से स्थिर ऑर्डर का समर्थन मिला है।" उन्होंने आगे कहा, "रूफटॉप सोलर सेगमेंट को पीएमसूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना जैसी सरकारी पहलों से तेजी मिल रही है। हम इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ा रहे हैं, साथ ही घरेलू, औद्योगिक और ईवी सेगमेंट में भी प्रयास जारी हैं। हमारा निर्यात कारोबार पिछले चार वर्षों में लगभग 25% की दर से बढ़ते हुए एक प्रमुख विकास का कारणबना हुआ है। हैती, युगांडा, बांग्लादेश और नेपाल में सफल प्रोजेक्ट्स तथा अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीका से बढ़ती मांग के साथ, हमें इस गति को बनाए रखने की अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा है।"

# अनिल कपूर ने GJEPC समारोह में भेंट किया 75 लाख का चेक

**मुंबई।** स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में एक गौरवपूर्ण क्षण में, बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता अनिल कपूर ने जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के चेयरमैन किरित भंसाली, उपाध्यक्ष शौनक पारीख और मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त विवेक फणसालकर के साथ मिलकर डॉ. धर्मेंद्र कुमार को 75 लाख का चेक भेंट किया। यह कार्यक्रम बांद्रा (पश्चिम) स्थित जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुआ। यह सम्मान R.K. HIV एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर को विश्व का सबसे बड़ा निःशुल्क जनरल मेडिकल कैंप आयोजित करने के लिए प्रदान किया गया, जिसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज किया गया है। चेक प्राप्त करते समय डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने GJEPC का आभार व्यक्त करते हुए कहा, GJEPC का यह सहयोग हमारे मिशन को और मज़बूती देता है। हमारा संकल्प है कि भारत में कोई भी व्यक्ति केवल संसाधनों की कमी के कारण इलाज से वंचित न रह जाए। पिछले दो दशकों से, डॉ. कुमार भारतभर में मुफ्त मेडिकल कैंप्स का आयोजन कर रहे हैं, जिनमें लाखों लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

# सहानुभूति, ऊर्जा और कार्रवाई पर आधारित शिखर सम्मेलन

**मुंबई।** आज के समय में जब स्कूलों का पाठ्यक्रम और कक्षाएं भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में पीछे रह जाती हैं, तब रंगीत का सीक (SEEK) शिखर सम्मेलन आज के समय के अनुसार बहुत उपयोगी पहल बनकर सामने आया। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बना, जहां शिक्षकों ने चिंतन किया, शिक्षकों को एक-दूसरे से जुड़ने का मौका मिला और सभी ने इस बात पर विचार किया कि बच्चों के जीवन को और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है। यह सम्मेलन मुंबई के दादर (पूर्व) स्थित कोहिनूर बैंक्वेट्स में आयोजित किया गया, जिसमें पूरे मुंबई के सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों के 100 से अधिक काउंसलर और शिक्षा अधिकारी शामिल हुए, जिनमें से कई या तो पहले से ही रंगीत द्वारा विकसित सामाजिक भावनात्मक और पारिस्थितिक ज्ञान (SEEK)© पाठ्यक्रम को लागू कर रहे हैं या इसे अपनाने की तैयारी कर रहे हैं। साझा कहानियों, वास्तविक चुनौतियों और सहयोगात्मक डिजाइन सत्रों के माध्यम से, इस कार्यक्रम द्वारा सीकर कम्युनिटी (SEEKer) की शुरुआत हुई, जो शिक्षकों का एक बढ़ता हुआ समुदाय है और रोजमर्रा की शिक्षा के मूल ढांचे में सामाजिक, भावनात्मक, पारिस्थितिक और डिजिटल मीडिया की लत के बारे में जागरूकता लाने के लिए समर्पित है।

# स्पिनी ने जारी की दूसरी तिमाही की रिपोर्ट

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत में सैकण्ड हैण्ड कारों का मार्केट डिजिटल, जनसांख्यिकीय एवं भोगोलिक रूप से विकसित हो रहा है। देश में सैकण्ड हैण्ड कारों के अग्रणी फुल स्टैक प्लेटफॉर्म स्पिनी ने 2025 की दूसरी तिमाही के लिए अपनी ट्रेंड रिपोर्ट जारी की है, जिसमें विभिन्न चैनलों, फोर्मेट्स एवं क्षेत्रों में आंकड़ों के आधार पर ग्राहकों के कार खरीदने के बदलते व्यवहार पर रोशनी डाली गई है। दूसरी तिमाही के लिए स्पिनी के आंकड़ों के अनुसार विक्रेताओं द्वारा बेची गई 55 फीसदी कारें हैचबैक रहीं और सबसे ज़्यादा बिकने वाली कारों में मारूति सुजुकी का प्रभुत्व रहा। वैगन आर, बलेनो, और स्विफ्ट सबसे ज़्यादा बेचे जाने वाले मॉडल्स थे। कोलकाता में कुल आपूर्ति में 62 फीसदी योगदान हैचबैक कारों का रहा।

# एचपीसीएल ने किया एएलएनजी के साथ 10 साल का अनुबंध

**नई दिल्ली।** हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने अड्नोक गैस की सहायक कंपनी अबू धाबी गैस लिक्विफिकेशन कंपनी (एएलएनजी) के साथ 10 साल की अवधि के लिए तरलीकृत प्राकृतिक गैस की खरीद हेतु एक अनुबंध शीर्ष (एचओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। अड्नोक गैस एक विश्वस्तरीय, बृहद पैमाने पर एकीकृत गैस परिचालन और बिक्री कंपनी है जो गैस मूल्य श्रृंखला में कार्यरत है। एचओए के नियमों के तहत, एचपीसीएल अपनी रिफाइनरियों, सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की मांग को पूरा करने और डाउनस्ट्रीम ग्राहकों के बीच खपत के लिए हाल ही में चालू किए गए छारा एलएनजी टर्मिनल, गुजरात से एलएनजी प्राप्त करेगी। इस पहल से एचपीसीएल एलएनजी हासिल करने और प्रतिस्पर्धी कीमतों पर ग्राहकों को सेवा प्रदान करने के लिए दीर्घकालिक और अल्पकालिक एलएनजी अनुबंधों सहित एक विविध पोर्टफोलियो बनाने में सक्षम होगा।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं डांगट मीडिया प्रा.लि., 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबरः 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

# कांग्रेस ने मालेगांव केस में निर्दोषों को फंसाया : सीएम योगी

महानगर संवाददाता
मेरठ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ में एक बड़े कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस और सपा पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मालेगांव विस्फोट मामले में निर्दोष हिंदुओं को फंसाया और असली आतंकवादियों को बचाने का काम किया. उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस अब अपने इस 'पाप' के लिए देश से माफी मांगेगी? सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की राजनीति हमेशा जातिवाद दंगे और माफियाओं की चरणवंदना तक सीमित रही है. जबकि भाजपा की डबल इंजन सरकार बिना भेदभाव के विकास और राष्ट्रवाद के रास्ते पर काम कर रही है।

**इंटीग्रेटेड टाउनशिप परियोजना का भूमिपूजन**

मुख्यमंत्री मेरठ में मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत 2,517 करोड़ रुपये की लागत वाली नवीन इंटीग्रेटेड टाउनशिप परियोजना

का भूमिपूजन करने पहुंचे थे. उन्होंने इसे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित करते हुए 'अटल शताब्दी टाउनशिप' का नाम दिया. यह टाउनशिप 295 हेक्टेयर में फैली होगी, जिसमें आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक सुविधाओं के साथ मेडिकल कॉलेज, टेक्निकल संस्थान और स्कूल भी शामिल होंगे।

### दंगामुक्त और माफिया मुक्त बना मेरठ

सीएम योगी ने कहा कि पहले मेरठ की पहचान 'सोतीगंज' जैसे चोर बाजार से होती थी लेकिन आज मेरठ स्पोर्ट्स इंडस्ट्री और रैपिड रेल 12-लेन एक्सप्रेसवे के कारण पूरे देश और दुनिया में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि मेरठ अब दंगामुक्त और माफियामुक्त शहर बन गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 675 युवा उद्यमियों को 29 करोड़ रुपये के ऋण, 881 स्वयं सहायता समूहों को 64 करोड़ रुपये की सहायता और आवास योजना के लाभार्थियों को चाबियां सौंपी। उत्कृष्ट किसानों को सम्मान पत्र भी दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें विदेशी चीजों की जगह स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

### मेरठ की स्पोर्ट्स इंडस्ट्री को वैश्विक पहचान

'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के तहत मेरठ की स्पोर्ट्स इंडस्ट्री को वैश्विक पहचान मिल रही है। सीएम ने रक्षाबंधन के मौके पर 8, 9 और 10 अगस्त को सभी महिलाओं को यूपी में फ्री बस यात्रा देने का ऐलान भी किया। कहा कि इस दौरान यूपी रोडवेज और नगर बस सेवा महिलाओं के लिए पूरी तरह नि:शुल्क होगी।

# प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ से जनजीवन अस्त व्यस्त

**घटने लगा यमुना और गंगा का जलस्तर, लाखों की आबादी प्रभावित**

महानगर संवाददाता
प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ से जनजीवन अस्त व्यस्त है। पूर्वांचल से लेकर बुंदेलखंड और पश्चिमी यूपी के जिलों में कई गावों में पानी भरा है। मंगलवार को गंगा और यमुना का जलस्तर घटने लगा, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि अभी भी दोनों नदियां खतरे के निशान से उपर ही बह रही हैं। सीएम योगी ने अधिकारियों को मौके पर जाकर राहत बचाव के लिए निर्देशित किया है। साथ ही 11 मंत्रियों की टीम भी 12 जिलों में बाढ़ निगरानी के लिए डटी हुई है।

प्रयागराज और वाराणसी में बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रयागराज में गंगा-यमुना में दो दिनों से बढ़ रहे पानी ने प्रयागराज और आसपास के इलाके में पांच लाख की आबादी के सामने गंभीर संकट पैदा कर दिया है। हालांकि मंगलवार को दोनों नदियों के

जलस्तर में कमी देखने को मिली। गंगा और यमुना का जलस्तर दो सेंटीमीटर प्रति घंटे की दर से घट रहा है। यही स्थिति रही तो दो दिन में स्थिति सामान्य हो जाएगी। प्रशासन की ओर से राहत और बचाव कार्य तेज कर दिया गया है। अभी लोग राहत शिविरों में ही रह रहे हैं।

सोमवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने हेलिकॉप्टर से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर दो राहत शिविरों को भी देखा। बारिश और बाढ़ ने हरी सब्जियों का भाव भी उफान पर ला दिया है। उधर, पूर्वांचल के मिर्जापुर, भदोही, वाराणसी, चंदौली, गाजीपुर और बलिया में गंगा नदी उफान पर है। भदोही को छोड़कर पांचों जिलों में गंगा खतरा बिंदु के ऊपर बह रही है। छह जिलों के 500 से अधिक गांव बाढ़ के पानी से घिर चुके हैं। वाराणसी में 2022 का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद अब गंगा का पानी ट्रॉमा सेंटर वाली सड़क पर पहुंच चुका है।

### छह जिलों में भारी बरसात की चेतावनी

पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार मानसूनी बारिश से प्रयागराज, वाराणसी समेत प्रदेश के लगभग 20 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। कई इलाकों में नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और जलभराव का संकट पैदा हो गया है। मंगलवार को बिजनौर में प्रदेश में सर्वाधिक 248 मिमी बारिश दर्ज की गई। बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बरेली, पीलीभीत आदि में भी अच्छी बारिश देखने को मिली। मौसम विभाग ने बुधवार को पश्चिमी तराई इलाके के बिजनौर, मुरादाबाद, बरेली समेत छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी किया है। बृहस्पतिवार से मानसूनी बारिश थोड़ा थमेगी और लोगों को फौरी तौर पर राहत मिलेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पिछले दिनों सक्रिय हुआ पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ा है।

## बिजली निजीकरण : उत्पीड़न पर बारिश के बीच बिजली कर्मियों का प्रदर्शन

महानगर संवाददाता
लखनऊ

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने सोमवार को प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन किया। बिजली कर्मियों पर हुई उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की निंदा करते हुए आक्रोश जाताया। संकल्प लिया कि निजीकरण प्रस्ताव रद्द होने तक आंदोलन जारी रहेगा। समिति के पदाधिकारियों का आरोप है कि निजीकरण का विरोध करने पर बिजली कर्मियों के खिलाफ लगातार उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की जा रही है। 55 साल की उम्र का हवाला देते हुए संविदाकर्मियों को हटाया जा रहा है। बिजलीकर्मियों को दो से 400 किमी दूर तबादले किए जा रहे हैं। फेसियल अटेंडेंस के नाम पर जून और जुलाई माह का वेतन और मानदेय अभी तक नहीं दिया गया है। उत्पीड़न के नाम पर विजिलेंस की जांच कराकर शीर्ष पदाधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है।

# पार्टी के लोगों से सतर्क रहने की मायावती ने अपील की

महानगर संवाददाता
लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और कांग्रेस नीत इंडिया अलायंस के साथ नहीं हैं। बसपा चीफ ने 5 अगस्त, मंगलवार को सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में स्पष्ट किया है कि बसपा किसी भी अलायंस के साथ नहीं है।

बसपा चीफ का यह बयान एक मीडिया रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें दावा किया गया है कि मायावती, बीजेपी के साथ आ गईं हैं। सोशल मीडिया साइट एक्स पर मायावती ने लिखा- जैसाकि सर्वविदित है कि बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) ना तो बीजेपी के एनडीए गठबंधन के साथ है और ना ही कांग्रेस के इण्डिया समूह (गठबंधन) के साथ है, तथा, ना ही अन्य किसी और भी फ्रन्ट के साथ है, बल्कि इन दोनों व अन्य और किसी भी जातिवादी गठबंधनों से अलग अपनी 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' के अम्बेडकरवादी सिद्धान्त व नीति पर चलने वाली पार्टी है। पूर्व सीएम ने लिखा कि लेकिन इसके बावजूद भी ख़ासकर दलित, आदिवासी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विरोधी तथा इन वर्गों के प्रति जातिवादी मानसिकता रखने वाले कुछ मीडिया बी.एस.पी. की इमेज को धूमिल करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते हैं।

## संभल को 540 करोड़ की सौगात देंगे सीएम योगी

**संभल।** प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ सात अगस्त को संभल आएंगे। इसे लेकर लखऊ से उनके कार्यक्रम का मिनट टू मिनट कार्यक्रम भी जारी हो गया है। सीएम संभल में 540 करोड़ की 220 योजनाओं की सौगात देंगे। डीएम ने भी इस कार्यक्रम की जानकारी दी है। वहीं, सीएम योगी के आगमन पर जहां 113 योजनाओं का लोकार्पण होगा तो वहीं 107 योजनाओं का शिलान्यास होगा। इस मौके पर सीएम के जिला मुख्यालय कार्यालय का शिलान्यास करेंगे। साथ ही बगजोई स्थित नवीन पुलिस लाइन बहजोई का भ्रमण भी करेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ संभल में एक जनसभा भी करेंगे।

## बाढ़ से मणिकर्णिका घाट पर लकड़ी व नाव भाड़े में बढ़ोतरी

महानगर संवाददाता
वाराणसी

जिले में बाढ़ के कारण लोगों को शवदाह के लिए भी दिक्कतें झेलनी पड़ रही है। मर्णिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर पानी बढ़ जाने से क्रमशः छतों और गलियों में शवदाह किए जा रहे हैं। वहीं, शिकायत है कि लोगों से मनमना पैसा भी वसूला जा रहा है। गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण शवदाह करने वालों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जिले के छह श्मशान घाट पानी में समा गए हैं और दो पर ही शवदाह हो रहा है। मणिकर्णिका घाट पर शवदाह के लिए घुटने भर पानी में खड़े होकर पांच घंटे तो वहीं हरिश्चंद्र घाट पर गलियों में शवदाह की जगह कम होने के कारण ढाई से तीन घंटे इंतजार करना पड़ रहा है। अंतिम संस्कार के लिए अब दो से तीन गुना ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। शहर में मणिकर्णिका, हरिश्चंद्र, राजघाट, डोमरी, सरायमोहाना, गढ़वाघाट, सिपहिया घाट और रमना पर शवदाह किया जाता है। गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण राजघाट, डोमरी, सरायमोहाना, गढ़वाघाट, सिपहिया घाट और रमना का शवदाह स्थल डूब गया है।

# उमर अंसारी की गिरफ्तारी को लेकर अखिलेश ने भाजपा को घेरा

महानगर संवाददाता
लखनऊ

माफिया मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे और सपा सांसद अफजाल अंसारी के भतीजे उमर अंसारी की गिरफ्तारी को लेकर यूपी की सियासत गर्मा गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उमर को गिरफ्तार किए जाने पर बीजेपी पर निशाना साधा है।

फर्जी दस्तावेज मामले में उमर अंसारी की गिरफ्तारी को अखिलेश यादव ने गलत बताया और कहा कि झूठा मुकदमा लगाया है। सपा अध्यक्ष ने कहा उमर अंसारी को जेल इसलिए भेजा गया क्योंकि भारती जनता पार्टी के पास दिखाने कि लिए कुछ नहीं है। कोई

काम बताने के लिए नहीं है। किसी पर झूठा मुकदमा लगाते हैं और बहस को बदलना चाहते हैं।

उमर पर आरोप है कि उसने उत्तर प्रदेश गैंगस्टर अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्त की गई अपने परिवार की संपत्तियों को छुड़ाने के लिए अदालत में एक याचिका दायर की और अपना दावा सही साबित करने के लिये जाली दस्तावेज अदालत में पेश किए। उन दस्तावेजों पर कथित तौर पर उमर की मां अफशां अंसारी के जाली हस्ताक्षर हैं। उमर के अधिवक्ता चंद्रप्रकाश राय ने पुलिस पर गैरकानूनी कार्रवाई और न्याय के साथ धोखा करने का गंभीर आरोप लगाया है। राय ने कहा कि यह मामला कोर्ट का था, जिसमें कोर्ट ने एक रिपोर्ट मांगी थी। लेकिन पुलिस ने मनमाने तरीके से मुकदमा दर्ज कर दिया और इसे हीनियस क्राइम बताया। हमारी दलील थी कि यह गाज़ीपुर का मामला है और मोहम्मदाबाद से इसका कोई संबंध नहीं है। कोर्ट ने रिपोर्ट मांगी थी, इसलिए यह अपराध नहीं बनता, लेकिन बावजूद इसके हमें बेल नहीं मिली।

## डोगरा रेजीमेंट सेंटर में भर्ती शुरू

**अमेठी।** डोगरा रेजीमेंट सेंटर में मंगलवार से अग्निवीर भर्ती रैली शुरू हुई जो 18 अगस्त तक चलेगी। सोमवार को अमेठी और कौशांबी के अभ्यर्थियों ने अपनी किस्मत आजमाई। कुछ अभ्यर्थी पहले ही दौड़ में असफल साबित हुए। हालांकि उन्होंने कहा कि अभी हार नहीं मानी है। भारत मां की सेवा के लिए वह फिर तैयारी करेंगे। ये भर्ती डोगरा रेजिमेंटल ग्राउंड में चल रही है। इस भर्ती रैली में अग्निवीर जनरल ड्यूटी (AVGD), तकनीकी, क्लर्क/SKT, सिपाही फार्मा और सिपाही एनए/एनए (पशु चिकित्सक) सहित विभिन्न श्रेणियों के उम्मीदवार भाग लेंगे। सभी प्रतिभागी पहले ही ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (CEE) उत्तीर्ण कर चुके हैं और अब शारीरिक परीक्षण में अपनी क्षमताओं

को प्रदर्शित करने के लिए तैयार हैं। अयोध्या, सुल्तानपुर, बस्ती, अम्बेकरनगर, अमेठी, कौशाम्बी, रायबरेली, प्रतापगढ़, अयोध्या, सिद्धार्थनगर, प्रयागराज, सुल्तानपुर, बस्ती, अम्बेडकरनगर, महाराजगंज, संतकबीरनगर, कुशीनगर, 16 अगस्त को सिपाही एनए एवं फार्मा उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के सभी जनपद हाल में किए गए नीति परिवर्तनों जैसे कि दौड़ का समय बढ़ाया जाना एवं दो अतिरिक्त घेरे बनाए जाना बड़ी संख्या में उम्मीदवारों को मेरिट में आने का अवसर प्रदान करेंगे।

# दुकान से 60 लाख का सोना लेकर कारीगर फरार, तलाश में जुटी पुलिस

महानगर संवाददाता
लखनऊ

राजधानी लखनऊ में सराफ धर्मेंद्र की दुकान से वजीरगंज चौधरी गढ़इया निवासी कारीगर अनिल चौधरी 700 ग्राम सोना लेकर भाग निकला। सराफ ने आरोपी के खिलाफ चौक थाने में तहरीर दी है। पुलिस उसकी तलाश में लगी है। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी सराफ के कारखाने से जाते दिखा है।

सराफ धर्मेंद्र के अनुसार, वह बान वाली गली में रहते हैं। वहीं उनका जेवर का कारखाना है। तीन साल

से अनिल चौधरी उनकी दुकान में काम करता था। सोमवार की सुबह करीब 11 बजे अनिल रोज की तरह कारखाना पहुंचा। उन्होंने उसे 700 ग्राम सोना जेवर बनाने के लिए दिया। दोपहर 2 बजे कारखाने के सभी लोग खाना खाने चले गए। कुछ देर बाद जब सब लोग लौटे तो अनिल कारखाने पर नहीं था। सराफ ने सीसीटीवी फुटेज देखा तो वह 700 ग्राम सोना एक डिब्बे में रखकर कारखाने से बाहर जाते दिखा। सराफ व कारखाने के अन्य कर्मचारी अनिल के घर पहुंचे तो वहां ताला लगा मिला। इसके बाद सराफ ने चौक थाने में तहरीर दी है। इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच की जा रही है। भागे हुए अनिल के बारे में पता लगाया जा रहा है। सराफ का दावा है कि अनिल के पास मौजूद सोने की कीमत करीब 60 लाख रुपये है।

## बाढ़ पीड़ितों को भर पेट खाना नहीं

**बांदा।** बुंदेलखंड के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में राहत कार्यों को लेकर अधिकारी कुछ भी दावा करें लेकिन बाढ़ पीड़ितों को भर पेट खाना नहीं मिल पा रहा है। दूध और फल के तो आज तक दर्शन ही नहीं हुए। बांदा में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लेखपाल चुनिंदा लोगों को ही राशन बांटते हैं और फोटो खींच कर चले जाते हैं। लेखपालों का दो टूक कहना है कि पूड़ी चाहिए तो लाइन लगाकर तहसील तक आइए। वहां आपका राहत सामग्री देते हुए फोटो खीचेंगे और उसे ऑनलाइन अपलोड करेंगे। हालात ये हैं कि लंच पैकेट के लिए लोग 10 से 15 किलोमीटर का सफर कर मुख्यालय जा रहे हैं। इंसानों के साथ-साथ मवेशियों का भी भूख से बुरा हाल है। हमीरपुर में तो ग्रामीणों ने पशुपालन विभाग का भूसा लूट लिया। बांदा की पैलानी तहसील के बाढ़ प्रभावित नारदादेव गांव की राम प्यारी का कहना है कि कुछ लोगों ने आटा-चावल दिया है, वही खा रहे हैं। प्रशासन की ओर से तो अभी तक कुछ भी नहीं मिला।

# रिटायर्ड फौजी की बेरहमी से हत्या

महानगर संवाददाता
बस्ती

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के महुडर इलाके में दिनदहाड़े एक रिटायर्ड फौजी की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। इस वारदात ने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया है और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतक का नाम रमापति पाण्डेय बताया जा रहा है, जिनकी उम्र करीब 65 साल थी। वह आर्मी से रिटायर होने के बाद अपने नाती के साथ महुडर हुंडई एजेंसी के पास एक किराये के मकान में रहते थे। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने घर में घुसकर रमापति पाण्डेय को चाकुओं से गोदकर मौत के घाट उतारा। यह हमला इतना निर्मम था कि उनके शरीर पर गहरे घाव मिले हैं। घटना की खबर फैलते ही इलाके

में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुरानी बस्ती पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

पुलिस अधीक्षक ने खुद घटनास्थल का मुआयना किया और फोरेंसिक टीम को भी बुलाकर मौके से अहम सबूत इकट्ठा कराए गए. हालांकि, अभी तक पुलिस की ओर से इस मर्डर मिस्ट्री की कहानी की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। पुलिस ने फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। घटना से इलाके के लोगों में दहशत है। एक रिटायर्ड फौजी, जिसने देश की सेवा में अपनी पूरी जिंदगी लगा दी, उसकी अपने ही घर में इस तरह से हत्या हो जाना, वाकई दुखद है। इस घटना ने पुलिस की कार्य शैली पर सवाल खड़ा कर रहा है, शहर में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद कमजोर है।

## बीएचयू में पर्वतारोहण कोर्स में आवेदन शुरू

**वाराणसी।** बीएचयू में प्राथमिक पर्वतारोहण कोर्स में ऑफलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। 140 सीटों पर प्रवेश होगा। इसमें 70 सीट छात्रों और 70 सीट छात्राओं के लिए होगी। आवेदन की अंतिम तिथि 30 अगस्त है। दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा सात सितंबर को सुबह 5.30 बजे से होगी। वहीं, 29 सितंबर से कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। कक्षाओं का संचालन शाम 6:15 बजे से होगा। इस कोर्स में प्रवेश के लिए 16 से 45 वर्ष के छात्र-छात्राएं पात्र होंगे। बीएचयू के अलावा अन्य विश्वविद्यालय के छात्र भी इस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। तीन महीने के इस कोर्स की फीस 2500-4000 रुपये तक होगी। विश्वविद्यालय पर्वतारोहण केंद्र में 100 रुपये का भुगतान कर फॉर्म खरीदा जा सकता है।

## इंस्टाग्राम पर प्यार, हाईवे पर तकरार के बाद बवाल

**मेरठ।** सरधना निवासी इरशाद पठान ने राहुल नाम से इंस्टाग्राम आईडी बनाकर दिल्ली में रह रही युवती को प्रेमजाल में फंसाया। युवती से शादी की और उसका धर्मांतरण कराकर नाम फरहीन रख दिया। इसके बाद युवती को पैसों के लिए परेशान करने लगा। मसूरी से दिल्ली जाते समय इरशाद ने पैसे मांगे। पैसे न देने पर सकौती में हाईवे पर ही युवती से मारपीट शुरू कर दी। रास्ते से गुजर रहे लोगों की नजर पड़ी तो विहिप के सदस्य पहुंच गए। युवक के कब्जे से युवती को बचाया लेकिन आरोपी फरार हो गया। विहिप की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवती को अपने कब्जे में ले लिया है। आरोपी पर कार्रवाई के लिए हिंदू संगठन सदस्य थाने पर घंटों डटे रहे। हस्तिनापुर क्षेत्र निवासी युवती दिल्ली के लक्ष्मीनगर में बहन के पास रहती है और ब्यूटी पार्लर चलाती है। करीब दो साल पहले सरधना निवासी इरशाद पठान ने राहुल नाम से इंस्टाग्राम आईडी बनाकर उसे प्रेम जाल में फंसा लिया। एक साल पहले उससे शादी कर ली तथा युवती का नाम बदलकर फरहीन कर दिया।

# रक्षाबंधन से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, लाखों का सामान जब्त

महानगर संवाददाता
गौतमबुद्धनगर

जिले में रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए जनपद वासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग सख्ती से मोर्चे पर है। सोमवार को विभिन्न टीमों ने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में छापेमारी कर मिठाई दुकानों, तेल विक्रेताओं और फूड प्रोसेसिंग यूनिटों से कुल 14 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए। कई स्थानों से संदिग्ध सामग्री को सीज व नष्ट भी किया गया।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि इटहेरा, दादरी स्थित सुंदर ट्रेडिंग से रिफाइंड राइस ब्रान ऑयल का एक नमूना जांच के लिए लिया गया, जबकि 150 किलोग्राम तेल मिलावटी प्रतीत होने के कारण सीज कर दिया गया। बिसरख स्थित बीकानेरी स्वीट्स से लड्डू का नमूना भी परीक्षण के लिया गया। वहीं एक और अन्य टीम ने कुलेसरा स्थित मुस्कान ट्रेडर्स से मुनक्का और रिफाइंड सोयाबीन ऑयल के नमूने लिए. 15 किलोग्राम मुनक्का और 178 किलोग्राम तेल, जिन पर बैच नंबर और एक्सपायरी डेट नहीं थी, इस लिये सीज कर दिए गए। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित नमस्कार स्वीट्स से दूध, छेना व खोया के नमूने लिए गए। जांच में 35 किलोग्राम खोया प्रदूषित पाया गया, जिसे मौके पर नष्ट करा दिया गया।

## आजम के मामले में ट्रायल कोर्ट के अंतिम फैसले पर रोक बढ़ी

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा नेता आजम खां पर 2016 में बलपूर्वक बेदखली मामले में ट्रायल कोर्ट में चल रहे मुकदमे के अंतिम फैसले पर लगी रोक 28 अगस्त तक बढ़ा दी है। साथ ही संशोधन अर्जी स्वीकार करते हुए याचिका से मुकदमा रद्द करने की प्रार्थना को हटा दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने दिया है।

ट्रायल कोर्ट में याचियों ने मांग की थी कि मुख्य गवाहों, विशेष रूप से सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन जफर अहमद फारूकी की दोबारा गवाही कराई जाए। साथ ही

महत्वपूर्ण वीडियो फुटेज को रिकॉर्ड में लाया जाए जो उनकी घटनास्थल पर अनुपस्थिति साबित कर सकता है। ट्रायल कोर्ट ने इस मांग को 30 मई 2025 के आदेश से खारिज कर दी थी। इसे आजम खां ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। आजम खां की याचिका को सह-आरोपियों की लंबित याचिका के साथ जोड़ दिया गया है। इस मामले में अब 28 अगस्त को सुनवाई होगी।

# सरयू खतरे के निशान से 14 सेंटीमीटर पीछे, अधिकारी चौकन्ने

**अयोध्या।** प्रदेश की अन्य नदियों की तरह सरयू का जलस्तर भी बढ़ते क्रम है। चेतावनी बिंदु को पार करते हुए नदी 86 सेंटीमीटर अधिक बह रही है। यानी डेंजर लेबिल लाल निशान से केवल 14 सेंटीमीटर जलस्तर दूर है। प्रति दो घंटे में एक सेंटीमीटर की रफ्तार से जलस्तर बढ़ रहा है। जलस्तर बढ़ने की गति इसी तरह बनी रही तो मंगलवार की सुबह तक यह लाल निशान को पार कर सकता है। मयाबाजार संवाददाता के मुताबिक नदी के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए उपजिलाधिकारी सदर ने सोमवार को कटान क्षेत्रों का निरिक्षण किया। इस दौरान ग्रामीणों की शिकायत पर कटान से बचाव के लिये जिम्मेदार

कार्यदायी संस्था बाढ़ कार्य खंड अयोध्या के अधिकारीयों को फोन पर बात कर सतर्क करते हुए हिदायत भी दिया और कहा कि यदि आबादी क्षेत्र में कटान हुई तो जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी नपेंगे। रामपुरपुवारी, मदरहिया, मांझा, मड़ना आदि प्रभावित क्षेत्रों में राजस्व टीम के साथ कटान का अवलोकन किया। मदरहिया में हो रही कटान पर ग्रामीण सोहनलाल ने बताया कि बाढ़ खंड के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही से कटान बढ़ गयी है। राम दुलारे, लल्लू निषाद सहित कई ग्रामीणों का कहना हैं कि जियो बैग स्टड निर्माण कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा हैं। जिससे गावं में स्थित प्राथमिक विद्यालय मांझा जरही का बाउंड्री वाल व शौचालय में दरार आ गयी हैं जो कभी भी नदी में समा जायेगा। जबकि अवर अभियंता बाढ़ कार्य खंड अनुभा श्रीवास्तव ने बताया कि परियोजना के मुताबिक कटान से सुरक्षा हेतु 21 जियो बैग (ठोकर ) स्टड निर्माण होना था जिसमें 17 हो चुका हैं।

राज्यसभा के वेल में CISF की तैनाती?

# सरकार बोली- सदन में मिलिट्री और पुलिस की एंट्री नहीं

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

CISF कर्मियों को वेल में तैनाती को लेकर राज्यसभा में मंगलवार को जमकर हंगामा हआ। इस संबंध में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की एक अगस्त को लिखी गई चिट्ठी का जिक्र कर उपसभापति ने हरिवंश ने कहा कि सदन में बीते दिनों कई बार बाधा पैदा की गई और कई लोगों को अपनी बात कहने से रोका गया। ऐसे में वेल एरिया में बैठे लोगों की सुरक्षा के लिए संसदीय सुरक्षाकर्मियों को उस क्षेत्र को कॉर्डन ऑफ करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि संसद में सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी नई बात नहीं है। ये विशेष तौर पर प्रशिक्षित होते हैं और बल का इस्तेमाल नहीं करते। हालांकि इस दौरान सदन में विपक्ष की ओर से जमकर हंगामा हुआ और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि चिट्ठी में विपक्षी सांसदों ने इसी बात को लेकर सवाल उठाया था कि संसद में सांसद अपने विरोध के अधिकार का इस्तेमाल करते हैं और उन्हें ऐसा करने से रोकने के लिए CISF कर्मियों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

### उपसभापति ने इतिहास के दिए रेफरेंस

संसद की सुरक्षा सर्विस की नींव सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली के पहले चुने गए अध्यक्ष विट्ठल भाई पटेल 1930 में डाली थी। तब से ये सुरक्षाकर्मी अपना काम कर रहे हैं। वेल में जाकर नारे लगाने और दूसरे सदस्यों को ना बोलने देने पर 1978 में तब के सभापति ने इसे कंटेप्ट ऑफ हाउस कहा था। 1988 में तब के सभापति ने इस तरह के व्यवहार को घृणात्मक करार दिया था। 3 मार्च 2008 को सांसदों ने वेल में घुसकर नारे लगाए थे और तब के चेयरमैन ने इसे नियमों का उल्लंघन बताया था।

### खरगे का सवाल- कौन चला रहा है सदन

खरगे ने हरिवंश से पूछा कि ये सदन आप चला रहे हैं कि अमित शाह चला रहे हैं, जिसके बाद जेपी नड्डा भी इस बहस में कूद पड़े। उन्होंने कहा कि अगर कोई मेरे बगल में खड़े होकर नारे लगाए तो ये अलोकतांत्रिक ही नहीं, नियमों के खिलाफ भी है। विपक्ष के हंगामे पर नड्डा ने कहा कि वो 40 साल से ज्यादा विपक्ष में रहे हैं और जानते हैं कि विपक्ष को क्या करना चाहिए। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि वो अभी नए ही हैं और 10 साल ही हुऐ हैं। अभी उन्हें 30-40 साल रहना है। ऐसे में वो ट्यूशन देने को तैयार हैं। इसके अलावा CISF कर्मियों की तैनाती से जुड़े विवाद पर उन्होंने कहा कि जो भी सुरक्षा के लिए सदन में हैं वो मार्शल हैं और उन्हें मार्शल ही माना जाता है। इसके बाद डीएमके सांसद तिरूचि शिवा ने कहा कि खुद सदन के नेता नड्डा ने माना है कि जो भी संसद में सुरक्षा के लिए है उन्हें मार्शल ही माना जाता है। तिरूचि ने कहा कि ये साफ है कि वो किसी और फोर्स से हैं। जब हम अपनी बात कहने की कोशिश करते हैं तो कहा जाता है कि हम सदन को बाधित कर रहे हैं।

### उपसभापति बोले- गलत बयानबाजी न करे विपक्ष

खरगे ने कहा कि क्या विपक्षी सांसद आतंकवादी हैं जो पुलिस और मिलिट्री को सदन में लाया जा रहा है। संसदीय सुरक्षा सर्विस के लोग सुरक्षा देने में सशक्त हैं तो सीआईएसएफ को सदन में लाने की क्या जरूरत है। हरिवशं ने उनसे कहा कि वो गलतबयानी ना करें, इस सदन में केवल ससंदीय सुरक्षा सर्विस के लोग ही एंट्री कर सकते हैं।

# सबसे लंबे कार्यकाल वाले होम मिनिस्टर बने शाह, अभी तो बस शुरुआत है : PM

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एनडीए सांसदों की मीटिंग को संबोधित किया। एनडीए के संसदीय दल की करीब एक साल बाद हुई बैठक को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने होम मिनिस्टर अमित शाह की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह अब सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले केंद्रीय गृह मंत्री हैं। इसके बाद उन्होंने कहा कि अभी तो बस शुरुआत है। लंबा रास्ता अभी तय करना है। उनकी इस टिप्पणी को लेकर सांसदों के बीच चर्चा तेज हो गई कि आखिर पीएम नरेंद्र मोदी की इस बात के क्या मायने हैं। हालांकि किरेन रिजिजू ने बताया कि अभी तो बस शुरुआत है। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए के दलों का गठबंधन प्राकृतिक है। उन्होंने कहा कि 1998 में यह गठबंधन बना था। तब से अब तक हमने बहुत सफलताएं हासिल की हैं।

उन्होंने कहा कि आगे भी हमें बड़ी सफलताएं हासिल करनी हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी दलों को सभी इलाकों में साथ काम करना चाहिए। भले ही किसी दल के पास कहीं ताकत हो और कहीं वह कमजोर हो, लेकिन सभी को साथ काम करना चाहिए। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी को एनडीए के नेताओं की ओर से सम्मानित भी किया गया। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया। इसके अलावा आतंकियों के खात्मे के लिए हाल ही में चलाए गए ऑपरेशन महादेव पर भी बात हुई।

दरअसल होम मिनिस्टर अमित शाह देश के सबसे लंबे कार्यकाल वाले गृह मंत्री बन गए हैं। उन्होंने भाजपा के ही दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को पीछे छोड़ यह कीर्तिमान हासिल किया है। पीएम नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल के बाद से ही अमित शाह गृह मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वह लगातार इस पद पर इतने समय तक बने रहने वाले पहले होम मिनिस्टर हैं। एनडीए की यह बैठक पूरे एक साल बाद हुई है। इससे पहले 2 जुलाई 2024 को मीटिंग हुई थी। इस अहम बैठक में अमित शाह की सराहना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उनके कार्यकाल में कई अहम चीजें पूरी हुई हैं। अमित शाह के गृह मंत्री रहते हुए ही 2019 में आर्टिकल 370 जम्मू-कश्मीर से हटाया गया था। इसके अलावा नक्सल विरोधी अभियान के लिए भी चर्चित हुए हैं। अमित शाह लगातार ऐलान करते रहे हैं कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म कर दिया जाएगा। इस मीटिंग में पीएम मोदी ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा कराना विपक्ष की भूल थी।

# 1971 में कैसे कटी अमेरिका की नाक

- पाकिस्तान के चक्कर में भद पिट गई
- भारतीय सेना ने अखबार के एक पोस्ट से दिखाया आईना

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

अखबार की एक पुरानी खबर पोस्ट कर भारतीय सेना ने अमेरिका को उसकी ऐतिहासिक करतूत याद दिला दी है। यह पोस्ट 5 अगस्त,1971 की है। इसमें यह रिपोर्ट है कि अमेरिका ने किस तरह से भारत के साथ युद्ध से पहले पाकिस्तान को दशकों तक मदद की थी। भारतीय सेना ने अमेरिका को यह आईना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी के बाद दी है, जिसमें उन्होंने रूस से तेल खरीदने पर भारत से आयात पर टैरिफ और बढ़ाने की धमकी दी है। अखबार की यह खबर वाली क्लिप भारतीय सेना के पूर्वी कमान ने शेयर की है। इसमें बताया गया है कि 1971 के युद्ध के लिए अमेरिका, पाकिस्तान को कैसे दशकों से हथियार की सप्लाई कर रहा था।

पूर्वी कमान ने एक्स पोस्ट के अपने कैप्शन में लिखा है, 'आज के दिन, उस वर्ष युद्ध की तैयारी - 5 अगस्त, 1971'। अखबार की इस क्लिप के अनुसार तत्कालीन रक्षा मंत्री वीसी शुक्ला राज्यसभा को बता रहे हैं कि बांग्लादेश में पाक के सशस्त्र हमले की पृष्ठभूमि में हथियारों की सप्लाई के लिए कैसे नाटो और सोवियत संघ से संपर्क किया गया था।

### अमेरिकी,चीनी हथियारों से भी नहीं लड़ सका पाकिस्तान

इसमें यह भी कहा गया है कि अमेरिका और चीन दोनों ने पाकिस्तान को कौड़ियों के भाव हथियार बेचे थे। मतलब, पाकिस्तान ने भारत से 1971 की लड़ाई दोनों देशों से मिले हथियारों के भरोसे लड़ी। टैरिफ के मामले में भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान पर भरपूर मेहरबानी दिखाई है। ट्रंप ने पाकिस्तानी आयात पर लगने वाले 29% टैरिफ को घटाकर 19% कर दिया है।

# प्रियंका गांधी बोलीं- जज तय नहीं करेंगे कौन सच्चा भारतीय

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर बड़ी टिप्पणी की थी। सेना के खिलाफ राहुल की कथित टिप्पणी के मामले में कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाते हुए कहा था कि आपको कैसे पता चला कि चीन ने 2000 वर्ग किलोमीटर तक भारत की जमीन हड़प ली है? अगर आप सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते। अब कोर्ट के इसी बयान पर प्रियंका गांधी ने प्रतिक्रिया दी है। प्रियंका गांधी ने कोर्ट की इस टिप्पणी से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए कहा कि माननीय न्यायाधीशों के प्रति पूरा सम्मान रखते हुए मैं ये कहना चाहती हूं कि वो ये तय नहीं कर सकते कि सच्चा भारतीय कौन है। कौन सच्चा भारतीय है और कौन नहीं है वो न्यायपालिका तय नहीं करेगी। ये उनके दायरे में नहीं आता। ये सब जज तय नहीं करेंगे। राहुल गांधी के दिल में सेना के लिए आदर और सम्मान है। मेरा भाई कभी भी सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, वह उनके प्रति उच्च सम्मान रखता है। इसका गलत मतलब निकाला गया है। बता दें कि राहुल गांधी के सेना पर दिए गए कथित बयान के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई थी। इस मामले में निचली अदालत ने समन जारी किया था। राहुल गांधी ने सेना के खिलाफ कथित टिप्पणी के मामले में अपने खिलाफ मानहानि को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस दौरान सोमवार को सुनवाई के दौरान राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए कोर्ट ने कहा कि आपको कैसे पता चला कि चीन ने 2000 वर्ग किलोमीटर तक भारत की जमीन हड़प ली है? अगर आप सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते। राहुल गांधी ने 2023 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दावा किया था कि एक पूर्व सेना अधिकारी ने उन्हें बताया कि चीन ने 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है।

# शुभेन्दु अधिकारी के काफिले पर हमला

## बीजेपी MLA बोले- TMC ने पुलिस की मौजूदगी में किया अटैक

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

कूचबिहार में कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमला किया। यह घटना दोपहर में खगराबाड़ी में हुई। शुभेन्दु कलकत्ता हाई कोर्ट से आदेश प्राप्त करने के बाद, जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाए जाने की कथित घटनाओं पर पुलिस अधीक्षक से मिलने जा रहे थे। उनका वहां एक पार्टी बैठक भी करने का कार्यक्रम था। जब शुभेन्दु का काफिला खगराबाड़ी इलाके से गुज़र रहा था, तब काफिले पर पथराव किया गया और कारों पर बांस के डंडों से हमला किया गया। वह और निसिथ प्रमाणिक जिस गाड़ी में सवार थे, उसके अलावा पुलिस की गाड़ियों को भी नुकसान पहुँचाया गया। बीजेपी एमएलए ने बाद में कहा, "उदयन गुहा के नेतृत्व में टीएमसी ने पुलिस की मौजूदगी में यह सब किया है। उन्होंने बुलेटप्रूफ कार के शीशे भी पत्थरों से तोड़ दिए।" पूर्व लोकसभा सांसद निसिथ परमानिक ने कहा, "यह हम पर एक सुनियोजित हमला है। हमने अपने सुरक्षा गार्डों को शांत रहने को कहा था। टीएमसी अब हताश है।" वहीं, पूर्व बीजेपी अध्यक्ष और लोकसभा सांसद सुकांत मजूमदार ने कहा, "यह अस्वीकार्य है। हमारे विपक्ष के नेता पर टीएमसी के गुंडों ने हमला किया। टीएमसी के शीर्ष नेताओं की सहमति के बिना ऐसा नहीं हो सकता था। हमारे प्रदेश अध्यक्ष ने हमें पूरे बंगाल में विरोध प्रदर्शन करने के लिए कहा है, हम ऐसा करेंगे।" टीएमसी कूचबिहार ज़िला पार्टी अध्यक्ष पार्थ प्रतिम रॉय ने कहा, "आज बंगाल के लोगों और टीएमसी कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाए और भाजपा के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया।

# पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची में नाम जोड़ने में गड़बड़ी पर ऐक्शन

कई अधिकारी निलंबित, मुकदमा दर्ज

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची में नाम शामिल करने की जिम्मेदारी सही से नहीं निभाने पर कई अधिकारी निलंबित कर दिए गए हैं। साथ ही उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का भी आदेश जारी हुआ है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को 29 जुलाई को एक रिपोर्ट सौंपी गई। इसमें खुलासा हुआ कि दक्षिण 24 परगना के बरुईपुर पूर्व और पूर्व मेदिनीपुर के मोयना में वोटर लिस्ट में गलत तरीके से नाम जोड़े गए। निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों ने न केवल अपना काम सही से नहीं किया, बल्कि डेटा सिक्योरिटी पॉलिसी का उल्लंघन करते हुए लॉगिन आईडी भी शेयर की थी।

# भारत के इस हिस्से पर आसिम मुनीर की नजर

## पाकिस्तानी सेना ने बता दिया नापाक प्लान

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत को गीदड़ भभकी दी है। हाल ही में द इकोनॉमिस्ट को दिए एक इंटरव्यू के दौरान ISPR यानी इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन के प्रवक्ता जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि अगर कोई और सैन्य कार्रवाई पाकिस्तान के खिलाफ शुरू की गई, तो भारत में 'अंदर घुसकर' हमला किया जाएगा। भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इकोनॉमिस्ट से बातचीत में जनरल चौधरी ने कहा कि मुनीर 'भारत को बातचीत की टेबल' पर लाना चाहते हैं। चौधरी से भारत की तरफ से दी गई चेतावनी को लेकर भी सवाल किया गया, जिसमें भारत की तरफ से कहा गया था कि किसी भी तरह की आतंकवादी घटना होने पर भारत की तरफ से तत्काल सैन्य कार्रवाई की जाएगी।

इस पर चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान अब भारत पर 'पूर्व से हमला करेगा।' उन्होंने कहा, 'हम पूर्व से शुरुआत करेंगे। उन लोगों को भी समझना होगा कि उन पर भी हर जगह से हमला हो सकता है।' हालांकि, इस दौरान उन्होंने स्पष्ट जानकारी नहीं दी। रिपोर्ट के अनुसार सेना के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि 16 अप्रैल को मुनीर की तरफ से दिए गए भाषण में साफ नजर आता है कि वह भारत को लेकर क्या विचार रखते हैं।

# आरोपियों को कई बार माहौल बनाने के लिए रखा जाता है जेल में

किस मामले में बोला SC

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि आजकल कई मामलों में आरोपियों को सिर्फ 'दिखावे' के लिए जेल में रखा जाता है, ताकि लगे कि कानून अपना काम कर रहा है। सुप्रीम अदालत ने इस बात पर भी चिंता जताई कि राज्य सरकारें अब भी पुराने जमाने की जांच और अभियोजन रणनीति अपनाए हुए हैं और गवाहों की सुरक्षा को बिल्कुल प्राथमिकता नहीं देतीं।

यह टिप्पणी जॉयमाल्या बागची और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने कारोबारी सूर्यकांत तिवारी की जमानत रद्द करने की अर्जी पर सुनवाई के दौरान की। तिवारी पर छत्तीसगढ़ कोयला लेवी 'घोटाले' और DMF घोटाले से जुड़े आरोप हैं। अदालत ने कहा , "हम लोग केवल लोगों को जेल भेजते हैं और ये सोचते हैं कि इससे दिखेगा कि आपराधिक कानून चल रहा है। आज भी राज्यों के अभियोजन विभाग गवाहों की सुरक्षा पर पैसे, समय और मेहनत नहीं लगाते। जेलें अब अपराधियों के लिए सबसे सुरक्षित जगह बन गई हैं, वे वहीं से ऑपरेट कर रहे हैं।"

राज्य सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने कहा कि तिवारी ने जेल में रहते हुए सह-आरोपी को धमकी दी है और DMF घोटाले में भी उनका नाम है। जवाब में तिवारी के वकील मुकुल रोहतगी ने अंतरिम जमानत की मांग की। कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रायल में करीब 300 गवाह हो सकते हैं, ऐसे में मुकदमा जल्द निपटने की संभावना नहीं है।

कोर्ट ने सरकारी जांच एजेंसियों की तैयारी और संसाधनों की कमी पर भी सवाल उठाए। जस्टिस बागची ने कहा कि राज्य सरकारों के पास विशेषज्ञ जांचकर्ता और फॉरेंसिक अकाउंटेंट तक नहीं हैं।

# प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में भगदड़, 2 महिलाओं की मौत

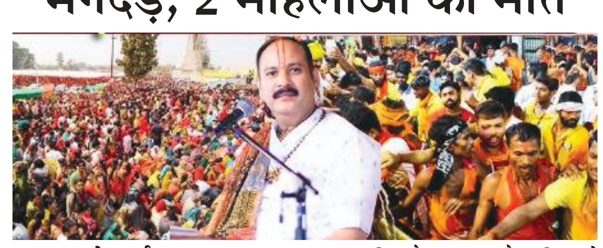

महानगर नेटवर्क
सीहोर

मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में कुबेरेश्वर धाम में भगदड़ जैसी स्थिति के कारण दो महिलाओं की मौत हो गई और 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। सीहोर जिले के कुबेरेश्वर धाम में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। यहां भारी भीड़ के कारण भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। बताया जाता है कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण यह हादसा हुआ, जिसमें दबकर दो महिलाओं की मौत हो गई। दोनों महिलाओं की उम्र लगभग 50 वर्ष बताई जा रही है। प्रशासन और पुलिस मृत महिलाओं की पहचान करने में जुटे हैं। घटनास्थल पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। घटना के बाद से श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने लोगों से स्थिति सामान्य होने तक संयम बरतने की अपील की है।

# ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के लिए बड़ा ऑर्डर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना की खास तैयारी

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया। भारतीय सेना अब भारत-रूस के ज्वाइंट वेंचर ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के लिए बड़ा ऑर्डर दे रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि जल्द ही हाई लेवल मीटिंग में भारतीय नौसेना के युद्धपोतों के लिए बड़ी संख्या में ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दी जा सकती है। साथ ही, भारतीय वायु सेना के लिए भी इन मिसाइलों के जमीनी और हवाई वैरिएंट खरीदे जाएंगे। पाकिस्तान के वायु ठिकानों और सेना के कैंपों पर हमले के लिए इन मिसाइलों का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर किया गया। नौसेना इन मिसाइलों को अपने वीर-कैटेगरी के युद्धपोतों पर तैनात करने वाली है, जबकि वायु सेना इन्हें अपने रूसी मूल के सुखोई-30 MKI लड़ाकू विमानों पर लगाएगी।

### भारत ने आतंकी मुख्यालयों पर किया हमला

भारत ने पाक में आतंकवादी ठिकानों जैसे जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के पंजाब प्रांत में स्थित मुख्यालयों पर हमला किया। भारतीय वायु सेना ने इसके लिए ब्रह्मोस मिसाइल का इस्तेमाल किया। इसने टारगेट को बहुत सटीकता से तबाह कर दिया। ब्रह्मोस ने पाकिस्तानी हवाई ठिकानों को भी नुकसान पहुंचाया, जिसके बाद पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादियों और उनके ठिकानों को बचाने की कोशिश में जवाबी कार्रवाई की थी।

# सिद्धू मूसेवाला की मूर्ति पर फायरिंग

- लॉरेंस गैंग ने ली जिम्मेदारी, सिंगर की मां भड़कीं

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

हरियाणा के डबवाली में स्थापित पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की प्रतिमा पर लॉरेंस गैंग की ओर से फायरिंग करने पर उनकी मां चरण कौर ने गहरा दुख और गुस्सा जताया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि यह हमला हमारे बेटे की याद पर हमला, हमारी आत्मा पर जख्म है। जिस मूरत पर गोली चलाई गई, वो सिर्फ पत्थर नहीं थी, बल्कि सिद्धू से लोगों के प्यार और सम्मान की निशानी थी। ये लोग न सिर्फ सिद्धू की मौत का अपमान कर रहे हैं, बल्कि अब उसकी यादों को भी मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। चरण कौर ने कहा कि मेरा बेटा लोगों के हक की आवाज था। अब जब वह हमारे बीच नहीं है, तब भी उसे चुप करवाने की कोशिश हो रही है। लेकिन उसे मिटाया नहीं जा सकता। वो एक लहर था, जो हमेशा जिंदा रहेगी। हमारी चुप्पी हमारी हार नहीं है।

हर किसी को उसके किए की सजा एक दिन जरूर मिलेगी। ये हमला हमारी आत्मा पर चोट जैसा है। पिछले साल डबवाली के सावंतखेड़ा गांव में जन-नायक जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने मूसेवाला की प्रतिमा स्थापित की थी।

# जितने महीने शादी चली, आप मांग रहीं उतने ही करोड़

- एलिमनी की डिमांड पर SC ने सुनाया

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

एक महिला की ओर से दायर एलिमनी के केस में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला दिया है। चीफ जस्टिस बीआर गवई की अगुवाई वाली अदालत ने इस मामले में शख्स को आदेश दिया कि वह अपनी पूर्व पत्नी को एलिमनी के तौर पर मुंबई की हाईप्रोफाइल सोसायटी में स्थित फ्लैट दे दें। इसके साथ ही एलिमनी का केस अब बंद कर दिया जाए। इसके साथ ही बेंच ने महिला को भी सुनाया, जिसने मांग रखी थी कि उसे 12 करोड़ रुपये की रकम और मुंबई स्थित एक फ्लैट एलिमनी में दिया जाए। इस पर चीफ जस्टिस की बेंच ने कहा कि आप दोनों की शादी ही 18 महीने चली और आप 18 करोड़ रुपये मांग रही हैं। इसका अर्थ हुआ कि आप शादी के प्रति एक महीने के बदले एक करोड़ चाहती हैं।

जस्टिस गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने महिला की दलीलों पर कहा कि आपकी तो शादी ही बहुत कम समय चली। ऐसे में इतनी बड़ी डिमांड करना कैसे तार्किक है। चीफ जस्टिस गवई ने कहा कि जिस फ्लैट की मांग की जा रही है वह मुंबई की कल्पतरू सोसायटी में है, जो शहर का नामी हाउसिंग प्रोजेक्ट है। उन्होंने महिला से पूछा कि आप कितनी पढ़ी लिखी हैं। इस पर महिला ने बताया कि उसने एमबीए तक की पढ़ाई की है और पूर्व में आईटी सेक्टर में काम कर चुकी है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि आप बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे शहरों में नौकरी कर सकती हैं। फिर काम क्यों नहीं करती हैं?

यही नहीं मुख्य न्यायाधीश ने शादी की कम अवधि का हवाला देते हुए कहा कि यह कुल 18 महीने ही चली और आप हर एक महीने के बाद 1 करोड़ की डिमांड कर रही हैं। शख्स की वकील माधवी दीवान ने कहा कि महिला 18 महीने की शादी के अंत के नतीजे में अनिश्चितकाल तक आर्थिक सहयोग नहीं मांग सकती।

# 'अभिषेक बनर्जी के खिलाफ अपमानजनक बयान नहीं देंगे'

**कोलकाता।** कोलकाता की एक अदालत ने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक बयान देने से रोक दिया है। अदालत ने 19 अगस्त तक के लिए यह अंतरिम आदेश जारी किया। डायमंड हार्बर के तृणमूल सांसद के दीवानी मानहानि मुकदमे के संबंध में अलीपुर अदालत के 8वें न्यायाधीश ने यह आदेश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि मामले की अगली सुनवाई 19 अगस्त को की जाएगी। दीवानी न्यायाधीश ने सोमवार को एकपक्षीय आदेश में निर्देश दिया, 'प्रतिवादी को आज से 19 अगस्त तक कोई भी मानहानिकारक बयान देने और/या प्रकाशित करने और/या प्रकाशित करवाने और/या मुद्रित करवाने और/या मौखिक या लिखित रूप से वादी के लिए कोई भी मानहानिकारक शब्द कहने से रोका जाता है।' बनर्जी ने आरोप लगाया था कि अधिकारी ने 26 जुलाई को भाजपा कार्यालय में उनके खिलाफ कुछ अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। तृणमूल सांसद ने भाजपा नेता को उनके खिलाफ कोई भी अपमानजनक बयान देने से रोकने के लिए अंतरिम निषेधाज्ञा जारी करने की अपील की। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी के वकील की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने कहा कि अदालत का मानना है कि प्रथम दृष्टया मुकदमे के लिए उनका मामला बनता है। अदालत ने कहा कि तृणमूल सांसद और भाजपा नेता दोनों ही सार्वजनिक हस्ती हैं और समाज में उनकी प्रतिष्ठा है, लेकिन यह भी एक तथ्य है कि उनके बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता है।

# सावन के आखिरी प्रदोष व्रत पर महादेव की पूजा

हिन्दू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है। हर माह में 2 बार प्रदोष व्रत रखा जाता है, एक शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर और दूसरा कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर। प्रदोष व्रत को भगवान शिव और मां पार्वती को समर्पित माना गया है। इस दिन शाम को भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। कहते हैं कि इस तिथि पर शिवलिंग पर मात्र जल और बेलपत्र चढ़ाने से ही कष्ट दूर हो जाते हैं। इस बार जो प्रदोष व्रत 6 अगस्त को आ रहा है, वह सावन माह का अंतिम प्रदोष व्रत है। इस दिन शिववास योग का संयोग बन रहा है, जो भगवान शिव की कृपा पाने के लिए विशेष महत्व रखता है।

*अगर कोई व्यक्ति सावन सोमवार पर भगवान का पूजन और अभिषेक नहीं कर पाया हो तो सावन के अंतिम प्रदोष व्रत पर भगवान को प्रिय पुष्प अर्पित करना चाहिए। इससे पूरे सावन मास का फल मिलता है और शिव शंकर प्रसन्न होकर सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। सावन में पड़ने वाली त्रयोदशी तिथि बहुत खास होती है, क्योंकि यह महादेव का प्रिय माह है। इस माह में प्रदोष रखने से कर्ज, रोग और तनाव से मुक्ति मिलती है।*

**अगस्त प्रदोष व्रत 2025**
पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 6 अगस्त को दोपहर 2:08 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 7 अगस्त को दोपहर 2:27 मिनट पर होगा। ऐसे में सावन का अंतिम प्रदोष व्रत 6 अगस्त को रखा जाएगा। बुधवार के दिन पड़ने के कारण इसे बुध प्रदोष व्रत कहेंगे।

**प्रदोष व्रत पूजा टाइम**
सावन माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर शिव पूजा का शुभ समय 6 अगस्त को शाम 07:08 मिनट से लेकर रात 9:16 मिनट तक रहेगा। आप इस दौरान महादेव की उपासना कर

**प्रदोष व्रत पर महादेव को कैसे प्रसन्न करें?**
प्रदोष व्रत पर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का विशेष महत्व माना गया है। आप इस दिन कुछ विशेष उपायों को अपनाकर शिव जी की कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

**जलाभिषेक**
प्रदोष व्रत के दिन शिवलिंग पर गंगाजल या कच्चे दूध से अभिषेक जरूर करें। ऐसा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

**बेलपत्र**
प्रदोष व्रत के दिन शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाना भी शुभ माना जाता है। इस दिन शिवलिंग पर मात्र बेलपत्र चढ़ाने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

**शमी पत्र**
प्रदोष व्रत पर शमी के पत्ते भी शिवलिंग पर चढ़ाना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन शमी के पत्ते चढ़ाने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है और कार्यों में सफलता मिलती है।

**केसर**
प्रदोष व्रत के दिन शिवलिंग पर केसर जरूर चढ़ानी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि शिवलिंग पर केसर अर्पित करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

# वास्तुशास्त्र में सीढ़ियों की दिशा और स्थान का महत्व

वास्तुशास्त्र के अनुसार, सीढ़ी का दरवाजा छत पर खुलते समय दक्षिण या पश्चिम दिशा में होना शुभ माना जाता है। चढ़ते समय मुख दक्षिण या पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए और उतरते समय मुख उत्तर या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। सीढ़ी की संख्या विषम होनी चाहिए और सीढ़ी के ऊपर और नीचे दरवाजा होना चाहिए।वास्तुशास्त्र में सीढ़ियों की दिशा और स्थान का बहुत महत्व है। सीढ़ियों का सही दिशा में होना घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है।

**दिशा:-** सीढ़ियों को हमेशा दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण, या पश्चिम दिशा में बनवाना चाहिए। उत्तर-पूर्व दिशा में सीढ़ियां बनवाने से बचना चाहिए।

**चढ़ने और उतरने की दिशा:-** चढ़ते समय मुख दक्षिण या पश्चिम दिशा में होना चाहिए और उतरते समय मुख उत्तर या पूर्व दिशा में होना चाहिए।

**सीढ़ियों की संख्या:-** सीढ़ियों की संख्या विषम होनी चाहिए, जैसे कि 5, 7, 9, 11, आदि।

**सीढ़ियों के ऊपर और नीचे दरवाजे:-** सीढ़ियों के ऊपर और नीचे दरवाजे होने चाहिए, और नीचे का दरवाजा ऊपर के दरवाजे से थोड़ा बड़ा होना चाहिए।

**सीढ़ियों के नीचे का स्थान:-** सीढ़ियों के नीचे का स्थान हमेशा खाली रखना चाहिए, और वहां कोई भी भारी सामान या कूड़ा-कबाड़ नहीं रखना चाहिए।

**अन्य बातें:-** सीढ़ियों को हमेशा दक्षिणावर्त दिशा में घुमावदार बनाना चाहिए

# जांघ और हिप पर जमा फैट घटाने में मददगार एक्सरसाइज

**आजकल डेस्क वर्क और घंटों बैठे रहने की वजह से ज्यादातर महिलाएं जांघ और हिप के आसपास जमा फैट से परेशान रहती हैं। यहां तक कि टीनएज लड़कियो में भी ये समस्या तेजी से बढ़ रही है। जहां उनके इनर थाईज और वेस्टलाइन से होते हुए हिप पर फैट जमा है। जो दिखने में ना केवल भद्दा लगता है बल्कि काफी हार्मफुल है। हैवी थाईज की वजह से कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन रोजाना ये आसान लगने वाली एक्सरसाइज को किया जाए तो कुछ ही महीनों में फर्क दिखने लगेगा।**

## हैवी हिप और थाईज के नुकसान

- टीन एज लड़कियों के हिप और थाईज पर फैट ज्यादा जमा हो रहा है तो इससे पीरियड्स में दिक्कत आ सकती है।
- स्टोर फैट बॉडी में हार्मोनल इश्यू बढ़ा देते हैं। जिसकी वजह से पीरियड्स क्रैम्प बढ़ जाते हैं।
- वहीं अनियमित पीरियड्स की समस्या भी कुछ लड़कियों को होने लगती है।
- हैवी थाईज और हिप की वजह से घुटनों पर प्रेशर बढ़ता है और घुटनों में दर्द होने लगता है। इन सब समस्याओं से छुटकारा पाना है तो थाईज और हिप के फैट को घटाना जरूरी है। इसके लिए रोजाना ये 3 एक्सरसाइज करें।

### लेटरल लेग रेज

सीधे खड़े हो जाएं और किसी दीवार या कुर्सी का सहारा लें। अब एक पैर को शोल्डर के पैरलल उठाएं। जितना हो सके उतना पूरा उठाएं और इसी तरह से दूसरे पैर को भी बार-बार उठाएं और नीचे करें। रोजाना 30-30 के तीन सेट करें। ये कमर और इनर थाईज पर जमा फैट को टार्गेट करेगी।

### टो एंड हील टच

सीधे खड़े हो जाएं। पैरों को ऊपर की तरफ उठाते हुए हाथों से एक बार टो और दूसरी बार एड़ी को टच करें। फिर पैरों को नीचे कर लें। दोनों पैरों के साथ ये प्रोसेस करें और करीब 30-30 के सेट में करें। ध्यान रहे इस एक्सरसाइज को करते वक्त कमर से नहीं झुकना है बल्कि पैरों को पूरा ऊपर तक उठाना है। जिससे पैरों की मूवमेंट हो सके।

### नी फोल्ड एंड रेज

इस एक्सरसाइज को करने के लिए भी सीधा खड़े होकर किसी दीवार का सहारा लें। अब पैरों को उठाकर घुटने से मोड़ें। ये हो गया नी फोल्ड और अब मुड़े हुए घुटनों को हवा में उठाएं। बांए पैर को बाईं तरफ और दांए पैर को दाहिनी तरफ हवा में उठाना है। इन सारी एक्सराइज के 30 सेट करीब तीन बार करने हैं। रोजाना ये एक्सरसाइज करने से कुछ ही महीनों में सिलेंड्रिकल शेप में हो गई जांघ और हिप पर चढ़े फैट को घटाने में मदद मिलेगी।

# कोल्ड और कफ से बचने के लिए क्या करें?

**मानसून का मौसम जहां राहत लेकर आता है, वहीं बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देता है। बारिश के दौरान वातावरण में नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव की वजह से सर्दी, खांसी और बुखार जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। हवा में मौजूद वायरस और बैक्टीरिया इस मौसम में अधिक एक्टिव हो जाते हैं, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ता है। कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग, जैसे कि बच्चे, बुज़ुर्ग और पहले से बीमार व्यक्ति ज्यादा जल्दी इसकी चपेट में आते हैं। साथ ही, बारिश में भीगने, गीले कपड़े पहनने या AC के अधिक इस्तेमाल से भी कोल्ड और फीवर की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में जरूरी है कि हम खुद का बचाव करें और अपनी इम्यूनिटी मजबूत रखें।**

साधारण सर्दी-जुकाम और बुखार को हल्के में लेना कई बार भारी पड़ सकता है। जब शरीर को बार-बार वायरल इंफेक्शन होता है, तो इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है। इससे शरीर थका हुआ महसूस करता है, काम में मन नहीं लगता और नींद भी प्रभावित होती है। लंबे समय तक जुकाम और बुखार बने रहने पर सांस लेने में दिक्कत, ब्रोंकाइटिस या साइनस जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। बुखार के साथ अगर शरीर में दर्द, कमजोरी, सिरदर्द या चक्कर आ रहे हों, तो यह डिहाइड्रेशन और इलेक्टोलाइट्स की कमी की ओर इशारा कर सकते हैं। इसलिए समय रहते इलाज और सावधानी बहुत जरूरी है।

**इन चीजों का रखें ध्यान**

- भीगने पर तुरंत कपड़े बदलें और गर्म स्नान करें।
- ठंडी चीजों जैसे आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक से परहेज करें।
- तुलसी, अदरक, शहद और हल्दी का सेवन करें।
- भीड़भाड़ वाली जगहों से बचें।
- शरीर को गर्म रखें, सूती और हल्के गर्म कपड़े पहनें।
- पानी उबालकर पिएं।
- लक्षण बढ़ने पर घरेलू इलाज के बजाय डॉक्टर से सलाह लें।

# सिंपल सूट को स्टाइलिश बना देगी गोटा पट्टी लेस

**त्यौहारों का सीजन आए और गोटा पट्टी वाले सूटों की बात ना हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। यहां हम आपके लिए कुछ आइडियाज ले कर आए हैं, जो आने वाले फेस्टिव सीजन में आप ट्राई कर सकती हैं।**

### गोटा पट्टी से रॉयल लगेगा सूट

त्यौहारों का सीजन आए और गोटा पट्टी वाले सूटों की बात ना हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। राजस्थान, गुजरात और पंजाबी सूटों में खासतौर से दिखने वाला ये गोल्डन वर्क, बहुत ही रॉयल और ट्रेडिशनल लुक देता है। स्पेशल मौकों पर लड़कियां ऐसे सूट पहनना काफी पसंद करती हैं। अगर आप सिंपल सूट भी स्टिच करा रही हैं, तो उसमें गोटा पट्टी लेस को अलग अलग तरीके से लगाकार स्टाइलिश लुक दे सकती हैं। बस आपको थोड़ी सी क्रिएटिविटी दिखाने की जरुरत है। यहां हम आपके लिए कुछ आइडियाज ले कर आए हैं, जो आने वाले फेस्टिव सीजन में आप ट्राई कर सकती हैं।

### कुर्ते पर लगवाएं गोटा पट्टी

किसी सिंपल कुर्ते को हेवी लुक देना चाहती हैं या फिर प्लेन फैब्रिक ला कर कुर्ता सेट स्टिच करा रही हैं, तो गोटा पट्टी वर्क करा सकती हैं। कुछ इस डिजाइन में पूरे कुर्ते पर गोटा पट्टी लेस अटैच करा लें। इसके साथ ही दुपट्टे के बॉर्डर पर भी आप हेवी लेस लगवा सकती हैं।

### सूट का बॉर्डर हो स्पेशल

सूट के बॉर्डर पर कुछ इस तरह का लेस वर्क बहुत सुंदर लगेगा। आप गोटा पट्टी लेस और स्टार शेप पैच लेस को इस पैटर्न में अटैच करा सकती हैं। ये देखने में बेहद सुंदर लगता है। आप कुर्ते की नेकलाइन पर भी लेस की डिटेलिंग करा सकती हैं।

### पट्टीदार डिजाइन में अटैच कराएं

सिंपल गोटा पट्टी लेस को आप कुछ इस पट्टीदार शेप में अरेंज कर के भी अटैच करा सकती हैं। ये काफी सुंदर लगता है और आसान भी है। सूट की स्लीव्स और नेकलाइन पर भी कुछ इस तरह की डिटेलिंग बहुत ही एलिगेंट लुक देगी।

### स्लीव्स और बॉर्डर पर कराएं डिटेलिंग

सूट की स्लीव्स और बॉर्डर पर आप गोटा पट्टी लेस की डिटेलिंग करा सकती हैं। इस तरह का जालीदार पैटर्न देखने में बेहद ही सुंदर लगेगा। आप अपने मनपसंद रंग का फैब्रिक ले कर सूट स्टिच करा सकती हैं। उसपर ये गोल्डन गोटा पट्टी डिटेलिंग बहुत ही सुंदर लुक देगी।

# मानसून में बालों को टूट-फूट से बचाने के उपाय

### शैम्पू से पहले ज़रूर करें तेल मालिश

मानसून का मतलब है भीगी सड़कें, गरमागरम पकौड़ों की खुशबू और मिट्टी की सोंधी-सोंधी महक,लेकिन जिस तरह यह मौसम दिल को सुकून देता है, उसी तरह हमारे बालों के लिए कई परेशानियां भी लेकर आता है। इस मौसम में हवा में नमी बढ़ जाती है और बारिश का पानी सीधे बालों को नुकसान पहुंचाता है। नतीजतन, बाल रूखे हो जाते हैं, उलझते हैं और टूटने लगते हैं। ऐसे में बालों को स्वस्थ बनाए रखने का सबसे आसान और असरदार उपाय है—तेल लगाना। तेल सिर्फ बालों को गहराई से पोषण नहीं देता, बल्कि उन्हें लंबे समय तक होने वाले नुकसान से भी बचाता है। डॉ. शिल्पा वोरा, चीफ़ आरएंडडी ऑफिसर, मैरिको लिमिटेड, मानसून के मौसम में नियमित रूप से तेल लगाने की आदत के फ़ायदे बताते हुए कहती है।

### बालों को मजबूत बनाना और मरम्मत करना :

मानसून के मौसम में हवा की नमी बढ़ जाने से बाल अक्सर कमज़ोर, बेजान और रूखे हो जाते हैं। ऐसे में नियमित रूप से तेल लगाना बालों को ज़रूरी पोषण देने का सबसे आसान और असरदार तरीका है। इससे बालों की जड़ें मज़बूत होती हैं और डैमेज यानी टूट-फूट की मरम्मत भी होती है। खासकर जब बाल गीले होते हैं, तो वे जल्दी टूटते हैं—ऐसे में तेल एक अतिरिक्त सुरक्षा कवच की तरह काम करता है और सतह पर होने वाले नुकसान को भी कम करता है। बेहतर परिणाम के लिए आप पैराशूट एडवांस्ड गोल्ड कोकोनट हेयर ऑयल इस्तेमाल कर सकते हैं। यह नारियल तेल बालों की 10 परतों तक गहराई से जाकर पोषण देता है और बालों को भीतर से मज़बूत और खूबसूरत बनाता है।

### मुलायम और आसानी से सुलझने वाले बाल :

नियमित रूप से तेल लगाने से बाल न सिर्फ़ मुलायम बनते हैं, बल्कि उन्हें सँवारना और स्टाइल करना भी आसान हो जाता है। खासकर मानसून की नमी में जब बाल जल्दी उलझ जाते हैं, तो तेल की नैचुरल चिकनाहट बालों को सुलझाने में मदद करती है और कंघी करते समय बालों का टूटना भी कम होता है। उलझे बालों से राहत पाने के लिए नारियल तेल को जड़ों से सिरों तक लगाएं, 30 मिनट तक छोड़ें और फिर धो लें। बेहतर नतीजों के लिए यह प्रक्रिया नियमित रूप से दोहराएं। अच्छी तरह से की गई तेल मालिश स्कैल्प में रक्त संचार को बढ़ाती है, जिससे बालों की जड़ों तक भरपूर पोषण पहुँचता है और बालों की ग्रोथ बेहतर होती है।

# परिवर्तन के दौर की पहली परीक्षा में सफल रही भारतीय टीम

**लंदन।** शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम जब लगभग दो महीने पहले इंग्लैंड पहुंची थी तो कुछ प्रमुख सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में उससे ज्यादा उम्मीद नहीं की जा रही थी लेकिन इस टीम ने पांचों टेस्ट मैच में न सिर्फ उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया, बल्कि भविष्य के लिए एक बेहतरीन खाका भी पेश किया। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के केवल तीन मैच के लिए उपलब्ध रहने के कारण भारतीय टीम से बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं लगाई जा रही थी लेकिन वह परिवर्तन के इस दौर की पहली परीक्षा में सफल रही। दोनों कप्तानों गिल और उनके प्रतिद्वंदी बेन स्टोक्स के शब्दों में 45 दिनों की कड़ी टक्कर के बाद 2-2 की बराबरी शायद एक उचित परिणाम है। भारत ने दो मैच गंवाए, लीड्स में पहला मैच और लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट। इन मैच में भी भारत जीत सकता था लेकिन यही वह सबक है जो युवा खिलाड़ियों को मिला है। भारतीय टीम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने किसी भी मैच में आखिर तक हार नहीं मानी और दो मैच में शानदार वापसी की।

### गिल ने श्रृंखला में चार शतक लगाए

इससे टीम के जज्बे का पता चलता है। इस श्रृंखला में यह भी साबित हो गया कि भारतीय टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। गिल ने श्रृंखला में चार शतक की मदद से सर्वाधिक 754 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया जिससे अन्य खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। अपने करियर की शुरुआत सलामी बल्लेबाज के रूप में करने वाले गिल ने बल्लेबाजी क्रम में महत्वपूर्ण चौथे नंबर पर खुद को स्थापित करके भारत की कई चिंताओं को भी दूर कर दिया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज श्रृंखला के नायक बनकर उभरे। वह दोनों टीमों की ओर से सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे। उन्होंने ओवल में श्रृंखला का अंतिम विकेट लिया और 23 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। कार्यभार प्रबंधन के कारण दो टेस्ट मैचों में जसप्रीत बुमराह के नहीं खेलने का सिराज ने पूरा फायदा उठाया।

### सिराज की भूमिका महत्वपूर्ण

विपक्षी कप्तान बेन स्टोक्स की तरह उन्होंने दबाव बनाए रखने के लिए कुछ अतिरिक्त ओवर फेंकने की जरूरत पड़ने पर अपना योगदान दिया। बुमराह की फिटनेस पर सवाल बने रहेंगे और लंबे प्रारूप में उनका भविष्य भी अनिश्चित है। लेकिन भरोसा है कि सिराज नए तेज गेंदबाजों को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रसिद्ध कृष्णा और आकाशदीप ने उनका अच्छा साथ दिया।रविंद्र जडेजा ने अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करके इस श्रृंखला को अपने लिए यादगार बना दिया। इस 36 वर्ष के खिलाड़ी ने श्रृंखला में 516 रन बनाए जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। केएल राहुल दोनों टीमों में सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज रहे। उन्होंने इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में अपने कौशल और प्रतिभा का शानदार नमूना पेश किया।

## पांचवें टेस्ट में जीत पर बोले सिराज

यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी। सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2–2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा, 'हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह वहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है।' बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रुक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नज़र आए। सोमवार को सुबह के सत्र में उन्होंने जो भी गेंद फेंकी, उसने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इस समय (जीत के बाद) जो भावनाएं मेरे अंदर हैं, मैं उन्हें शब्दों में बयां नहीं कर सकता, क्योंकि कल (रविवार को) मैंने कैच छोड़ दिया था। जब मैं (चौथे दिन के बाद) सोने जा रहा था, तो मैं बस यही सोच रहा था कि मैंने ऐसा कैसे कर दिया।' सिराज ने कहा, 'अगर मैंने वह कैच ले लिया होता, तो हमें सोमवार को मैदान पर आकर खेलने की जरूरत नहीं पड़ती।

## सूर्यकुमार यादव ने सर्जरी के बाद शुरू किया बल्लेबाजी का अभ्यास

**बेंगलुरु।** भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी के बाद बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहली बार बल्लेबाजी अभ्यास किया। यह सत्र पिछले हफ्ते के अंत में हुआ और अभी वह BCCI की मेडिकल टीम की निगरानी में रिहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। सर्जरी जर्मनी में हुई थी और उसके बाद से सूर्यकुमार की रिकवरी धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। अगले कुछ हफ्तों में उनका वर्कलोड बढ़ाया जाएगा ताकि वे मैच फिटनेस की ओर लौट सकें। ऐसा माना जा रहा है कि सूर्यकुमार 9 सितंबर से यूएई में शुरू हो रहे एशिया कप के लिए समय पर वापसी कर लेंगे। शुरुआती योजना उन्हें अगस्त के अंत में बांग्लादेश दौरे पर होने वाली टी20 सीरीज के लिए फिट करने की थी, लेकिन वह सीरीज बाद में रद्द कर दी गई। सूर्यकुमार की आखिरी पेशेवर क्रिकेट भागीदारी जून में मुंबई टी20 लीग में ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्टर्न के लिए थी, जहां उन्होंने 4 पारियों में 122 रन बनाए। उन्हें वेस्ट जोन की दलीप ट्रॉफी टीम में भी शामिल किए जाने की चर्चा थी, लेकिन संभावना है कि वह टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। वेस्ट जोन को सीधे सेमीफाइनल में एंट्री मिली है, जो 4 सितंबर से शुरू होंगे जबकि भारतीय टीम के पहले हफ्ते में यूएई रवाना होने की उम्मीद है। सूर्यकुमार के लिए अंतिम रिहैब चरण में कुछ प्रैक्टिस मैच और सिमुलेशन अभ्यास आयोजित किए जा सकते हैं ताकि उन्हें टूर्नामेंट से पहले मैच अभ्यास मिल सके। एशिया कप भारत के लिए 2026 टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी का शुरुआती चरण होगा जिसे भारत और श्रीलंका मिलकर होस्ट करने वाले हैं। अगर सूर्यकुमार इस टूर्नामेंट में उतरते हैं, तो यह उनके लिए टी20 कप्तान के तौर पर पहला बहु-देशीय टूर्नामेंट होगा। उन्होंने यह जिम्मेदारी रोहित शर्मा से उस समय संभाली थी जब भारत ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा था।

## टिम डेविड पर लगा जुर्माना

### वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 में किया आचार संहिता का उल्लंघन

**दुबई।** ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टिम डेविड पर 28 जुलाई को सेंट किट्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान ICC आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। डेविड को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए ICC आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जो किसी अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। इसके अलावा, डेविड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के पांचवें ओवर में हुई, जब अल्जारी जोसेफ ने डेविड को लेग साइड में एक गेंद फेंकी, जिसे वाइड नहीं दिया गया। डेविड ने अपनी बाहें फैलाकर और गेंद को वाइड करार देने का इशारा करके अपनी असहमति जताई और फिर अपनी बाहें फैलाए हुए ही अंपायर की ओर चल पड़े।

### डेविड ने स्वीकार किया अपराध

डेविड ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के रॉन किंग द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर जाहिद बसाराथ और लेस्ली रीफर, तीसरे अंपायर डेइटन बटलर और चौथे अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट ने आरोप लगाए। लेवल 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार, अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत, और एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं।

### हार के बाद पूर्व कप्तान का बड़ा बयान

## बेन स्टोक्स टीम में होते तो इंग्लैंड जीत जाता

**लंदन।** पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि प्रेरणादायी कप्तान बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड की टीम ने हड़बड़ी दिखाई, जबकि उसे जीत के लिए केवल 35 रन चाहिए थे और उसके चार विकेट बचे थे। भारत ने शानदार वापसी करते हुए छह रन से जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। वॉन ने कहा, 'बेन स्टोक्स टीम में होते, तो इंग्लैंड यह टेस्ट मैच जीत जाता। वह इस टीम में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। वह टीम को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखते हैं। इंग्लैंड ने (पांचवें दिन सुबह) हड़बड़ी दिखाई।' वॉन ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल में कहा, 'उन्हें बस एक साझेदारी की जरूरत थी। जिस तरह से वे आक्रामक होकर खेलते हैं उसमें वे हड़बड़ी दिखाते हैं। कल (रविवार) दोपहर हैरी ब्रुक के आउट होने से पारी का पतन शुरू हुआ, लेकिन इंग्लैंड का यही खेलने का तरीका है।' स्टोक्स कंधे की चोट के कारण पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाए, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स को आराम दिया गया। वॉन ने कहा कि भारत के खिलाफ रोमांचक श्रृंखला इंग्लैंड के लिए इस वर्ष नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशेज श्रृंखला के लिए एक आदर्श तैयारी है। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड ने पांच शानदार मैच खेले। आपको यथार्थवादी होना होगा।

## उम्मीद है कि कार्यभार प्रबंधन भारतीय क्रिकेट के शब्दकोश से गायब हो जाएगा : गावस्कर

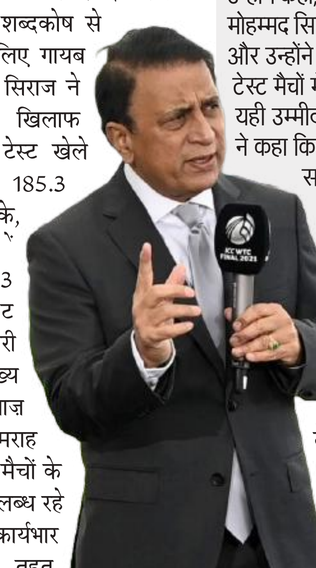

**लंदन।** भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उम्मीद व्यक्त की कि मोहम्मद सिराज के इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद कार्यभार प्रबंधन जैसा शब्द भारतीय क्रिकेट के शब्दकोष से हमेशा के लिए गायब हो जाएगा। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सभी पांच टेस्ट खेले और कुल 185.3 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए। दूसरी तरफ मुख्य तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह केवल तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहे और अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच में भी नहीं खेल पाए। गावस्कर ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की आलोचना नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह किसी और चीज से ज्यादा चोट प्रबंधन का मामला था। गावस्कर ने कहा, 'जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हों, तो दर्द और तकलीफों को भूल जाइए। क्या आपको लगता है कि सीमा पर जवान ठंड की शिकायत करते होंगे।

### भारत के लिए क्रिकेट खेलना सम्मान की बात

ऋषभ पंत ने आपको क्या दिखाया? वह पांव में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने आए थे। आप खिलाड़ियों से यही उम्मीद करते हैं। भारत के लिए क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है।'

उन्होंने कहा, 'आप 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और यही हमने मोहम्मद सिराज में देखा। मुझे लगता है कि सिराज ने पूरे दिल से गेंदबाजी की और उन्होंने काम के बोझ जैसे शब्द को हमेशा के लिए खत्म कर दिया। पांच टेस्ट मैचों में उन्होंने लगातार 7–8 ओवर गेंदबाजी की क्योंकि कप्तान उनसे यही उम्मीद कर रहा था और देश को भी उनसे यही उम्मीद थी।' गावस्कर ने कहा कि कार्यभार प्रबंधन सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध टीम के चयन में बाधा नहीं बन सकता। उन्होंने कहा, 'यदि आप उन लोगों के आगे झुक जाएंगे जो कार्यभार के बारे में बात कर रहे हैं, तो देश के लिए मैदान पर कभी भी आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नहीं होंगे। मुझे उम्मीद है कि अब कार्यभार प्रबंधन जैसा शब्द भारतीय क्रिकेट के शब्दकोष से हमेशा के लिए गायब हो जाएगा। कार्यभार सिर्फ मानसिक स्थिति है शारीरिक नहीं।'

## नीदरलैंड तीन टी-20 मैचों के लिए करेगा बांग्लादेश का दौरा

**ढाका।** बांग्लादेश पहली बार द्विपक्षीय श्रृंखला में नीदरलैंड्स की मेजबानी करेगा, जिसमें दोनों टीमें तीन मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेंगी। यह श्रृंखला 30 अगस्त से शुरू होगी और तीनों मैच सिलहट में खेले जाएंगे। नीदरलैंड की टीम 26 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी और श्रृंखला शुरू होने से पहले तीन दिन प्रशिक्षण लेगी। पहला टी20 मैच 30 अगस्त को, दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 1 और 3 सितंबर को होगा, ये सभी मैच सिलहट के एसआईसीएस स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह श्रृंखला 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले बांग्लादेश के लिए महत्वपूर्ण तैयारी का काम करेगी। नीदरलैंड्स इससे पहले एक बार बांग्लादेश में खेल चुका है, 2014 टी20 विश्व कप के दौरान। दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, जिनमें से चार में बांग्लादेश ने जीत हासिल की है। 2012 में नीदरलैंड ने दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए बांग्लादेश की मेजबानी की थी, आगामी दौरे से पहले उनका एकमात्र द्विपक्षीय मुकाबला होगा। दोनों टीमें पिछली बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में आमने-सामने हुई थीं, जहां बांग्लादेश ने 25 रनों से जीत हासिल की थी।

## 'एशिया कप हो जाए बस...'

### पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने ली चुटकी

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ़ का मानना है कि 14 सितंबर को होने वाले बहुप्रतीक्षित एशिया कप मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ पाकिस्तान के सामने कड़ी चुनौती होगी। लतीफ ने स्वीकार किया कि टीम इंडिया हाल के मैचों में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से कोसों दूर रही है और उसे अपने प्रदर्शन और अपने स्वभाव में नाटकीय बदलाव की जरूरत होगी। लतीफ ने चुटकी लेते हुए कहा, '14 सितंबर को एक मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ खेलना पाकिस्तान के लिए बहुत मुश्किल होगा। एशिया कप हो जाए बस।' उन्होंने इशारा किया कि पाकिस्तान की मौजूदा अनिश्चित फॉर्म को देखते हुए वह बस यही उम्मीद कर रहे हैं कि टूर्नामेंट सुचारू रूप से आगे बढ़े। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने हाल के महीनों में पाकिस्तान के अस्थिर प्रदर्शन पर प्रकाश डाला, जिसके कारण टीम की तैयारियों की कड़ी आलोचना हो रही है। उन्होंने कहा, 'हमारी क्रिकेट हवा में चल रही है... हम बांग्लादेश और वेस्टइंडीज से हार गए, ऐसे मैच जो हमें कभी नहीं हारने चाहिए थे। हमारा कप्तान अच्छा हो सकता है, लेकिन तीनों फॉर्मेट में तालमेल बिठाना आसान नहीं है। हमारे पास प्रतिभा है, लेकिन हम अभी तक सही फैसले नहीं ले पा रहे हैं।'

पाकिस्तान को कई अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा है जिसमें बांग्लादेश और वेस्टइंडीज की दूसरी श्रेणी की टीम के खिलाफ हार भी शामिल है जिससे एशिया कप जैसे उच्च दबाव वाले टूर्नामेंट के लिए उनकी तैयारी पर सवाल उठ रहे हैं। वे अपने अभियान की शुरुआत 12 सितंबर को ओमान के खिलाफ करेंगे, उसके बाद यूएई में एक धमाकेदार ग्रुप-स्टेज मुक़ाबले में भारत का सामना करेंगे। लतीफ ने कहा, 'प्रतिभा तो है, लेकिन क्रियान्वयन और फैसले लेना सबसे जरूरी चीजें हैं, ख़ासकर भारत जैसी टीम के खिलाफ।' उन्होंने आगे कहा कि अगर पाकिस्तान को भारतीय टीम को चुनौती देनी है तो उसे मुश्किल हालात से बेहतर तरीके से निपटना सीखना होगा। भारत-पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता दुनिया भर के प्रशंसकों को आकर्षित कर रही है, ऐसे में लतीफ को उम्मीद है कि पाकिस्तान समय के साथ अपनी लय फिर से हासिल कर लेगा।

### एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025

## 7187 रन, 21 शतक और 28 अर्धशतक

### सीरीज में बने कई बड़े रिकॉर्ड्स

**नई दिल्ली।** भारत ने पांचवे और अंतिम टेस्ट में इंग्लैंड को 6 रन से हरा दिया। 374 रनो के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड 367 रनो पर आउट हो गई। जिससे पांच मैचो की सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में कुल 7187 रन बने। जो टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन योग है। इस रिकॉर्ड में सबसे बड़ा रन योग 1993 की एशेज सीरीज के दौरान बनाए गए 7221 रनो का है। इस सीरीज में 21 शतक लगे जो किसी भी टेस्ट सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज़्यादा शतक है। शतक बनाने वाले बल्लेबाजो में शुभमन गिल, जो रूट, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत, हैरी ब्रुक, बेन डकेट, जेमी स्मिथ, बेन स्टोक्स, यशस्वी जायसवाल, ओली पोप और वाशिंगटन सुंदर शामिल थे। दोनो टीमो ने 14 बार 300 रनो का आंकड़ा पार किया, जिससे किसी भी टेस्ट सीरीज का नया रिकॉर्ड बना। भारत ने इनमें से आठ बार 300 रनो का आंकड़ा पार किया। जो किसी भी टीम द्वारा किसी एक सीरीज में बनाया गया संयुक्त रूप से सबसे बड़ा स्कोर है। जो ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनो के रिकॉर्ड की बराबरी करता है। किसी भी अन्य टीम ने एक सीरीज में छह

## 'खिलाड़ी आएंगे जाएंगे' : गंभीर

**नई दिल्ली।** टीम इंडिया जब इंग्लैंड पहुंची तो किसी ने उसे जीत का दावेदार नहीं माना था। कई दिग्गजों ने इंग्लैंड को घर में खेलने का एडवांटेज दिया था। टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर और नए कप्तान शुभमन गिल के फैसलों ने जो सवाल खड़े किए थे उन्होंने तो हार का संभावनाओं को काफी ऊपर पहुंचा दिया था। बावजूद इसके टीम इंडिया इंग्लैंड में 2-2 से सीरीज ड्रॉ करते हुए लौट रही है औ फिर भी गंभीर ड्रेसिंग रूम में कह रहे हैं, 'खिलाड़ी आएंगे जाएंगे' लीड्स में पहला मैच टीम इंडिया हार गई। फिर एजबेस्टन में उसे जीत मिली। लॉर्ड्स में किस्मत ने भारत के साथ दगा कर दिया। इंग्लैंड 2-1 से आगे थी और सीरीज जीतने की संभावनाएं न के बराबर थीं। मैनचेस्टर में हार सिर पर खड़ी थी फिर भी भारत ने लड़ते हुए वो मैच ड्रॉ करा दिया। बारी अब पांचवें टेस्ट मैच की थी और इसमें भी भारत की हार तय लग रही थी।

यहां से भी भारत ने पासा पलट दिया और ये मैच जीत सीरीज ड्रॉ करा दी। मोहम्मद सिराज ने जब गस एटकिंसन का विकेट ले भारत की जीत तय कर दी जब कोच गौतम गंभीर चीख-चिल्ला रहे थे। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने उन्हें गोदी में उठा लिया। इसके बाद गंभीर ने ड्रेसिंग रूम में अपनी बात रखी। उन्होंने उस बात पर जोर दिया जो बात वह टीम में लागू करना चाहते हैं।

## मैच मैदान पर जीते जाते है, कागजों पर नहीं: कैफ

**स्पोर्ट्स डेस्क।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट में जीत के लिए शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम की जमकर तारीफ की। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज 2-2 से बराबर कर ली, जिसके बाद ट्रॉफी दोनो टीमो के बीच साझा हो गई। ओवल में भारत के लिए यह एक शानदार जीत थी, क्योंकि चौथे दिन वे मैच में पिछे नजर आ रहे थे। आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रनो की ज़रूरत थी और उसके चार विकेट बाकी थे। इसलिए यह कहना गलत नही होगा कि वे मैच जीतने के प्रबल दावेदार थे। हालांकि, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की शानदार गेंदबाजी के कारण मेजबान टीम 374 रनो के लक्ष्य से चूक गई और 367 रनो पर ढेर हो गई। इस पर कैफ ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'सबसे पहले, मुझे नही लगता कि ज़्यादा लोगो ने इस भारतीय टीम को मौका दिया था। वे विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना इंग्लैंड गए थे।

## 23 नवंबर को दूसरी बार आयोजित होगी फेडरल बैंक पुणे मैराथन

**पुणे।** फेडरल बैंक पुणे मैराथन का बहुप्रतीक्षित दूसरा संस्करण रविवार, 23 नवंबर, 2025 को पुणे में वापस आ रहा है। इस मैराथन के माध्यम से पुणे ने भारत के बढ़ते फिटनेस मानचित्र पर अपनी जगह पक्की कर ली है। इस मैराथन में भाग लेने के इच्छुक धावक इस मैराथन के लिए बनाई गई आधिकारिक वेबसाइट https://stridersevents.in/events/info?FederalBankPuneMarathon2025 पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। अभिनेता, मॉडल और फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन फेडरल बैंक पुणे मैराथन का चेहरा होंगे। इससे सभी उम्र के लोगों के स्वास्थ्य, दृढ़ता और समावेशी भागीदारी को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है। यह प्रतियोगिता सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में शुरू होगी। इस वर्ष दौड़ की विभिन्न श्रेणियों के लिए कुल पुरस्कार राशि 11 लाख रुपये है। पंजीकरण शुरू हो चुका है। भारत की वर्दीधारी सेवाओं के सम्मान में, सेना और पुलिस कर्मियों के लिए कोई पंजीकरण शुल्क नहीं होगा।

महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी में आयोजित फेडरल बैंक पुणे मैराथन, भारत की सबसे समावेशी मैराथन में से एक है। इस मैराथन में विशेष योग्यता वाले प्रतिभागियों का स्वागत है जो दूसरों के साथ दौड़ सकते हैं। मिलिंद सोमन इस अनूठे अभियान का नेतृत्व करेंगे।

इस आयोजन की तीन मुख्य श्रेणियों - 42.2 किमी मैराथन, 21.1 किमी हाफ मैराथन और अन्य दौड़ों में 3,000 से अधिक धावकों के भाग लेने की उम्मीद है।

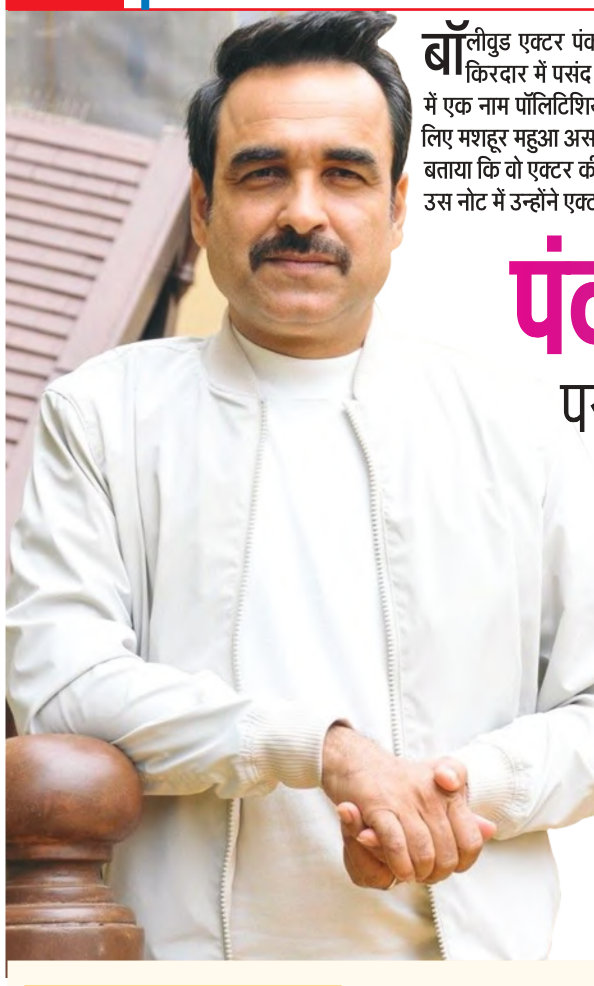

बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। एक्टर को उनके हर किरदार में पसंद किया गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं उनकी फीमेल फैन लिस्ट में एक नाम पॉलिटिशियन महुआ मोइत्रा का भी है। संसद भवन में अपनी बेबाक स्पीच के लिए मशहूर महुआ असल जिंदगी में पंकज त्रिपाठी को अपना क्रश मानती हैं। हाल में उन्होंने बताया कि वो एक्टर की इतनी बड़ी फैन हैं कि उनके लिए एक नोट तक लिखकर भेजा था। उस नोट में उन्होंने एक्टर के साथ कॉफी पर मिलने की बात कही थी।

# पंकज त्रिपाठी को पसंद करती हैं MP महुआ मोइत्रा

इंडिया टुडे के साथ बातचीत में महुआ ने कहा कि वो उन्हें मुन्नाभाई, विक्की डोनर जैसी फिल्में पसंद आई थी। लेकिन वो पंकज त्रिपाठी को पसंद करती हैं। महुआ ने कहा, "मुझे पंकज त्रिपाठी बहुत पसंद हैं। मैंने पूरी मिर्जापुर सीरीज देखी है। मैंने उन्हें एक नोट भी लिखा था, जिसका उन्होंने कभी जवाब नहीं दिया, लेकिन हां, मैंने उन्हें एक नोट लिखा था। वो मेरे क्रश हैं। मुझे लगता है कि वो सबसे अच्छे एक्टर हैं। मुझे उनके बुरे-बुरे रोल बहुत पसंद हैं। मुझे वो मिर्जापुर में बहुत पसंद आए, यहां तक कि गैंग्स ऑफ वासेपुर में भी।₹ महुआ ने बताया कि उन्होंने नोट में लिखा था कि वो उनकी बड़ी फैन और कॉफी ओअर मिलना चाहती हैं। लेकिन पंकज त्रिपाठी ने इस नोट का जवाब कभी नहीं दिया। एक पत्रकार के जरिए महुआ ने नोट पंकज त्रिपाठी तक पहुंचाया था। हालांकि, दोनों की मुलाकात कभी नहीं हुई है। लेकिन महुआ ने ये भी बताया कि वो पंकज त्रिपाठी की इतनी बड़ी फैन हैं कि उन्होंने अपने साथी MP और एक्टर रवि किशन से बातचीत कर एक्टर से फोन पर बात की।

# धनुष को डेट कर रही हैं मृणाल ठाकुर

अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में नजर आ रही एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर के अफेयर की खबर सामने आ रही है। ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो एक्ट्रेस का नाम साउथ सुपरस्टार धनुष के साथ जुड़ रहा है। हाल में धनुष की फिल्म के प्रीमियर पर दोनों को साथ देखा गया था। इसके अलावा दोनों पार्टीज करते भी स्पॉट हुए हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों के लिए ये रिश्ता नया है ऐसे में वो इसे ज्यादा लाइमलाइट में नहीं लाना चाहते। वो अपने नए रिश्ते को मीडिया, पैपराजी से दूर रखना चाहते हैं। सूत्र के हवाले से कहा, ₹हां, यह सच है कि धनुष और मृणाल डेट कर रहे हैं। हालांकि यह रिश्ता अभी नया है और फिलहाल दोनों का इसे पब्लिक या मीडिया के सामने ऑफिशियल करने का कोई प्लान नहीं है।₹ सूत्र ने आगे बताया कि दोनों इस बात को लेकर सहज हैं कि वो पब्लिक प्लेस पर साथ दिखें और स्पॉट किए जाएं। उनके दोस्त भी इस रिश्ते को सपोर्ट कर रहे हैं क्योंकि उनकी सोच, वैल्यू और पसंद काफी मिलती-जुलती है। लेकिन दोनों फिलहाल रिश्ते को लेकर कोई एलान नहीं करना चाहते। दरअसल, मृणाल ठाकुर की साउथ फिल्म सीता रामम की सफलता के बाद उनके लिए साउथ फिल्म इंडस्ट्री के दरवाजे खुल गए।

# सलमान खान की बहन अर्पिता के रेस्ट्रॉन्ट में 8500 रुपये का पास्ता

सलमान खान की बहन अर्पिता खान दिसंबर 2024 में मुंबई में यूरोपियन रेस्ट्रॉन्ट खोला था। खान फैमिली के कई सेलिब्रेशंस इस रेस्ट्रॉन्ट में हो चुके हैं। अर्पिता ने अपना जन्मदिन भी यहीं मनाया था। अंदर से यह रेस्ट्रॉन्ट देखने में काफी सुंदर है। यहां आप इसकी तस्वीरें, मेन्यु और इंटीरियर की झलक देख सकते हैं।

अर्पिता खान के फाइन-डाइन रेस्ट्रॉन्ट का नाम है Mercii। यह मुंबई के सांताक्रूज वेस्ट में है। रेस्ट्रॉन्ट केतुल और गौरव पारिख, अनुज और विकी चुघ की पार्टनरशिप में है। इसके इंटीरियर से लेकर डिशेज तक सब कुछ हाई-क्लास हैं। रेस्ट्रॉन्ट लोअर ग्रांड फ्लोर पर है। यहां नैचुरल लाइट नहीं आती। हालांकि अर्पिता ने इसकी छत को ऐसे डिजाइन करवाया है कि इसकी सीलिंग बदल जाती है और कभी नीला आसमान बादल और कभी तारे दिखाई देते हैं। मर्सी में रीसेंटली लबूबू मेन्यु भी लाया गया था। इंस्टाग्राम पेज के मुताबिक ऑर्डर करने वालों को लबूबू भी गिफ्ट की जा रही थी। यह ऑफर लिमिटेड समय के लिए था। द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मर्सी का मेन्यु ऑथेंटिक यूरोपियन है इसमें कुछ डिशेज में एशियन और इंडियन टच भी है। इस मेन्यु में अर्पिता का फेवरिट है फोर चीज पिज्जा जिसकी कीमत 1100 रुपये है। बाकी पिज्जा भी 800 से 1100 की रेंज में हैं। रेस्ट्रॉन्ट की सबसे महंगी डिश हर्ब क्रस्टेटड लैंब है जिसकी कीमत 10000 रुपये है। यह सिग्नेचर डिश है। इसके अलावा एक और सिग्नेचर डिश है ट्रफल पास्ता ऑन व्हील जो 8500 रुपये की है। टेरियाकी साल्मन भी काफी पसंद किया जाता है, यह 4000 रुपये का है।

# अक्षय कुमार ने 7 महीने में कमाए 110 करोड़

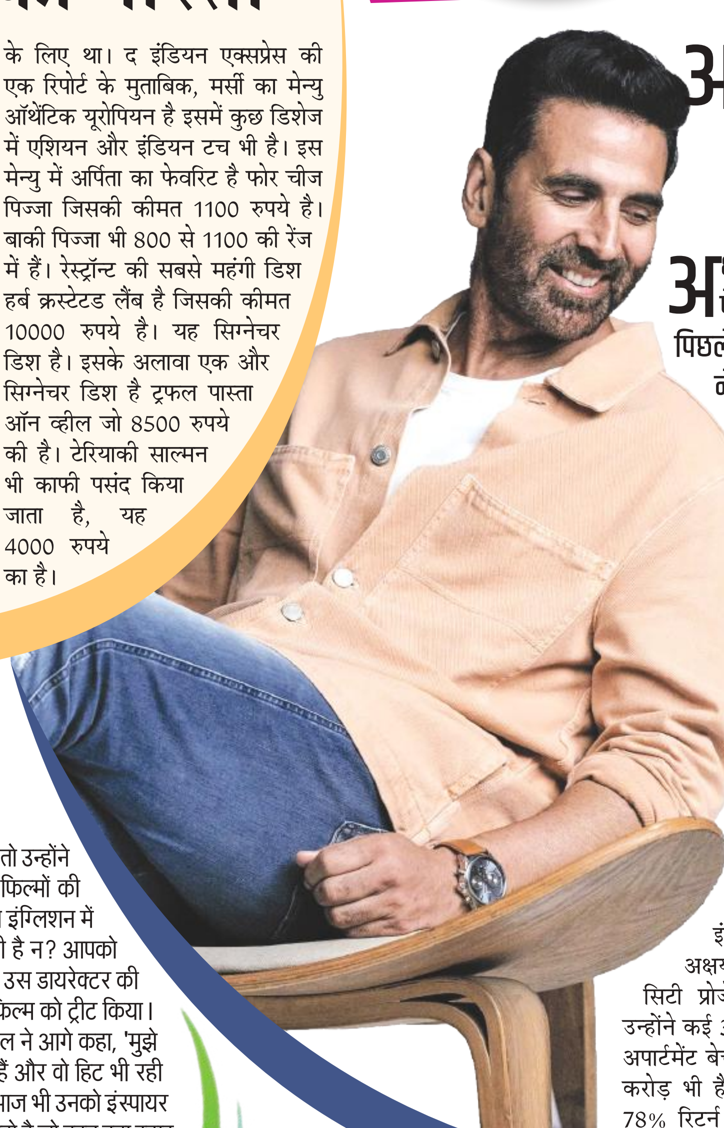

अक्षय कुमार एक साल में कई फिल्में करते हैं और इसके लिए वह काफी फेमस भी हैं। वह अपनी फिल्मों के जरिए खूब कमाई करते हैं। हालांकि पिछले कुछ साल से उनकी कुछ फिल्में ज्यादा खास नहीं चली हैं, लेकिन कुछ ने अच्छी कमाई की है। इस बीच आपको बता दें कि अक्षय ने 7 महीने में 110 करोड़ की कमाई की है और यह जानकर आप हैरान हो जाएंगे कि ये कमाई फिल्मों से नहीं की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय ने ये कमाई अपने 8 प्रीमियम प्रॉपर्टीज को बेचकर की है। अक्षय की सबसे बड़ी डील वर्ली से हुई है। उन्होंने अपना और पत्नी ट्विंकल खन्ना का 6830 स्क्वायर फीट का लग्जरी अपार्टमेंट को 80 करोड़ में बेच दिया है। इस अकेली सेल ने उनके रियल एस्टेट की कमाई को 70 प्रतिशत ज्यादा कर दिया। इंडेक्सटैप की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय को बोरिवली ओबेरॉय स्काई सिटी प्रोजेक्ट से भी फायदा हुआ है। उन्होंने कई 3 बीएचके यूनिट्स और स्टूडियो अपार्टमेंट बेचे हैं जिसमें से एक डील 4.25 करोड़ भी है जिसने 2017 की खरीद पर 78% रिटर्न दर्शाया है। अप्रैल में, अक्षय ने लोअर परेल स्थित लोढ़ा वन प्लेस में एक कमर्शियल ऑफिस स्पेस 8 करोड़ रुपये में बेचा। 2020 में इसे 4.85 करोड़ रुपये में खरीदा गया, जिससे उन्हें 65% का अच्छा रिटर्न मिला।

ऐसे ही कई प्रॉफिट वाली डील उन्होंने की है जिससे उन्होंने अच्छे पैसे कमाए हैं। अक्षय की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह लास्ट फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आए थे जो हिट थी। अब वह भूत बंगला, जॉली एलएलबी 3, हेरा फेरी 3, वेलकम टू द जंगल भी शामिल हैं। फैंस अक्षय की इन फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

# अक्षय कुमार की जानवर की कॉपी है रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल साल 2023 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना लीड रोल में थे। जब फिल्म रिलीज हुई थी तब इसकी स्टोरी को लेकर काफी विवाद हुआ था। यहां तक की आज भी फिल्म को लेकर बात होती रहती है। अब फिल्ममेकर सुनील दर्शन ने यह दावा किया है कि एनिमल, उनकी फिल्म जानवर की कॉपी थी।

सुनील से पूछा गया कि क्या वह अपनी फिल्मों के रीमेक चाहते हैं तो उन्होंने बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में कहा, 'मैं कैसे बनाऊं? मेरी फिल्मों की नकल इतने लोग कर चुके हैं। एक फिल्म है जानवर। जनवर को इंग्लिशन में क्या बोलते हैं? उसकी कहानी कौनसी है? आपने एनिमल देखी है न? आपको पता है न कौनसी कहानी है? लेकिन मैं क्लेम नहीं करता क्योंकि उस डायरेक्टर की ट्रीटमेंट बहुत अनोखी थी और बहुत अच्छे तरीके से उसने उस फिल्म को ट्रीट किया। लेकिन अगर प्रोड्यूसर सच बता देते तो बहुत अच्छा होता।' सुनील ने आगे कहा, 'मुझे लगा चुप रहना ही ठीक है क्योंकि ऐसी ही और भी कई फिल्में हैं और वो हिट भी रही हैं। मुझे लगता है मैं लोगों को इंस्पायर कर रहा हूं। मेरा सिनेमा आज भी उनको इंस्पायर करता है और वो फिल्में बड़ी ब्लॉकबस्टर भी होती हैं। एक हीरो है जो बहुत बड़ा स्टार है और उन्होंने भी एक ऐसी फिल्म की है जो मेरी जैसी थी। जिस राइटर से उन्होंने वो स्टोरी ली वो भी बड़ा नाम है। उनकी फिल्म भी हिट थी।' जानवर की बात करें तो इसमें अक्षय कुमार ने बाबू का किरदार निभाया था जो अनाथ है और वह गैंगस्टर के साथ रहकर क्रिमिनल बन जाता है। लेकिन फिर बाबू की लाइफ टर्न लेती है और वह एक बच्चे को गोद ले लेता है और उसे प्यार से पालता है। लेकिन उसका पास्ट उसकी लाइफ में दिक्कतें लेकर आता है। जानवर 1999 में रिलीज हुई थी और उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी। वहीं एनिमल साल 2023 में रिलीज हुई थी और इसने वर्ल्डवाइड 915 करोड़ कमाए थे।

# मिस्ट्री बॉय के साथ नजर आई करिश्मा कपूर की बेटी समायरा कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर और उनके दोनों बच्चों के लिए पिछला डेढ़ महीना मुश्किलों भरा रहा है। एक्ट्रेस के पूर्व पति संजय कपूर की अचानक मौत के बाद दोनों बच्चे निराश थे। लेकिन धीरे-धीरे एक्ट्रेस के दोनों अच्छे अपनी जिंदगी में वापस लौट रहे हैं। बीती रात करिश्मा की बेटी समायरा को मुंबई में एक अनजान शख्स के साथ देखा गया।

इतने समय बाद समायरा को खुश देख यूजर्स खुश हैं। कुछ ने समायरा को जिंदगी में आगे बढ़ने की सलाह दी तो कुछ जानना चाहते हैं कि वो किस शख्स के साथ हैं। सोशल मीडिया पर करिश्मा कपूर की बेटी समायरा का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में 20 की समायरा को गाड़ी में बैठे देखा जा सकता है। वो पैपराजी का कैमरा देख मुस्कुराती हैं और अपना चेहरा छुपाने की कोशिश करती हैं। उनकी साथ वाली सीट पर एक अनजान शख्स को बैठे देखा जा सकता है। हालांकि, खिड़की को कवर किया गया था इसलिए शख्स का चेहरा सामने नहीं आया। समायरा के आउटफिट से लग रहा है जैसे वो किसी पार्टी से वापस लौटी हैं। समायरा के इस वीडियो पर यूजर्स ने अपने रिएक्शन दिए हैं।

# शहनाज गिल अस्पताल में भर्ती, देखने पहुंचे करण वीर मेहरा

शहनाज गिल की एक फोटो सामने आई है जिसे देखकर फैंस परेशान हो गए हैं। वह अस्पताल में भर्ती हैं। यह तो नहीं पता चल पाया है कि वह किस वजह से अस्पताल में भर्ती हैं, लेकिन करण वीर मेहरा उनसे मिलने गए और उन्होंने ही शहनाज की झलक दिखाई है। इसके अलावा करण ने फैंस से शहनाज के जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना करने को कहा है। सोमवार को करण वीर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें शहनाज अस्पताल के बेड पर लेटी हुई हैं। करण बोलते हैं कि मैं चाहता हूं आप बहुत प्रार्थना करो इस लड़की के लिए जो एनर्जी से भरी रहती है और इसे जल्द से जल्द ठीक होकर वापस आना है। शहनाज के हाथ में ड्रिप लगी है और जब करण उन्हें दिखाते हैं तो वह अपना चेहरा छिपा लेती हैं। करण फिर कहते हैं कि ये देखो बेचारी। क्या हुआ इसे देखो। करण फिर बोलते हैं कि जल्दी ठीक हो जा फिर साथ में पार्टी करेंगे। ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि शहनाज का बीपी लो हो गया था जिस वजह से उन्हें अस्पताल ले जाया गया। लेकिन कन्फर्म स्टेटमेंट अभी तक नहीं आया है।शहनाज की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह लास्ट विकी विद्या का वो वाला वीडियो के स्पेशल गाने में नजर आई थीं। अब वह फिल्म सब फर्स्ट क्लास है में नजर आएंगी जिसमें उनके साथ वरुण शर्मा नजर आएंगे। इसके अलावा वह इक कुड़ी में भी नजर आएंगी जो पंजाबी फिल्म है। इस फिल्म में एक्टिंग करने के अलावा वह इसे प्रोड्यूस भी कर रही हैं। यह बतौर प्रोड्यूसर उनकी पहली फिल्म होगी।वहीं करण की बात करें तो कई साल से टीवी पर काम करने के बाद अब फिल्ममेकर ओमंग कुमार की फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे औप सादिया खातिब भी हैं।

# 'तुम्हारी सुलु' से 'मर्दानी' तक, इन फिल्मों में दिखाया गया कामकाजी महिलाओं का संघर्ष

आज पूरी दुनिया में 'सिंगल वर्किंग वुमेन डे' मनाया जा रहा है। इसको मनाने का मकसद कामकाजी महिलाओं की मेहनत, समर्पण और पेशेवर कामयाबियों को मान्यता देना है। बॉलीवुड ने इस विषय को प्रमुखता से कवर किया है। बॉलीवुड की कई फिल्में हैं जो कामकाजी महिलाओं की कहानी दिखाती हैं।

### तुम्हारी सुलु

साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'तुम्हारी सुलु' में एक ऐसी महिला की कहानी दिखाई गई है जो रेडियो जॉकी होती है। इस किरदार को विद्या बालन ने निभाया है। वह एक महत्वाकांक्षी गृहणी होती हैं, जो रात को प्रसारित होने वाले रिलेशनशिप सलाह शो में लोगों को सलाह देती हैं। फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया था। इस फिल्म को दुनियाभर में खूब सराहना मिली।

### नाम शबाना

साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'नाम शबाना' में एक ऐसी महिला की कहानी दिखाई गई है जो देश की सुरक्षा के लिए एक अंडर कवर एजेंट के रूप में काम करती है। इस किरदार को तापसी पन्नू ने निभाया है। तापसी पहले अपने साथ हुए अत्याचार करने वालों से बदला लेती हैं उसके बाद देश के लिए काम करती हैं। शिवम नायर के निर्देशन में बनी यह फिल्म हिट रही थी।

### मर्दानी

साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'मर्दानी' में एक महिला पुलिस अधिकारी की कहानी दिखाई गई है जो अपना काम पूरी मेहनत और लगन से करती हैं। इस किरदार को रानी मुखर्जी ने निभाया है। रानी मुखर्जी एक अपहृत किशोरी की तलाश करती हैं। इस दौरान वह मानव तस्करी के रहस्यों को उजागर करती हैं। फिल्म का निर्देशन प्रदीप सरकार ने किया है। 16 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 57 करोड़ रुपये कमाए थे।

### थप्पड़

फिल्म 'थप्पड़ (2020)' में एक ऐसी महिला की कहानी दिखाई गई है जो पढ़ी-लिखी होती है। वह ऑफिस में काम करने के बजाए घर में काम करना चुनती है। हालांकि एक दिन जब उनका पति उनको थप्पड़ मार देता है तो तब कहानी बदल जाती है। फिल्म में तापसी पन्नू ने बहुत अच्छा किरदार निभाया है। तापसी पन्नू चाहती हैं कि उनके काम को अहमियत दी जाए, उन्हें इज्जत दी जाए लेकिन उनके पति उन्हें घर में काम करने वाली एक अदना सी औरत से ज्यादा नहीं समझते हैं। हालांकि फिल्म के आखिर में उनका पति उनके काम को अहमियत देता है और माफी मांगता है।